

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १६ / १६ · Volume 16 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. पृथ्वीपुत्र — ललित | विदेह क्विज

५०० प्रश्न

२. भफाइट चाहक जिनगी — सुधांशु शेखर चौधरी | विदेह क्विज

१००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : पृथ्वीपुत्र — ललित | विदेह क्विज

भूमि, श्रम आ वर्ग-संघर्ष

१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (१)
 - (A) बालक-क्रीड़ा
 - (B) मेला-समिति
 - (C) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
 - (D) विदेशी शिक्षक
२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (२)
 - (A) नष्ट भऽ जाइत अछि
 - (B) मन्दिरमे दान होइत अछि
 - (C) आपिस होइत अछि
 - (D) समुद्रमे मिलैत अछि
३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (३)
 - (A) सरूप
 - (B) हीरालाल
 - (C) बिजली
 - (D) लोहा सिंह
४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (४)
 - (A) विद्यालयमे
 - (B) विवाह-गीतमे
 - (C) राजदरबारमे
 - (D) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (५)
 - (A) जमीन ओकरे जे गाबय
 - (B) जमीन ओकरे जे जोतय
 - (C) जमीन ओकरे जे देखय
 - (D) जमीन ओकरे जे सूतय
६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (६)
 - (A) आरामकुर्सीधारी मालिक
 - (B) समुद्री व्यापारी
 - (C) माटि कोरयवला मजूर
 - (D) दरबारी गवैया मात्र
७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (७)
 - (A) सामन्तवादी स्वामित्व
 - (B) मजूर संगठन
 - (C) लोकशिक्षा
 - (D) बाल-अभिनय
८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (८)
 - (A) काव्य-पाठक दल
 - (B) शोषित समाजक प्रतिरोध
 - (C) विदेशी सेना
 - (D) राजसी बधाई-मंडली

९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमें व्यक्त अछि? (९)

- (A) चन्द्रयात्रा
- (B) महल-वर्णन
- (C) नदी पार करबाक कथा
- (D) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह

१०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (१०)

- (A) व्यापारक छल
- (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (C) रजत सिंहासन
- (D) गीतक राग मात्र

११. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (११)

- (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
- (B) बालक-क्रीड़ा
- (C) मेला-समिति
- (D) विदेशी शिक्षक

१२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (१२)

- (A) नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) समुद्रमे मिलैत अछि
- (C) मन्दिरमे दान होइत अछि
- (D) आपिस होइत अछि

१३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (१३)

- (A) लोहा सिंह
- (B) सरूप
- (C) हीरालाल
- (D) बिजली

१४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (१४)

- (A) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (B) राजदरबारमे
- (C) विवाह-गीतमे
- (D) विद्यालयमे

१५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (१५)

- (A) जमीन ओकरे जे सूतय
- (B) जमीन ओकरे जे जोतय
- (C) जमीन ओकरे जे गाबय
- (D) जमीन ओकरे जे देखय

१६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (१६)

- (A) माटि कोरयवला मजूर
- (B) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (C) समुद्री व्यापारी
- (D) दरबारी गवैया मात्र

१७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (१७)
- (A) मजूर संगठन
(B) बाल-अभिनय
(C) लोकशिक्षा
(D) सामन्तवादी स्वामित्व
१८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (१८)
- (A) काव्य-पाठक दल
(B) शोषित समाजक प्रतिरोध
(C) राजसी बधार्ई-मंडली
(D) विदेशी सेना
१९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (१९)
- (A) महल-वर्णन
(B) चन्द्रयात्रा
(C) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
(D) नदी पार करबाक कथा
२०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (२०)
- (A) गीतक राग मात्र
(B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
(C) व्यापारक छल
(D) रजत सिंहासन
२१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (२१)
- (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
(B) बालक-क्रीड़ा
(C) मेला-समिति
(D) विदेशी शिक्षक
२२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (२२)
- (A) मन्दिरमे दान होइत अछि
(B) नष्ट भऽ जाइत अछि
(C) समुद्रमे मिलैत अछि
(D) आपिस होइत अछि
२३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (२३)
- (A) सरूप
(B) लोहा सिंह
(C) बिजली
(D) हीरालाल
२४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (२४)
- (A) राजदरबारमे
(B) विद्यालयमे
(C) विवाह-गीतमे
(D) सरूपकँ बचेबाक क्रममे

२५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (२५)
- (A) जमीन ओकरे जे जोतय
(B) जमीन ओकरे जे गाबय
(C) जमीन ओकरे जे सूतय
(D) जमीन ओकरे जे देखय
२६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (२६)
- (A) माटि कोरयवला मजूर
(B) दरबारी गवैया मात्र
(C) आरामकुर्सीधारी मालिक
(D) समुद्री व्यापारी
२७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (२७)
- (A) लोकशिक्षा
(B) बाल-अभिनय
(C) मजूर संगठन
(D) सामन्तवादी स्वामित्व
२८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (२८)
- (A) विदेशी सेना
(B) राजसी बधाई-मंडली
(C) काव्य-पाठक दल
(D) शोषित समाजक प्रतिरोध
२९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (२९)
- (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
(B) चन्द्रयात्रा
(C) महल-वर्णन
(D) नदी पार करबाक कथा
३०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (३०)
- (A) गीतक राग मात्र
(B) व्यापारक छल
(C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
(D) रजत सिंहासन
३१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (३१)
- (A) मेला-समिति
(B) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
(C) विदेशी शिक्षक
(D) बालक-क्रीड़ा
३२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (३२)
- (A) नष्ट भऽ जाइत अछि
(B) समुद्रमे मिलैत अछि
(C) मन्दिरमे दान होइत अछि
(D) आपिस होइत अछि

३३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (३३)

- (A) बिजली
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) सरूप

३४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (३४)

- (A) विद्यालयमे
- (B) विवाह-गीतमे
- (C) राजदरबारमे
- (D) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे

३५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (३५)

- (A) जमीन ओकरे जे गाबय
- (B) जमीन ओकरे जे सूतय
- (C) जमीन ओकरे जे जोतय
- (D) जमीन ओकरे जे देखय

३६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (३६)

- (A) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (B) दरबारी गवैया मात्र
- (C) माटि कोरयवला मजूर
- (D) समुद्री व्यापारी

३७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (३७)

- (A) मजूर संगठन
- (B) लोकशिक्षा
- (C) बाल-अभिनय
- (D) सामन्तवादी स्वामित्व

३८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (३८)

- (A) शोषित समाजक प्रतिरोध
- (B) राजसी बधार्ड-मंडली
- (C) काव्य-पाठक दल
- (D) विदेशी सेना

३९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (३९)

- (A) चन्द्रयात्रा
- (B) महल-वर्णन
- (C) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
- (D) नदी पार करबाक कथा

४०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (४०)

- (A) रजत सिंहासन
- (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (C) व्यापारक छल
- (D) गीतक राग मात्र

४१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (४१)

- (A) बालक-क्रीड़ा
- (B) विदेशी शिक्षक
- (C) मेला-समिति
- (D) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार

४२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (४२)

- (A) मन्दिरमे दान होइत अछि
- (B) समुद्रमे मिलैत अछि
- (C) आपिस होइत अछि
- (D) नष्ट भऽ जाइत अछि

४३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (४३)

- (A) बिजली
- (B) सरूप
- (C) लोहा सिंह
- (D) हीरालाल

४४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (४४)

- (A) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (B) विद्यालयमे
- (C) राजदरबारमे
- (D) विवाह-गीतमे

४५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (४५)

- (A) जमीन ओकरे जे सूतय
- (B) जमीन ओकरे जे जोतय
- (C) जमीन ओकरे जे गाबय
- (D) जमीन ओकरे जे देखय

४६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (४६)

- (A) माटि कोरयवला मजूर
- (B) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (C) दरबारी गवैया मात्र
- (D) समुद्री व्यापारी

४७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (४७)

- (A) मजूर संगठन
- (B) लोकशिक्षा
- (C) सामन्तवादी स्वामित्व
- (D) बाल-अभिनय

४८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (४८)

- (A) विदेशी सेना
- (B) शोषित समाजक प्रतिरोध
- (C) काव्य-पाठक दल
- (D) राजसी बधाई-मंडली

४९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमें व्यक्त अछि? (४९)

- (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
- (B) महल-वर्णन
- (C) नदी पार करबाक कथा
- (D) चन्द्रयात्रा

५०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (५०)

- (A) व्यापारक छल
- (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (C) रजत सिंहासन
- (D) गीतक राग मात्र

५१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (५१)

- (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
- (B) विदेशी शिक्षक
- (C) मेला-समिति
- (D) बालक-क्रीड़ा

५२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (५२)

- (A) नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) समुद्रमे मिलैत अछि
- (C) मन्दिरमे दान होइत अछि
- (D) आपिस होइत अछि

५३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (५३)

- (A) हीरालाल
- (B) सरूप
- (C) लोहा सिंह
- (D) बिजली

५४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (५४)

- (A) विद्यालयमे
- (B) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (C) विवाह-गीतमे
- (D) राजदरबारमे

५५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (५५)

- (A) जमीन ओकरे जे जोतय
- (B) जमीन ओकरे जे देखय
- (C) जमीन ओकरे जे गाबय
- (D) जमीन ओकरे जे सूतय

५६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (५६)

- (A) समुद्री व्यापारी
- (B) माटि कोरयवला मजूर
- (C) दरबारी गवैया मात्र
- (D) आरामकुर्सीधारी मालिक

५७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (५७)
- (A) बाल-अभिनय
(B) लोकशिक्षा
(C) मजूर संगठन
(D) सामन्तवादी स्वामित्व
५८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (५८)
- (A) विदेशी सेना
(B) राजसी बधाई-मंडली
(C) शोषित समाजक प्रतिरोध
(D) काव्य-पाठक दल
५९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (५९)
- (A) महल-वर्णन
(B) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
(C) नदी पार करबाक कथा
(D) चन्द्रयात्रा
६०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (६०)
- (A) व्यापारक छल
(B) रजत सिंहासन
(C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
(D) गीतक राग मात्र
६१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (६१)
- (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
(B) मेला-समिति
(C) विदेशी शिक्षक
(D) बालक-क्रीड़ा
६२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (६२)
- (A) आपिस होइत अछि
(B) समुद्रमे मिलैत अछि
(C) नष्ट भऽ जाइत अछि
(D) मन्दिरमे दान होइत अछि
६३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (६३)
- (A) लोहा सिंह
(B) बिजली
(C) हीरालाल
(D) सरूप
६४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (६४)
- (A) राजदरबारमे
(B) विद्यालयमे
(C) विवाह-गीतमे
(D) सरूपकँ बचेबाक क्रममे

६५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (६५)

- (A) जमीन ओकरे जे जोतय
- (B) जमीन ओकरे जे देखय
- (C) जमीन ओकरे जे सूतय
- (D) जमीन ओकरे जे गाबय

६६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (६६)

- (A) समुद्री व्यापारी
- (B) माटि कोरयवला मजूर
- (C) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (D) दरबारी गवैया मात्र

६७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (६७)

- (A) मजूर संगठन
- (B) लोकशिक्षा
- (C) सामन्तवादी स्वामित्व
- (D) बाल-अभिनय

६८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (६८)

- (A) शोषित समाजक प्रतिरोध
- (B) राजसी बधाई-मंडली
- (C) काव्य-पाठक दल
- (D) विदेशी सेना

६९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (६९)

- (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
- (B) महल-वर्णन
- (C) नदी पार करबाक कथा
- (D) चन्द्रयात्रा

७०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (७०)

- (A) रजत सिंहासन
- (B) व्यापारक छल
- (C) गीतक राग मात्र
- (D) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध

७१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (७१)

- (A) बालक-क्रीड़ा
- (B) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
- (C) विदेशी शिक्षक
- (D) मेला-समिति

७२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (७२)

- (A) आपिस होइत अछि
- (B) मन्दिरमे दान होइत अछि
- (C) नष्ट भऽ जाइत अछि
- (D) समुद्रमे मिलैत अछि

७३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (७३)

- (A) हीरालाल
- (B) सरूप
- (C) लोहा सिंह
- (D) बिजली

७४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (७४)

- (A) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (B) विद्यालयमे
- (C) राजदरबारमे
- (D) विवाह-गीतमे

७५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (७५)

- (A) जमीन ओकरे जे सूतय
- (B) जमीन ओकरे जे देखय
- (C) जमीन ओकरे जे गाबय
- (D) जमीन ओकरे जे जोतय

७६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (७६)

- (A) समुद्री व्यापारी
- (B) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (C) माटि कोरयवला मजूर
- (D) दरबारी गवैया मात्र

७७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (७७)

- (A) लोकशिक्षा
- (B) बाल-अभिनय
- (C) सामन्तवादी स्वामित्व
- (D) मजूर संगठन

७८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (७८)

- (A) विदेशी सेना
- (B) राजसी बधार्ई-मंडली
- (C) काव्य-पाठक दल
- (D) शोषित समाजक प्रतिरोध

७९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (७९)

- (A) महल-वर्णन
- (B) नदी पार करबाक कथा
- (C) चन्द्रयात्रा
- (D) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह

८०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (८०)

- (A) रजत सिंहासन
- (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (C) व्यापारक छल
- (D) गीतक राग मात्र

८१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (८१)

- (A) विदेशी शिक्षक
- (B) बालक-क्रीड़ा
- (C) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
- (D) मेला-समिति

८२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (८२)

- (A) मन्दिरमे दान होइत अछि
- (B) समुद्रमे मिलैत अछि
- (C) नष्ट भऽ जाइत अछि
- (D) आपिस होइत अछि

८३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (८३)

- (A) हीरालाल
- (B) लोहा सिंह
- (C) सरूप
- (D) बिजली

८४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (८४)

- (A) राजदरबारमे
- (B) विद्यालयमे
- (C) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (D) विवाह-गीतमे

८५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (८५)

- (A) जमीन ओकरे जे गाबय
- (B) जमीन ओकरे जे जोतय
- (C) जमीन ओकरे जे देखय
- (D) जमीन ओकरे जे सूतय

८६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (८६)

- (A) दरबारी गवैया मात्र
- (B) समुद्री व्यापारी
- (C) आरामकुर्सीधारी मालिक
- (D) माटि कोरयवला मजूर

८७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (८७)

- (A) बाल-अभिनय
- (B) मजूर संगठन
- (C) लोकशिक्षा
- (D) सामन्तवादी स्वामित्व

८८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (८८)

- (A) राजसी बधाई-मंडली
- (B) विदेशी सेना
- (C) काव्य-पाठक दल
- (D) शोषित समाजक प्रतिरोध

८९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमें व्यक्त अछि? (८९)

- (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
- (B) नदी पार करबाक कथा
- (C) महल-वर्णन
- (D) चन्द्रयात्रा

९०. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (९०)

- (A) रजत सिंहासन
- (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (C) गीतक राग मात्र
- (D) व्यापारक छल

९१. भूमि-संघर्ष: उपन्यासमे जमीनक संघर्ष मुख्यतः ककरा विरुद्ध अछि? (९१)

- (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार
- (B) बालक-क्रीड़ा
- (C) विदेशी शिक्षक
- (D) मेला-समिति

९२. भूमि-संघर्ष: सर्वे बाद गरीबक जमीन कागजपर कोना बदलैत अछि? (९२)

- (A) समुद्रमे मिलैत अछि
- (B) आपिस होइत अछि
- (C) नष्ट भऽ जाइत अछि
- (D) मन्दिरमे दान होइत अछि

९३. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुरक हँसेरीदल ककर नेतृत्वमे हमला करैत अछि? (९३)

- (A) लोहा सिंह
- (B) बिजली
- (C) हीरालाल
- (D) सरूप

९४. भूमि-संघर्ष: गेनालालक मृत्यु कोन प्रसंगमे होइत अछि? (९४)

- (A) राजदरबारमे
- (B) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे
- (C) विद्यालयमे
- (D) विवाह-गीतमे

९५. भूमि-संघर्ष: वर्ग-संघर्षक मूल नारा-सदृश भाव की अछि? (९५)

- (A) जमीन ओकरे जे देखय
- (B) जमीन ओकरे जे जोतय
- (C) जमीन ओकरे जे सूतय
- (D) जमीन ओकरे जे गाबय

९६. भूमि-संघर्ष: उपन्यासक श्रम-दृष्टि कोन वर्गक पक्षमे अछि? (९६)

- (A) दरबारी गवैया मात्र
- (B) माटि कोरयवला मजूर
- (C) समुद्री व्यापारी
- (D) आरामकुर्सीधारी मालिक

९७. भूमि-संघर्ष: जंगबहादुर सिंह कोन शक्तिक प्रतीक छथि? (९७)

- (A) सामन्तवादी स्वामित्व
- (B) बाल-अभिनय
- (C) लोकशिक्षा
- (D) मजूर संगठन

९८. भूमि-संघर्ष: सरूपक दल जमीन-संघर्षमे कोन रूप धारण करैत अछि? (९८)

- (A) काव्य-पाठक दल
- (B) शोषित समाजक प्रतिरोध
- (C) विदेशी सेना
- (D) राजसी बधाई-मंडली

९९. भूमि-संघर्ष: पलायनवादक विरोध कृति मे कोन माध्यमँ व्यक्त अछि? (९९)

- (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह
- (B) महल-वर्णन
- (C) नदी पार करबाक कथा
- (D) चन्द्रयात्रा

१००. भूमि-संघर्ष: कृषि-प्रधान समाजमे पृथ्वीपुत्रक सन्देश की अछि? (१००)

- (A) गीतक राग मात्र
- (B) रजत सिंहासन
- (C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध
- (D) व्यापारक छल

जाति-समाज आ यथार्थ

१०१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (१)

- (A) राजा
- (B) पुरोहित
- (C) चोर
- (D) शिक्षक

१०२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (२)

- (A) सरूपक दोष
- (B) हीरालालक दोष
- (C) कलपूक दोष
- (D) जंगबहादुरक दोष

१०३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (३)

- (A) विद्यालयमे
- (B) नदी किनार
- (C) जेलमे
- (D) राजमहलमे

१०४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (४)

- (A) कलक्टर
- (B) राजा
- (C) रेलवे बाबू
- (D) ग्राम-देवता

१०५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकरैत अछि? (५)

- (A) नैतिक प्रश्न
- (B) व्यक्ति-दोष
- (C) चोरक जाति होइत अछि
- (D) समाजक विविधता

१०६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (६)

- (A) चोरी छोड़बाक सपथ
- (B) जमीन सर्वे
- (C) विद्यापति गीत
- (D) राम-विवाह

१०७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (७)

- (A) केवल राजाश्रय अछि
- (B) केवल नगर अछि
- (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (D) समाजमे कोनो भेद नहि

१०८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (८)

- (A) दरबारी अलंकार
- (B) विदेशी वर्णन
- (C) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (D) देव-चमत्कार

१०९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (९)

- (A) समन्वयवादी दृष्टि
- (B) राजभक्ति
- (C) निष्क्रियता
- (D) जातीय संकीर्णता

११०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (१०)

- (A) सबल पक्ष
- (B) अनुपस्थित प्रसंग
- (C) पूर्णतः असंगत भाग
- (D) केवल हास्य

१११. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (११)

- (A) शिक्षक
- (B) चोर
- (C) पुरोहित
- (D) राजा

११२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (१२)

- (A) हीरालालक दोष
- (B) सरूपक दोष
- (C) जंगबहादुरक दोष
- (D) कलपूक दोष

११३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (१३)

- (A) विद्यालयमे
- (B) नदी किनार
- (C) राजमहलमे
- (D) जेलमे

११४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (१४)

- (A) रेलवे बाबू
- (B) कलक्टर
- (C) ग्राम-देवता
- (D) राजा

११५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (१५)

- (A) व्यक्ति-दोष
- (B) समाजक विविधता
- (C) नैतिक प्रश्न
- (D) चोरक जाति होइत अछि

११६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (१६)

- (A) राम-विवाह
- (B) विद्यापति गीत
- (C) जमीन सर्वे
- (D) चोरी छोड़बाक सपथ

११७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (१७)

- (A) केवल नगर अछि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (D) समाजमे कोनो भेद नहि

११८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (१८)

- (A) विदेशी वर्णन
- (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (C) दरबारी अलंकार
- (D) देव-चमत्कार

११९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (१९)

- (A) जातीय संकीर्णता
- (B) निष्क्रियता
- (C) समन्वयवादी दृष्टि
- (D) राजभक्ति

१२०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (२०)

- (A) केवल हास्य
- (B) सबल पक्ष
- (C) पूर्णतः असंगत भाग
- (D) अनुपस्थित प्रसंग

१२१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (२१)

- (A) राजा
- (B) पुरोहित
- (C) चोर
- (D) शिक्षक

१२२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (२२)

- (A) सरूपक दोष
- (B) जंगबहादुरक दोष
- (C) कलपूक दोष
- (D) हीरालालक दोष

१२३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (२३)

- (A) विद्यालयमे
- (B) जेलमे
- (C) राजमहलमे
- (D) नदी किनार

१२४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (२४)

- (A) कलक्टर
- (B) ग्राम-देवता
- (C) रेलवे बाबू
- (D) राजा

१२५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (२५)

- (A) व्यक्ति-दोष
- (B) समाजक विविधता
- (C) चोरक जाति होइत अछि
- (D) नैतिक प्रश्न

१२६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौंदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (२६)

- (A) चोरी छोड़बाक सपथ
- (B) विद्यापति गीत
- (C) जमीन सर्वे
- (D) राम-विवाह

१२७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (२७)

- (A) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) केवल नगर अछि
- (D) समाजमे कोनो भेद नहि

१२८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (२८)

- (A) विदेशी वर्णन
- (B) देव-चमत्कार
- (C) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (D) दरबारी अलंकार

१२९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्म भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (२९)

- (A) समन्वयवादी दृष्टि
- (B) निष्क्रियता
- (C) जातीय संकीर्णता
- (D) राजभक्ति

१३०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (३०)

- (A) अनुपस्थित प्रसंग
- (B) केवल हास्य
- (C) सबल पक्ष
- (D) पूर्णतः असंगत भाग

१३१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (३१)

- (A) पुरोहित
- (B) राजा
- (C) शिक्षक
- (D) चोर

१३२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (३२)

- (A) हीरालालक दोष
- (B) कलपूक दोष
- (C) सरूपक दोष
- (D) जंगबहादुरक दोष

१३३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (३३)

- (A) राजमहलमे
- (B) विद्यालयमे
- (C) जेलमे
- (D) नदी किनार

१३४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (३४)

- (A) राजा
- (B) कलक्टर
- (C) रेलवे बाबू
- (D) ग्राम-देवता

१३५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (३५)

- (A) समाजक विविधता
- (B) व्यक्ति-दोष
- (C) चोरक जाति होइत अछि
- (D) नैतिक प्रश्न

१३६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (३६)

- (A) चोरी छोड़बाक सपथ
- (B) राम-विवाह
- (C) विद्यापति गीत
- (D) जमीन सर्वे

१३७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (३७)

- (A) समाजमे कोनो भेद नहि
- (B) केवल नगर अछि
- (C) केवल राजाश्रय अछि
- (D) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि

१३८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (३८)

- (A) देव-चमत्कार
- (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (C) दरबारी अलंकार
- (D) विदेशी वर्णन

१३९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्म भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (३९)

- (A) समन्वयवादी दृष्टि
- (B) निष्क्रियता
- (C) जातीय संकीर्णता
- (D) राजभक्ति

१४०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (४०)

- (A) अनुपस्थित प्रसंग
- (B) सबल पक्ष
- (C) केवल हास्य
- (D) पूर्णतः असंगत भाग

१४१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (४१)

- (A) चोर
- (B) पुरोहित
- (C) शिक्षक
- (D) राजा

१४२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (४२)

- (A) हीरालालक दोष
- (B) जंगबहादुरक दोष
- (C) सरूपक दोष
- (D) कलपूक दोष

१४३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (४३)

- (A) नदी किनार
- (B) विद्यालयमे
- (C) राजमहलमे
- (D) जेलमे

१४४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (४४)

- (A) राजा
- (B) ग्राम-देवता
- (C) रेलवे बाबू
- (D) कलक्टर

१४५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (४५)

- (A) नैतिक प्रश्न
- (B) चोरक जाति होइत अछि
- (C) व्यक्ति-दोष
- (D) समाजक विविधता

१४६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (४६)

- (A) चोरी छोड़बाक सपथ
- (B) जमीन सर्वे
- (C) राम-विवाह
- (D) विद्यापति गीत

१४७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (४७)

- (A) समाजमे कोनो भेद नहि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (D) केवल नगर अछि

१४८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (४८)

- (A) दरबारी अलंकार
- (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (C) विदेशी वर्णन
- (D) देव-चमत्कार

१४९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (४९)

- (A) जातीय संकीर्णता
- (B) राजभक्ति
- (C) समन्वयवादी दृष्टि
- (D) निष्क्रियता

१५०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (५०)

- (A) केवल हास्य
- (B) सबल पक्ष
- (C) पूर्णतः असंगत भाग
- (D) अनुपस्थित प्रसंग

१५१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (५१)

- (A) राजा
- (B) शिक्षक
- (C) चोर
- (D) पुरोहित

१५२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (५२)

- (A) जंगबहादुरक दोष
- (B) हीरालालक दोष
- (C) सरूपक दोष
- (D) कलपूक दोष

१५३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (५३)

- (A) राजमहलमे
- (B) नदी किनार
- (C) विद्यालयमे
- (D) जेलमे

१५४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (५४)

- (A) कलक्टर
- (B) रेलवे बाबू
- (C) ग्राम-देवता
- (D) राजा

१५५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (५५)

- (A) समाजक विविधता
- (B) व्यक्ति-दोष
- (C) चोरक जाति होइत अछि
- (D) नैतिक प्रश्न

१५६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (५६)

- (A) राम-विवाह
- (B) विद्यापति गीत
- (C) चोरी छोड़बाक सपथ
- (D) जमीन सर्वे

१५७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (५७)

- (A) समाजमे कोनो भेद नहि
- (B) केवल नगर अछि
- (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (D) केवल राजाश्रय अछि

१५८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (५८)

- (A) देव-चमत्कार
- (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (C) दरबारी अलंकार
- (D) विदेशी वर्णन

१५९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (५९)

- (A) समन्वयवादी दृष्टि
- (B) निष्क्रियता
- (C) जातीय संकीर्णता
- (D) राजभक्ति

१६०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (६०)

- (A) अनुपस्थित प्रसंग
- (B) केवल हास्य
- (C) सबल पक्ष
- (D) पूर्णतः असंगत भाग

१६१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (६१)
- (A) पुरोहित
(B) चोर
(C) शिक्षक
(D) राजा
१६२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (६२)
- (A) सरूपक दोष
(B) हीरालालक दोष
(C) कलपूक दोष
(D) जंगबहादुरक दोष
१६३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (६३)
- (A) जेलमे
(B) नदी किनार
(C) विद्यालयमे
(D) राजमहलमे
१६४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (६४)
- (A) राजा
(B) कलक्टर
(C) ग्राम-देवता
(D) रेलवे बाबू
१६५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (६५)
- (A) नैतिक प्रश्न
(B) समाजक विविधता
(C) व्यक्ति-दोष
(D) चोरक जाति होइत अछि
१६६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (६६)
- (A) जमीन सर्वे
(B) विद्यापति गीत
(C) राम-विवाह
(D) चोरी छोड़बाक सपथ
१६७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (६७)
- (A) समाजमे कोनो भेद नहि
(B) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
(C) केवल नगर अछि
(D) केवल राजाश्रय अछि
१६८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (६८)
- (A) विदेशी वर्णन
(B) दरबारी अलंकार
(C) देव-चमत्कार
(D) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण

१६९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्म भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (६९)

- (A) निष्क्रियता
- (B) जातीय संकीर्णता
- (C) समन्वयवादी दृष्टि
- (D) राजभक्ति

१७०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (७०)

- (A) पूर्णतः असंगत भाग
- (B) अनुपस्थित प्रसंग
- (C) सबल पक्ष
- (D) केवल हास्य

१७१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (७१)

- (A) राजा
- (B) शिक्षक
- (C) पुरोहित
- (D) चोर

१७२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (७२)

- (A) हीरालालक दोष
- (B) सरूपक दोष
- (C) जंगबहादुरक दोष
- (D) कलपूक दोष

१७३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (७३)

- (A) जेलमे
- (B) नदी किनार
- (C) राजमहलमे
- (D) विद्यालयमे

१७४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (७४)

- (A) राजा
- (B) कलक्टर
- (C) रेलवे बाबू
- (D) ग्राम-देवता

१७५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (७५)

- (A) नैतिक प्रश्न
- (B) समाजक विविधता
- (C) व्यक्ति-दोष
- (D) चोरक जाति होइत अछि

१७६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (७६)

- (A) जमीन सर्वे
- (B) चोरी छोड़बाक सपथ
- (C) विद्यापति गीत
- (D) राम-विवाह

१७७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (७७)

- (A) केवल नगर अछि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (D) समाजमे कोनो भेद नहि

१७८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (७८)

- (A) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (B) देव-चमत्कार
- (C) विदेशी वर्णन
- (D) दरबारी अलंकार

१७९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (७९)

- (A) जातीय संकीर्णता
- (B) निष्क्रियता
- (C) राजभक्ति
- (D) समन्वयवादी दृष्टि

१८०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (८०)

- (A) केवल हास्य
- (B) पूर्णतः असंगत भाग
- (C) अनुपस्थित प्रसंग
- (D) सबल पक्ष

१८१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (८१)

- (A) चोर
- (B) शिक्षक
- (C) पुरोहित
- (D) राजा

१८२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (८२)

- (A) हीरालालक दोष
- (B) जंगबहादुरक दोष
- (C) कलपूक दोष
- (D) सरूपक दोष

१८३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (८३)

- (A) जेलमे
- (B) विद्यालयमे
- (C) नदी किनार
- (D) राजमहलमे

१८४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (८४)

- (A) राजा
- (B) रेलवे बाबू
- (C) कलक्टर
- (D) ग्राम-देवता

१८५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकरैत अछि? (८५)

- (A) चोरक जाति होइत अछि
- (B) नैतिक प्रश्न
- (C) व्यक्ति-दोष
- (D) समाजक विविधता

१८६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (८६)

- (A) राम-विवाह
- (B) विद्यापति गीत
- (C) जमीन सर्वे
- (D) चोरी छोड़बाक सपथ

१८७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (८७)

- (A) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) समाजमे कोनो भेद नहि
- (D) केवल नगर अछि

१८८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (८८)

- (A) दरबारी अलंकार
- (B) देव-चमत्कार
- (C) विदेशी वर्णन
- (D) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण

१८९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (८९)

- (A) जातीय संकीर्णता
- (B) राजभक्ति
- (C) निष्क्रियता
- (D) समन्वयवादी दृष्टि

१९०. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (९०)

- (A) सबल पक्ष
- (B) अनुपस्थित प्रसंग
- (C) पूर्णतः असंगत भाग
- (D) केवल हास्य

१९१. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासमे बिसेखी पासवानक आरम्भिक चरित्र कोन रूपमे आयल अछि? (९१)

- (A) राजा
- (B) पुरोहित
- (C) शिक्षक
- (D) चोर

१९२. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखी पुत्र-मोहँ ककर दोष अपना ऊपर लैत अछि? (९२)

- (A) सरूपक दोष
- (B) हीरालालक दोष
- (C) जंगबहादुरक दोष
- (D) कलपूक दोष

१९३. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक मृत्यु कतय होइत अछि? (९३)

- (A) नदी किनार
- (B) राजमहलमे
- (C) विद्यालयमे
- (D) जेलमे

१९४. जाति-समाज आ यथार्थ: चोरी छोड़बाक सपथ कोन अधिकारीक आगाँ लेल जाइत अछि? (९४)

- (A) रेलवे बाबू
- (B) राजा
- (C) कलक्टर
- (D) ग्राम-देवता

१९५. जाति-समाज आ यथार्थ: सपथ प्रसंगमे चोरक नाम विविध जातिसँ लएने ककरा नकारैत अछि? (९५)

- (A) व्यक्ति-दोष
- (B) समाजक विविधता
- (C) नैतिक प्रश्न
- (D) चोरक जाति होइत अछि

१९६. जाति-समाज आ यथार्थ: घुरन दुसाध, मंडर पांडे, खखन जट्ट, रौदी खलीफा, बुच्ची झा कोन प्रसंगसँ जुड़ल छथि? (९६)

- (A) राम-विवाह
- (B) विद्यापति गीत
- (C) जमीन सर्वे
- (D) चोरी छोड़बाक सपथ

१९७. जाति-समाज आ यथार्थ: उपन्यासक जाति-दृष्टि कोन बात देखबैत अछि? (९७)

- (A) केवल नगर अछि
- (B) केवल राजाश्रय अछि
- (C) समाजमे कोनो भेद नहि
- (D) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि

१९८. जाति-समाज आ यथार्थ: दलित वा पछड़ल समाजक उपस्थिति कृतिक कोन पक्ष मजबूत करैत अछि? (९८)

- (A) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण
- (B) विदेशी वर्णन
- (C) दरबारी अलंकार
- (D) देव-चमत्कार

१९९. जाति-समाज आ यथार्थ: पृथ्वीपुत्रमे समाजक अग्रासन पर बैसल लोक सेहो कुकर्मी भऽ सकैत अछि—ई विचार कोन दृष्टि अछि? (९९)

- (A) समन्वयवादी दृष्टि
- (B) राजभक्ति
- (C) जातीय संकीर्णता
- (D) निष्क्रियता

२००. जाति-समाज आ यथार्थ: बिसेखीक चरित्र-परिवर्तन कृतिक कोन पक्ष मानल गेल? (१००)

- (A) सबल पक्ष
- (B) पूर्णतः असंगत भाग
- (C) केवल हास्य
- (D) अनुपस्थित प्रसंग

भाषा, शैली आ कथाशिल्प

२०१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (C) केवल फारसी शैली
- (D) अंग्रेजी मिश्रित भाषा

२०२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (२)

- (A) नीक स्थान राखैत अछि
- (B) केवल नाटकात्मक
- (C) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (D) केवल गीतात्मक

२०३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (३)

- (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (B) लिपि-त्याग
- (C) कथाविहीनता
- (D) केवल उद्धरण

२०४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (४)

- (A) अंतरिक्ष-कल्पना
- (B) समुद्र-वर्णन
- (C) स्थानीय वातावरण
- (D) राजसी वेशभूषा

२०५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (५)

- (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (B) केवल गणना
- (C) केवल युद्ध
- (D) केवल छन्द

२०६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (६)

- (A) केवल मंत्र-पाठ
- (B) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (C) प्रांजल मैथिली गद्य
- (D) असम्बद्ध ध्वनि

२०७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (७)

- (A) कथा बिना हास्य असंभव
- (B) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (C) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (D) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि

२०८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (८)

- (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (B) छन्द-गणनामे
- (C) अंग्रेजी पदावलीमे
- (D) केवल पुराण नकलमे

२०९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (९)

- (A) पञ्चाङ्ग-गणनासँ
- (B) समाजक घटना आ संवादसँ
- (C) सूची-पठनसँ
- (D) शब्दकोश-संग्रहसँ

२१०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (१०)

- (A) अप्रासंगिक सजावट
- (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (C) अलग विषय
- (D) बाधा मात्र

२११. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (११)

- (A) केवल फारसी शैली
- (B) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (C) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (D) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली

२१२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (१२)

- (A) केवल नाटकात्मक
- (B) केवल गीतात्मक
- (C) नीक स्थान राखैत अछि
- (D) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण

२१३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (१३)

- (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (B) केवल उद्धरण
- (C) लिपि-त्याग
- (D) कथाविहीनता

२१४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (१४)

- (A) स्थानीय वातावरण
- (B) राजसी वेशभूषा
- (C) अंतरिक्ष-कल्पना
- (D) समुद्र-वर्णन

२१५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (१५)

- (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल युद्ध
- (D) केवल गणना

२१६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (१६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) केवल मंत्र-पाठ
- (C) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (D) प्रांजल मैथिली गद्य

२१७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (१७)

- (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (B) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (C) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२१८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (१८)

- (A) छन्द-गणनामे
- (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (C) केवल पुराण नकलमे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२१९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (१९)

- (A) पञ्चाङ्ग-गणनासँ
- (B) समाजक घटना आ संवादसँ
- (C) सूची-पठनसँ
- (D) शब्दकोश-संग्रहसँ

२२०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (२०)

- (A) बाधा मात्र
- (B) अलग विषय
- (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (D) अप्रासंगिक सजावट

२२१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (२१)

- (A) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (B) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (C) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (D) केवल फारसी शैली

२२२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (२२)

- (A) केवल गीतात्मक
- (B) नीक स्थान राखैत अछि
- (C) केवल नाटकात्मक
- (D) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण

२२३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (२३)

- (A) कथाविहीनता
- (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (C) लिपि-त्याग
- (D) केवल उद्धरण

२२४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (२४)

- (A) अंतरिक्ष-कल्पना
- (B) स्थानीय वातावरण
- (C) राजसी वेशभूषा
- (D) समुद्र-वर्णन

२२५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (२५)

- (A) केवल गणना
- (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (C) केवल छन्द
- (D) केवल युद्ध

२२६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (२६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) प्रांजल मैथिली गद्य
- (C) केवल मंत्र-पाठ
- (D) स्तब्ध दफ्तर-भाषा

२२७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (२७)

- (A) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (B) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२२८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (२८)

- (A) केवल पुराण नकलमे
- (B) छन्द-गणनामे
- (C) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२२९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (२९)

- (A) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (B) पञ्चाङ्ग-गणनासँ
- (C) सूची-पठनसँ
- (D) समाजक घटना आ संवादसँ

२३०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (३०)

- (A) अप्रासंगिक सजावट
- (B) अलग विषय
- (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (D) बाधा मात्र

२३१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (३१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (C) केवल फारसी शैली
- (D) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य

२३२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (३२)

- (A) केवल नाटकात्मक
- (B) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (C) नीक स्थान राखैत अछि
- (D) केवल गीतात्मक

२३३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (३३)

- (A) केवल उद्धरण
- (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (C) कथाविहीनता
- (D) लिपि-त्याग

२३४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (३४)

- (A) समुद्र-वर्णन
- (B) राजसी वेशभूषा
- (C) अंतरिक्ष-कल्पना
- (D) स्थानीय वातावरण

२३५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (३५)

- (A) केवल गणना
- (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (C) केवल युद्ध
- (D) केवल छन्द

२३६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (३६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) केवल मंत्र-पाठ
- (C) प्रांजल मैथिली गद्य
- (D) स्तब्ध दफ्तर-भाषा

२३७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (३७)

- (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (B) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (C) कथा बिना हास्य असंभव
- (D) हास्य ही एकमात्र रस अछि

२३८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (३८)

- (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (B) केवल पुराण नकलमे
- (C) छन्द-गणनामे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२३९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (३९)

- (A) समाजक घटना आ संवादसँ
- (B) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (C) सूची-पठनसँ
- (D) पञ्चाङ्ग-गणनासँ

२४०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (४०)

- (A) अप्रासंगिक सजावट
- (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (C) अलग विषय
- (D) बाधा मात्र

२४१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (४१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (C) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (D) केवल फारसी शैली

२४२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (४२)

- (A) केवल नाटकात्मक
- (B) केवल गीतात्मक
- (C) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (D) नीक स्थान राखैत अछि

२४३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (४३)

- (A) लिपि-त्याग
- (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (C) केवल उद्धरण
- (D) कथाविहीनता

२४४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (४४)

- (A) समुद्र-वर्णन
- (B) अंतरिक्ष-कल्पना
- (C) राजसी वेशभूषा
- (D) स्थानीय वातावरण

२४५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (४५)

- (A) केवल गणना
- (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (C) केवल छन्द
- (D) केवल युद्ध

२४६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (४६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) प्रांजल मैथिली गद्य
- (C) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (D) केवल मंत्र-पाठ

२४७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (४७)

- (A) कथा बिना हास्य असंभव
- (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (C) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (D) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि

२४८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (४८)

- (A) केवल पुराण नकलमे
- (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (C) छन्द-गणनामे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२४९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (४९)

- (A) समाजक घटना आ संवादसँ
- (B) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (C) सूची-पठनसँ
- (D) पञ्चाङ्ग-गणनासँ

२५०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (५०)

- (A) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (B) बाधा मात्र
- (C) अप्रासंगिक सजावट
- (D) अलग विषय

२५१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (५१)

- (A) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (B) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (C) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (D) केवल फारसी शैली

२५२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (५२)

- (A) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (B) नीक स्थान राखैत अछि
- (C) केवल गीतात्मक
- (D) केवल नाटकात्मक

२५३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (५३)

- (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (B) कथाविहीनता
- (C) लिपि-त्याग
- (D) केवल उद्धरण

२५४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (५४)

- (A) समुद्र-वर्णन
- (B) अंतरिक्ष-कल्पना
- (C) राजसी वेशभूषा
- (D) स्थानीय वातावरण

२५५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (५५)

- (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (B) केवल युद्ध
- (C) केवल गणना
- (D) केवल छन्द

२५६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (५६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) केवल मंत्र-पाठ
- (C) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (D) प्रांजल मैथिली गद्य

२५७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (५७)

- (A) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (B) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२५८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (५८)

- (A) छन्द-गणनामे
- (B) अंग्रेजी पदावलीमे
- (C) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (D) केवल पुराण नकलमे

२५९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (५९)

- (A) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (B) पञ्चाङ्ग-गणनासँ
- (C) समाजक घटना आ संवादसँ
- (D) सूची-पठनसँ

२६०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (६०)

- (A) अलग विषय
- (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (C) अप्रासंगिक सजावट
- (D) बाधा मात्र

२६१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (६१)

- (A) केवल फारसी शैली
- (B) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (C) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (D) अंग्रेजी मिश्रित भाषा

२६२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (६२)

- (A) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (B) केवल नाटकात्मक
- (C) केवल गीतात्मक
- (D) नीक स्थान राखैत अछि

२६३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (६३)

- (A) केवल उद्धरण
- (B) कथाविहीनता
- (C) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (D) लिपि-त्याग

२६४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (६४)

- (A) समुद्र-वर्णन
- (B) अंतरिक्ष-कल्पना
- (C) स्थानीय वातावरण
- (D) राजसी वेशभूषा

२६५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (६५)

- (A) केवल गणना
- (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (C) केवल छन्द
- (D) केवल युद्ध

२६६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (६६)

- (A) प्रांजल मैथिली गद्य
- (B) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (C) केवल मंत्र-पाठ
- (D) असम्बद्ध ध्वनि

२६७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (६७)

- (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (B) कथा बिना हास्य असंभव
- (C) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (D) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि

२६८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (६८)

- (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (B) छन्द-गणनामे
- (C) केवल पुराण नकलमे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२६९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (६९)

- (A) सूची-पठनसँ
- (B) समाजक घटना आ संवादसँ
- (C) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (D) पञ्चाङ्ग-गणनासँ

२७०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (७०)

- (A) अलग विषय
- (B) बाधा मात्र
- (C) अप्रासंगिक सजावट
- (D) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति

२७१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (७१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) केवल फारसी शैली
- (C) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (D) अंग्रेजी मिश्रित भाषा

२७२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (७२)

- (A) केवल गीतात्मक
- (B) नीक स्थान राखैत अछि
- (C) केवल नाटकात्मक
- (D) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण

२७३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (७३)

- (A) लिपि-त्याग
- (B) कथाविहीनता
- (C) केवल उद्धरण
- (D) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग

२७४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (७४)

- (A) अंतरिक्ष-कल्पना
- (B) राजसी वेशभूषा
- (C) समुद्र-वर्णन
- (D) स्थानीय वातावरण

२७५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (७५)

- (A) केवल गणना
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल युद्ध
- (D) नाम आ यथार्थक व्यंजना

२७६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (७६)

- (A) असम्बद्ध ध्वनि
- (B) केवल मंत्र-पाठ
- (C) प्रांजल मैथिली गद्य
- (D) स्तब्ध दफ्तर-भाषा

२७७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (७७)

- (A) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (C) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२७८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (७८)

- (A) छन्द-गणनामे
- (B) केवल पुराण नकलमे
- (C) अंग्रेजी पदावलीमे
- (D) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे

२७९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (७९)

- (A) सूची-पठनसँ
- (B) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (C) समाजक घटना आ संवादसँ
- (D) पञ्चाङ्ग-गणनासँ

२८०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (८०)

- (A) अप्रासंगिक सजावट
- (B) अलग विषय
- (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (D) बाधा मात्र

२८१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (८१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) अंग्रेजी मिश्रित भाषा
- (C) केवल फारसी शैली
- (D) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य

२८२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (८२)

- (A) केवल नाटकात्मक
- (B) केवल गीतात्मक
- (C) नीक स्थान राखैत अछि
- (D) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण

२८३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखकक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (८३)

- (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (B) लिपि-त्याग
- (C) केवल उद्धरण
- (D) कथाविहीनता

२८४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (८४)

- (A) समुद्र-वर्णन
- (B) स्थानीय वातावरण
- (C) राजसी वेशभूषा
- (D) अंतरिक्ष-कल्पना

२८५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (८५)

- (A) केवल छन्द
- (B) केवल गणना
- (C) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (D) केवल युद्ध

२८६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (८६)

- (A) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (B) प्रांजल मैथिली गद्य
- (C) केवल मंत्र-पाठ
- (D) असम्बद्ध ध्वनि

२८७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (८७)

- (A) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (C) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२८८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (८८)

- (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (B) छन्द-गणनामे
- (C) केवल पुराण नकलमे
- (D) अंग्रेजी पदावलीमे

२८९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (८९)

- (A) समाजक घटना आ संवादसँ
- (B) सूची-पठनसँ
- (C) शब्दकोश-संग्रहसँ
- (D) पञ्चाङ्ग-गणनासँ

२९०. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (९०)

- (A) अप्रासंगिक सजावट
- (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (C) अलग विषय
- (D) बाधा मात्र

२९१. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा-शैलीक प्रमुख गुण की कहल गेल? (९१)

- (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली
- (B) संस्कृत-निष्ठ शुष्क गद्य
- (C) केवल फारसी शैली
- (D) अंग्रेजी मिश्रित भाषा

२९२. भाषा-शैली: कथाशिल्पमे पृथ्वीपुत्रक स्थान कोना आँकल गेल? (९२)

- (A) केवल नाटकात्मक
- (B) नीक स्थान राखैत अछि
- (C) पूर्णतः अमहत्त्वपूर्ण
- (D) केवल गीतात्मक

२९३. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक भाषा ओकर लेखक कोन सामर्थ्य देखबैत अछि? (९३)

- (A) कथाविहीनता
- (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग
- (C) लिपि-त्याग
- (D) केवल उद्धरण

२९४. भाषा-शैली: जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम ककर निर्माण करैत अछि? (९४)

- (A) अंतरिक्ष-कल्पना
- (B) राजसी वेशभूषा
- (C) स्थानीय वातावरण
- (D) समुद्र-वर्णन

२९५. भाषा-शैली: “बबुरबन्ना” नामक प्रसंग शिल्पमे कोन अर्थ देइत अछि? (९५)

- (A) केवल युद्ध
- (B) केवल गणना
- (C) नाम आ यथार्थक व्यंजना
- (D) केवल छन्द

२९६. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक वाक्य-प्रवाह कोन गद्य-धारा दिस संकेत करैत अछि? (९६)

- (A) स्तब्ध दफ्तर-भाषा
- (B) प्रांजल मैथिली गद्य
- (C) केवल मंत्र-पाठ
- (D) असम्बद्ध ध्वनि

२९७. भाषा-शैली: उपन्यासमे हास्यरसक अभाव पर आलोचनात्मक मतक उत्तर कोन अछि? (९७)

- (A) हास्य ही एकमात्र रस अछि
- (B) हास्यसँ जमीन बँटैत अछि
- (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि
- (D) कथा बिना हास्य असंभव

२९८. भाषा-शैली: ललितक गद्यक नवता कोनमे अछि? (९८)

- (A) छन्द-गणनामे
- (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे
- (C) अंग्रेजी पदावलीमे
- (D) केवल पुराण नकलमे

२९९. भाषा-शैली: कथा-वर्णनक गति कोन कारणेँ बनैत अछि? (९९)

- (A) सूची-पठनसँ
- (B) पञ्चाङ्ग-गणनासँ
- (C) समाजक घटना आ संवादसँ
- (D) शब्दकोश-संग्रहसँ

३००. भाषा-शैली: पृथ्वीपुत्रक शैलीक अध्ययनमे आंचलिकता केहेन तत्व अछि? (१००)

- (A) अलग विषय
- (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति
- (C) बाधा मात्र
- (D) अप्रासंगिक सजावट

आलोचना, सीमा आ सम्भावना

३०१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (१)

- (A) केवल अलंकार-गणना
- (B) केवल हास्य-विनोद
- (C) केवल राजदरबार
- (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण

३०२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (२)

- (A) सर्वसम्मति
- (B) औचित्यहीनता
- (C) अति-स्पष्ट समाधान
- (D) पूर्ण न्याय

३०३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (३)

- (A) पूर्ण सामाजिक क्रांति
- (B) दैवी विवाह
- (C) राजनीतिक जीत
- (D) निष्कर्षहीन प्रेम

३०४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (४)

- (A) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (B) केवल गीत आ नृत्य
- (C) विदेश आ स्वदेश
- (D) धन आ व्यापार

३०५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) लोककें मौन करि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) गाम छोड़ि

३०६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (६)

- (A) मैथिली उपन्यासमे नव सामाजिक दिशा
- (B) केवल अनुवाद
- (C) कथाविहीनता
- (D) अप्रासंगिक मनोरंजन

३०७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (७)

- (A) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (B) भाषा-शैली
- (C) खेतीक वर्णन
- (D) ऋतुगीत

३०८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (८)

- (A) राज-स्तुति
- (B) केवल देवपूजा
- (C) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (D) चित्र-वर्णन

३०९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (९)

- (A) केवल प्रशंसा रूपमे
- (B) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (C) स्रोत बिना
- (D) केवल दोष रूपमे

३१०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (१०)

- (A) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (B) असाहित्यिक पर्चा
- (C) राजसी इतिहास मात्र
- (D) बाल-कथा मात्र

३११. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (११)

- (A) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (B) केवल हास्य-विनोद
- (C) केवल राजदरबार
- (D) केवल अलंकार-गणना

३१२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (१२)

- (A) पूर्ण न्याय
- (B) अति-स्पष्ट समाधान
- (C) औचित्यहीनता
- (D) सर्वसम्मति

३१३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (१३)

- (A) राजनीतिक जीत
- (B) दैवी विवाह
- (C) निष्कर्षहीन प्रेम
- (D) पूर्ण सामाजिक क्रांति

३१४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (१४)

- (A) विदेश आ स्वदेश
- (B) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (C) केवल गीत आ नृत्य
- (D) धन आ व्यापार

३१५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (१५)

- (A) गाम छोड़ि
- (B) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (C) सामन्ती अधिकार मानि
- (D) लोककें मौन करि

३१६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (१६)

- (A) केवल अनुवाद
- (B) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (C) कथाविहीनता
- (D) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा

३१७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (१७)

- (A) भाषा-शैली
- (B) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (C) खेतीक वर्णन
- (D) ऋतुगीत

३१८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (१८)

- (A) राज-स्तुति
- (B) चित्र-वर्णन
- (C) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (D) केवल देवपूजा

३१९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (१९)

- (A) स्रोत बिना
- (B) केवल दोष रूपमे
- (C) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (D) केवल प्रशंसा रूपमे

३२०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (२०)

- (A) राजसी इतिहास मात्र
- (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (C) असाहित्यिक पर्चा
- (D) बाल-कथा मात्र

३२१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (२१)

- (A) केवल अलंकार-गणना
- (B) केवल राजदरबार
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (D) केवल हास्य-विनोद

३२२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (२२)

- (A) सर्वसम्मति
- (B) पूर्ण न्याय
- (C) औचित्यहीनता
- (D) अति-स्पष्ट समाधान

३२३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (२३)

- (A) राजनीतिक जीत
- (B) दैवी विवाह
- (C) निष्कर्षहीन प्रेम
- (D) पूर्ण सामाजिक क्रांति

३२४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (२४)

- (A) विदेश आ स्वदेश
- (B) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (C) धन आ व्यापार
- (D) केवल गीत आ नृत्य

३२५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (२५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) गाम छोड़ि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) लोककें मौन करि

३२६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (२६)

- (A) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (B) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा
- (C) कथाविहीनता
- (D) केवल अनुवाद

३२७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (२७)

- (A) भाषा-शैली
- (B) खेतीक वर्णन
- (C) ऋतुगीत
- (D) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता

३२८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (२८)

- (A) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (B) केवल देवपूजा
- (C) चित्र-वर्णन
- (D) राज-स्तुति

३२९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (२९)

- (A) केवल दोष रूपमे
- (B) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (C) केवल प्रशंसा रूपमे
- (D) स्रोत बिना

३३०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (३०)

- (A) राजसी इतिहास मात्र
- (B) असाहित्यिक पर्चा
- (C) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (D) बाल-कथा मात्र

३३१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (३१)

- (A) केवल राजदरबार
- (B) केवल अलंकार-गणना
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (D) केवल हास्य-विनोद

३३२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (३२)

- (A) सर्वसम्मति
- (B) अति-स्पष्ट समाधान
- (C) औचित्यहीनता
- (D) पूर्ण न्याय

३३३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (३३)

- (A) राजनीतिक जीत
- (B) पूर्ण सामाजिक क्रांति
- (C) दैवी विवाह
- (D) निष्कर्षहीन प्रेम

३३४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (३४)

- (A) केवल गीत आ नृत्य
- (B) धन आ व्यापार
- (C) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (D) विदेश आ स्वदेश

३३५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (३५)

- (A) गाम छोड़ि
- (B) लोककेँ मौन करि
- (C) सामन्ती अधिकार मानि
- (D) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ

३३६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (३६)

- (A) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (B) केवल अनुवाद
- (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा
- (D) कथाविहीनता

३३७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (३७)

- (A) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (B) ऋतुगीत
- (C) भाषा-शैली
- (D) खेतीक वर्णन

३३८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (३८)

- (A) राज-स्तुति
- (B) केवल देवपूजा
- (C) चित्र-वर्णन
- (D) जमीन ओ श्रमक न्याय

३३९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (३९)

- (A) स्रोत बिना
- (B) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (C) केवल प्रशंसा रूपमे
- (D) केवल दोष रूपमे

३४०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (४०)

- (A) असाहित्यिक पर्चा
- (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (C) बाल-कथा मात्र
- (D) राजसी इतिहास मात्र

३४१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (४१)

- (A) केवल राजदरबार
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (C) केवल हास्य-विनोद
- (D) केवल अलंकार-गणना

३४२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (४२)

- (A) औचित्यहीनता
- (B) पूर्ण न्याय
- (C) सर्वसम्मति
- (D) अति-स्पष्ट समाधान

३४३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (४३)

- (A) पूर्ण सामाजिक क्रांति
- (B) निष्कर्षहीन प्रेम
- (C) राजनीतिक जीत
- (D) दैवी विवाह

३४४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (४४)

- (A) विदेश आ स्वदेश
- (B) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (C) धन आ व्यापार
- (D) केवल गीत आ नृत्य

३४५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (४५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) लोककें मौन करि
- (C) गाम छोड़ि
- (D) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ

३४६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (४६)

- (A) कथाविहीनता
- (B) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (C) केवल अनुवाद
- (D) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा

३४७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (४७)

- (A) खेतीक वर्णन
- (B) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (C) भाषा-शैली
- (D) ऋतुगीत

३४८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (४८)

- (A) केवल देवपूजा
- (B) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (C) राज-स्तुति
- (D) चित्र-वर्णन

३४९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (४९)

- (A) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (B) केवल दोष रूपमे
- (C) स्रोत बिना
- (D) केवल प्रशंसा रूपमे

३५०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (५०)

- (A) बाल-कथा मात्र
- (B) राजसी इतिहास मात्र
- (C) असाहित्यिक पर्चा
- (D) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास

३५१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (५१)

- (A) केवल राजदरबार
- (B) केवल हास्य-विनोद
- (C) केवल अलंकार-गणना
- (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण

३५२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (५२)

- (A) औचित्यहीनता
- (B) सर्वसम्मति
- (C) अति-स्पष्ट समाधान
- (D) पूर्ण न्याय

३५३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (५३)

- (A) पूर्ण सामाजिक क्रांति
- (B) राजनीतिक जीत
- (C) दैवी विवाह
- (D) निष्कर्षहीन प्रेम

३५४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (५४)

- (A) केवल गीत आ नृत्य
- (B) धन आ व्यापार
- (C) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (D) विदेश आ स्वदेश

३५५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (५५)

- (A) गाम छोड़ि
- (B) सामन्ती अधिकार मानि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) लोककें मौन करि

३५६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (५६)

- (A) मैथिली उपन्यासमे नव सामाजिक दिशा
- (B) कथाविहीनता
- (C) केवल अनुवाद
- (D) अप्रासंगिक मनोरंजन

३५७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (५७)

- (A) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (B) ऋतुगीत
- (C) खेतीक वर्णन
- (D) भाषा-शैली

३५८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (५८)

- (A) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (B) केवल देवपूजा
- (C) राज-स्तुति
- (D) चित्र-वर्णन

३५९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (५९)

- (A) केवल दोष रूपमे
- (B) स्रोत बिना
- (C) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (D) केवल प्रशंसा रूपमे

३६०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (६०)

- (A) बाल-कथा मात्र
- (B) असाहित्यिक पर्चा
- (C) राजसी इतिहास मात्र
- (D) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास

३६१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (६१)

- (A) केवल राजदरबार
- (B) केवल हास्य-विनोद
- (C) केवल अलंकार-गणना
- (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण

३६२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (६२)

- (A) औचित्यहीनता
- (B) अति-स्पष्ट समाधान
- (C) पूर्ण न्याय
- (D) सर्वसम्मति

३६३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (६३)

- (A) निष्कर्षहीन प्रेम
- (B) दैवी विवाह
- (C) राजनीतिक जीत
- (D) पूर्ण सामाजिक क्रांति

३६४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (६४)

- (A) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (B) धन आ व्यापार
- (C) विदेश आ स्वदेश
- (D) केवल गीत आ नृत्य

३६५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (६५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) लोककेँ मौन करि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) गाम छोड़ि

३६६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (६६)

- (A) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (B) कथाविहीनता
- (C) केवल अनुवाद
- (D) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा

३६७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (६७)

- (A) खेतीक वर्णन
- (B) ऋतुगीत
- (C) भाषा-शैली
- (D) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता

३६८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (६८)

- (A) राज-स्तुति
- (B) चित्र-वर्णन
- (C) केवल देवपूजा
- (D) जमीन ओ श्रमक न्याय

३६९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (६९)

- (A) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (B) केवल दोष रूपमे
- (C) स्रोत बिना
- (D) केवल प्रशंसा रूपमे

३७०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (७०)

- (A) असाहित्यिक पर्चा
- (B) राजसी इतिहास मात्र
- (C) बाल-कथा मात्र
- (D) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास

३७१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (७१)

- (A) केवल अलंकार-गणना
- (B) केवल राजदरबार
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (D) केवल हास्य-विनोद

३७२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (७२)

- (A) पूर्ण न्याय
- (B) अति-स्पष्ट समाधान
- (C) सर्वसम्मति
- (D) औचित्यहीनता

३७३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (७३)

- (A) दैवी विवाह
- (B) निष्कर्षहीन प्रेम
- (C) राजनीतिक जीत
- (D) पूर्ण सामाजिक क्रांति

३७४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (७४)

- (A) विदेश आ स्वदेश
- (B) केवल गीत आ नृत्य
- (C) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (D) धन आ व्यापार

३७५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (७५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) गाम छोड़ि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) लोककँ मौन करि

३७६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (७६)

- (A) केवल अनुवाद
- (B) कथाविहीनता
- (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा
- (D) अप्रासंगिक मनोरंजन

३७७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (७७)

- (A) खेतीक वर्णन
- (B) ऋतुगीत
- (C) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (D) भाषा-शैली

३७८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (७८)

- (A) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (B) केवल देवपूजा
- (C) राज-स्तुति
- (D) चित्र-वर्णन

३७९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (७९)

- (A) स्रोत बिना
- (B) केवल प्रशंसा रूपमे
- (C) केवल दोष रूपमे
- (D) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि

३८०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (८०)

- (A) असाहित्यिक पर्चा
- (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (C) राजसी इतिहास मात्र
- (D) बाल-कथा मात्र

३८१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (८१)

- (A) केवल अलंकार-गणना
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (C) केवल हास्य-विनोद
- (D) केवल राजदरबार

३८२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (८२)

- (A) अति-स्पष्ट समाधान
- (B) सर्वसम्मति
- (C) औचित्यहीनता
- (D) पूर्ण न्याय

३८३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (८३)

- (A) पूर्ण सामाजिक क्रांति
- (B) निष्कर्षहीन प्रेम
- (C) राजनीतिक जीत
- (D) दैवी विवाह

३८४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (८४)

- (A) विदेश आ स्वदेश
- (B) केवल गीत आ नृत्य
- (C) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास
- (D) धन आ व्यापार

३८५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (८५)

- (A) लोककें मौन करि
- (B) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (C) गाम छोड़ि
- (D) सामन्ती अधिकार मानि

३८६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (८६)

- (A) अप्रासंगिक मनोरंजन
- (B) कथाविहीनता
- (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा
- (D) केवल अनुवाद

३८७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (८७)

- (A) ऋतुगीत
- (B) खेतीक वर्णन
- (C) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (D) भाषा-शैली

३८८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (८८)

- (A) केवल देवपूजा
- (B) राज-स्तुति
- (C) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (D) चित्र-वर्णन

३८९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (८९)

- (A) केवल प्रशंसा रूपमे
- (B) स्रोत बिना
- (C) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि
- (D) केवल दोष रूपमे

३९०. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (९०)

- (A) राजसी इतिहास मात्र
- (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (C) असाहित्यिक पर्चा
- (D) बाल-कथा मात्र

३९१. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सबसँ सकारात्मक पक्ष की मानल गेल? (९१)

- (A) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण
- (B) केवल अलंकार-गणना
- (C) केवल हास्य-विनोद
- (D) केवल राजदरबार

३९२. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचक वर्ग-संघर्षक अंतक कोन कमजोरी देखैत छथि? (९२)

- (A) अति-स्पष्ट समाधान
- (B) औचित्यहीनता
- (C) पूर्ण न्याय
- (D) सर्वसम्मति

३९३. आलोचनात्मक दृष्टि: बिजली-कलपू संबंधक आलोचनात्मक सीमा की अछि? (९३)

- (A) राजनीतिक जीत
- (B) निष्कर्षहीन प्रेम
- (C) दैवी विवाह
- (D) पूर्ण सामाजिक क्रांति

३९४. आलोचनात्मक दृष्टि: सरूपक चरित्रक आलोचनात्मक अन्तर्द्वन्द्व कोन अछि? (९४)

- (A) धन आ व्यापार
- (B) केवल गीत आ नृत्य
- (C) विदेश आ स्वदेश
- (D) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास

३९५. आलोचनात्मक दृष्टि: कृति नव चेतना कोना भरैत अछि? (९५)

- (A) सामन्ती अधिकार मानि
- (B) लोककें मौन करि
- (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ
- (D) गाम छोड़ि

३९६. आलोचनात्मक दृष्टि: कृतिक अन्तर्द्वन्द्वक बावजूद ओकर महत्त्व की अछि? (९६)

- (A) कथाविहीनता
- (B) केवल अनुवाद
- (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा
- (D) अप्रासंगिक मनोरंजन

३९७. आलोचनात्मक दृष्टि: आलोचकक अनुसार दलित समाजक चेतनापर आघात कोन प्रसंगमे अछि? (९७)

- (A) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता
- (B) ऋतुगीत
- (C) खेतीक वर्णन
- (D) भाषा-शैली

३९८. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रमे क्रान्ति-सुगंधक आधार की अछि? (९८)

- (A) जमीन ओ श्रमक न्याय
- (B) राज-स्तुति
- (C) चित्र-वर्णन
- (D) केवल देवपूजा

३९९. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक सीमा केना पढ़बाक चाही? (९९)

- (A) स्रोत बिना
- (B) केवल प्रशंसा रूपमे
- (C) केवल दोष रूपमे
- (D) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि

४००. आलोचनात्मक दृष्टि: पृथ्वीपुत्रक समग्र मूल्यांकनमे उचित निष्कर्ष की अछि? (१००)

- (A) असाहित्यिक पर्चा
- (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास
- (C) बाल-कथा मात्र
- (D) राजसी इतिहास मात्र

परीक्षा-अभ्यास आ पुनरावृत्ति

४०१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (१)

- (A) वास्तविक नायक
- (B) कवि-संपादक
- (C) रेलवेक पेटमेन
- (D) सामन्ती जमींदार

४०२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (२)

- (A) चन्दा झाक पात्र
- (B) जंगी पासवानक पुत्र
- (C) विद्यापतिक नायक
- (D) जमींदार

४०३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (३)

- (A) कलक्टर
- (B) गेनालालक गुरु
- (C) बिसेखीक कन्या
- (D) जंगबहादुरक पत्नी

४०४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (४)

- (A) बिजलीक पति
- (B) निबन्धकार
- (C) सरूपक पिता
- (D) गामक जमींदार

४०५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (५)

- (A) लोहा सिंह
- (B) कलपू मिश्र
- (C) छतर
- (D) गेनमा

४०६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (६)

- (A) रेल कर्मचारी
- (B) बालकवि
- (C) लोकगायक
- (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक

४०७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (७)

- (A) कृति-सम्पादक
- (B) भजन-गायक
- (C) बालक पात्र
- (D) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व

४०८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (८)

- (A) पेटमेन
- (B) कवि
- (C) सिपाही
- (D) जमींदार

४०९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (९)

- (A) नदी-नाम
- (B) छन्द-नाम
- (C) टोल-संदर्भ
- (D) कविता-संग्रह

४१०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (१०)

- (A) दरबारी पद
- (B) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (C) विदेशी पुरस्कार
- (D) लिपि-चिह्न

४११. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (११)

- (A) कवि-संपादक
- (B) सामन्ती जमींदार
- (C) वास्तविक नायक
- (D) रेलवेक पेटमेन

४१२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (१२)

- (A) जमींदार
- (B) चन्दा झाक पात्र
- (C) जंगी पासवानक पुत्र
- (D) विद्यापतिक नायक

४१३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (१३)

- (A) कलक्टर
- (B) बिसेखीक कन्या
- (C) जंगबहादुरक पत्नी
- (D) गेनालालक गुरु

४१४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (१४)

- (A) बिजलीक पति
- (B) गामक जमींदार
- (C) सरूपक पिता
- (D) निबन्धकार

४१५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (१५)

- (A) छतर
- (B) गेनमा
- (C) लोहा सिंह
- (D) कलपू मिश्र

४१६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (१६)

- (A) लोकगायक
- (B) रेल कर्मचारी
- (C) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (D) बालकवि

४१७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (१७)

- (A) बालक पात्र
- (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (C) कृति-सम्पादक
- (D) भजन-गायक

४१८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (१८)

- (A) पेटमेन
- (B) सिपाही
- (C) कवि
- (D) जमींदार

४१९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (१९)

- (A) नदी-नाम
- (B) कविता-संग्रह
- (C) टोल-संदर्भ
- (D) छन्द-नाम

४२०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (२०)

- (A) विदेशी पुरस्कार
- (B) दरबारी पद
- (C) लिपि-चिह्न
- (D) श्रमशील लोकक प्रतीक

४२१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (२१)

- (A) वास्तविक नायक
- (B) कवि-संपादक
- (C) सामन्ती जमींदार
- (D) रेलवेक पेटमेन

४२२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (२२)

- (A) जंगी पासवानक पुत्र
- (B) चन्दा झाक पात्र
- (C) विद्यापतिक नायक
- (D) जमींदार

४२३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (२३)

- (A) जंगबहादुरक पत्नी
- (B) बिसेखीक कन्या
- (C) कलक्टर
- (D) गेनालालक गुरु

४२४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (२४)

- (A) गामक जमींदार
- (B) बिजलीक पति
- (C) निबन्धकार
- (D) सरूपक पिता

४२५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (२५)

- (A) गेनमा
- (B) कलपू मिश्र
- (C) लोहा सिंह
- (D) छतर

४२६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (२६)

- (A) बालकवि
- (B) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (C) रेल कर्मचारी
- (D) लोकगायक

४२७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (२७)

- (A) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (B) बालक पात्र
- (C) कृति-सम्पादक
- (D) भजन-गायक

४२८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (२८)

- (A) पेटमेन
- (B) कवि
- (C) जमींदार
- (D) सिपाही

४२९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (२९)

- (A) नदी-नाम
- (B) छन्द-नाम
- (C) कविता-संग्रह
- (D) टोल-संदर्भ

४३०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (३०)

- (A) दरबारी पद
- (B) विदेशी पुरस्कार
- (C) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (D) लिपि-चिह्न

४३१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (३१)

- (A) रेलवेक पेटमेन
- (B) सामन्ती जमींदार
- (C) कवि-संपादक
- (D) वास्तविक नायक

४३२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (३२)

- (A) विद्यापतिक नायक
- (B) जंगी पासवानक पुत्र
- (C) चन्दा झाक पात्र
- (D) जमींदार

४३३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (३३)

- (A) गेनालालक गुरु
- (B) जंगबहादुरक पत्नी
- (C) बिसेखीक कन्या
- (D) कलक्टर

४३४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (३४)

- (A) गामक जमींदार
- (B) निबन्धकार
- (C) बिजलीक पति
- (D) सरूपक पिता

४३५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (३५)

- (A) लोहा सिंह
- (B) छतर
- (C) कलपू मिश्र
- (D) गेनमा

४३६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (३६)

- (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (B) रेल कर्मचारी
- (C) लोकगायक
- (D) बालकवि

४३७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (३७)

- (A) बालक पात्र
- (B) कृति-सम्पादक
- (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (D) भजन-गायक

४३८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (३८)

- (A) कवि
- (B) जमींदार
- (C) सिपाही
- (D) पेटमेन

४३९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (३९)

- (A) टोल-संदर्भ
- (B) कविता-संग्रह
- (C) नदी-नाम
- (D) छन्द-नाम

४४०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (४०)

- (A) विदेशी पुरस्कार
- (B) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (C) दरबारी पद
- (D) लिपि-चिह्न

४४१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (४१)

- (A) कवि-संपादक
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) वास्तविक नायक
- (D) सामन्ती जमींदार

४४२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (४२)

- (A) जंगी पासवानक पुत्र
- (B) जमींदार
- (C) चन्दा झाक पात्र
- (D) विद्यापतिक नायक

४४३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (४३)

- (A) जंगबहादुरक पत्नी
- (B) बिसेखीक कन्या
- (C) कलक्टर
- (D) गेनालालक गुरु

४४४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (४४)

- (A) सरूपक पिता
- (B) निबन्धकार
- (C) गामक जमींदार
- (D) बिजलीक पति

४४५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (४५)

- (A) गेनमा
- (B) छतर
- (C) लोहा सिंह
- (D) कलपू मिश्र

४४६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (४६)

- (A) रेल कर्मचारी
- (B) लोकगायक
- (C) बालकवि
- (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक

४४७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (४७)

- (A) कृति-सम्पादक
- (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (C) बालक पात्र
- (D) भजन-गायक

४४८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (४८)

- (A) जमींदार
- (B) कवि
- (C) सिपाही
- (D) पेटमेन

४४९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (४९)

- (A) छन्द-नाम
- (B) कविता-संग्रह
- (C) टोल-संदर्भ
- (D) नदी-नाम

४५०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (५०)

- (A) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (B) दरबारी पद
- (C) लिपि-चिह्न
- (D) विदेशी पुरस्कार

४५१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (५१)

- (A) रेलवेक पेटमेन
- (B) सामन्ती जमींदार
- (C) वास्तविक नायक
- (D) कवि-संपादक

४५२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (५२)

- (A) चन्दा झाक पात्र
- (B) जमींदार
- (C) विद्यापतिक नायक
- (D) जंगी पासवानक पुत्र

४५३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (५३)

- (A) बिसेखीक कन्या
- (B) गेनालालक गुरु
- (C) जंगबहादुरक पत्नी
- (D) कलक्टर

४५४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (५४)

- (A) गामक जमींदार
- (B) सरूपक पिता
- (C) बिजलीक पति
- (D) निबन्धकार

४५५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (५५)

- (A) छतर
- (B) कलपू मिश्र
- (C) लोहा सिंह
- (D) गेनमा

४५६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (५६)

- (A) लोकगायक
- (B) बालकवि
- (C) रेल कर्मचारी
- (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक

४५७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (५७)

- (A) बालक पात्र
- (B) कृति-सम्पादक
- (C) भजन-गायक
- (D) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व

४५८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (५८)

- (A) पेटमेन
- (B) कवि
- (C) जमींदार
- (D) सिपाही

४५९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (५९)

- (A) नदी-नाम
- (B) टोल-संदर्भ
- (C) छन्द-नाम
- (D) कविता-संग्रह

४६०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (६०)

- (A) लिपि-चिह्न
- (B) दरबारी पद
- (C) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (D) विदेशी पुरस्कार

४६१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (६१)

- (A) रेलवेक पेटमेन
- (B) वास्तविक नायक
- (C) सामन्ती जमींदार
- (D) कवि-संपादक

४६२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (६२)

- (A) जमींदार
- (B) विद्यापतिक नायक
- (C) जंगी पासवानक पुत्र
- (D) चन्दा झाक पात्र

४६३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (६३)

- (A) गेनालालक गुरु
- (B) बिसेखीक कन्या
- (C) कलक्टर
- (D) जंगबहादुरक पत्नी

४६४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (६४)

- (A) बिजलीक पति
- (B) गामक जमींदार
- (C) सरूपक पिता
- (D) निबन्धकार

४६५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (६५)

- (A) गेनमा
- (B) कलपू मिश्र
- (C) छतर
- (D) लोहा सिंह

४६६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (६६)

- (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (B) बालकवि
- (C) रेल कर्मचारी
- (D) लोकगायक

४६७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (६७)

- (A) कृति-सम्पादक
- (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (C) भजन-गायक
- (D) बालक पात्र

४६८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (६८)

- (A) पेटमेन
- (B) सिपाही
- (C) कवि
- (D) जमींदार

४६९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (६९)

- (A) टोल-संदर्भ
- (B) छन्द-नाम
- (C) नदी-नाम
- (D) कविता-संग्रह

४७०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (७०)

- (A) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (B) लिपि-चिह्न
- (C) विदेशी पुरस्कार
- (D) दरबारी पद

४७१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (७१)

- (A) सामन्ती जमींदार
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) वास्तविक नायक
- (D) कवि-संपादक

४७२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (७२)

- (A) जमींदार
- (B) विद्यापतिक नायक
- (C) चन्दा झाक पात्र
- (D) जंगी पासवानक पुत्र

४७३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (७३)

- (A) गेनालालक गुरु
- (B) कलक्टर
- (C) जंगबहादुरक पत्नी
- (D) बिसेखीक कन्या

४७४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (७४)

- (A) निबन्धकार
- (B) सरूपक पिता
- (C) गामक जमींदार
- (D) बिजलीक पति

४७५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (७५)

- (A) गेनमा
- (B) कलपू मिश्र
- (C) लोहा सिंह
- (D) छतर

४७६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (७६)

- (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (B) बालकवि
- (C) लोकगायक
- (D) रेल कर्मचारी

४७७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (७७)

- (A) भजन-गायक
- (B) बालक पात्र
- (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (D) कृति-सम्पादक

४७८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (७८)

- (A) सिपाही
- (B) कवि
- (C) पेटमेन
- (D) जमींदार

४७९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (७९)

- (A) टोल-संदर्भ
- (B) छन्द-नाम
- (C) नदी-नाम
- (D) कविता-संग्रह

४८०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (८०)

- (A) दरबारी पद
- (B) लिपि-चिह्न
- (C) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (D) विदेशी पुरस्कार

४८१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (८१)

- (A) वास्तविक नायक
- (B) सामन्ती जमींदार
- (C) कवि-संपादक
- (D) रेलवेक पेटमेन

४८२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (८२)

- (A) विद्यापतिक नायक
- (B) जंगी पासवानक पुत्र
- (C) जमींदार
- (D) चन्दा झाक पात्र

४८३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (८३)

- (A) कलक्टर
- (B) बिसेखीक कन्या
- (C) गेनालालक गुरु
- (D) जंगबहादुरक पत्नी

४८४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (८४)

- (A) गामक जमींदार
- (B) निबन्धकार
- (C) सरूपक पिता
- (D) बिजलीक पति

४८५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (८५)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) लोहा सिंह
- (C) छतर
- (D) गेनमा

४८६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (८६)

- (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक
- (B) रेल कर्मचारी
- (C) बालकवि
- (D) लोकगायक

४८७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (८७)

- (A) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (B) बालक पात्र
- (C) भजन-गायक
- (D) कृति-सम्पादक

४८८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (८८)

- (A) सिपाही
- (B) जमींदार
- (C) पेटमेन
- (D) कवि

४८९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (८९)

- (A) टोल-संदर्भ
- (B) नदी-नाम
- (C) छन्द-नाम
- (D) कविता-संग्रह

४९०. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (९०)

- (A) लिपि-चिह्न
- (B) दरबारी पद
- (C) विदेशी पुरस्कार
- (D) श्रमशील लोकक प्रतीक

४९१. मिलान/पुनरावृत्ति: “सरूप” — सही मिलान की अछि? (९१)

- (A) कवि-संपादक
- (B) वास्तविक नायक
- (C) सामन्ती जर्मीदार
- (D) रेलवेक पेटमेन

४९२. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिसेखी पासवान” — सही मिलान की अछि? (९२)

- (A) चन्दा झाक पात्र
- (B) जर्मीदार
- (C) विद्यापतिक नायक
- (D) जंगी पासवानक पुत्र

४९३. मिलान/पुनरावृत्ति: “बिजली” — सही मिलान की अछि? (९३)

- (A) गेनालालक गुरु
- (B) कलक्टर
- (C) बिसेखीक कन्या
- (D) जंगबहादुरक पत्नी

४९४. मिलान/पुनरावृत्ति: “हीरालाल” — सही मिलान की अछि? (९४)

- (A) बिजलीक पति
- (B) सरूपक पिता
- (C) गामक जर्मीदार
- (D) निबन्धकार

४९५. मिलान/पुनरावृत्ति: “कल्पनाथ मिश्र” — सही मिलान की अछि? (९५)

- (A) छतर
- (B) गेनमा
- (C) कलपू मिश्र
- (D) लोहा सिंह

४९६. मिलान/पुनरावृत्ति: “जंगबहादुर सिंह” — सही मिलान की अछि? (९६)

- (A) रेल कर्मचारी
- (B) जर्मीदारी शक्तिक प्रतीक
- (C) बालकवि
- (D) लोकगायक

४९७. मिलान/पुनरावृत्ति: “लोहा सिंह” — सही मिलान की अछि? (९७)

- (A) कृति-सम्पादक
- (B) बालक पात्र
- (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व
- (D) भजन-गायक

४९८. मिलान/पुनरावृत्ति: “दुर्योधन सिंह” — सही मिलान की अछि? (९८)

- (A) जमींदार
- (B) सिपाही
- (C) पेटमेन
- (D) कवि

४९९. मिलान/पुनरावृत्ति: “बबुरबन्ना” — सही मिलान की अछि? (९९)

- (A) कविता-संग्रह
- (B) नदी-नाम
- (C) छन्द-नाम
- (D) टोल-संदर्भ

५००. मिलान/पुनरावृत्ति: “माटिक पूत” — सही मिलान की अछि? (१००)

- (A) विदेशी पुरस्कार
- (B) लिपि-चिह्न
- (C) श्रमशील लोकक प्रतीक
- (D) दरबारी पद

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकें जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
२. (C) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
३. (D) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४. (D) सरूपकें बचेबाक क्रममे — अनुजकें बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
५. (B) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकें जोड़ैत अछि।
६. (C) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकें उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
७. (A) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
८. (B) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
९. (D) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
१०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
११. (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकें जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
१२. (D) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
१३. (A) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
१४. (A) सरूपकें बचेबाक क्रममे — अनुजकें बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
१५. (B) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकें जोड़ैत अछि।
१६. (A) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकें उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
१७. (D) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।

१८. (B) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
१९. (C) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
२०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
२१. (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
२२. (D) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
२३. (B) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
२४. (D) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
२५. (A) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
२६. (A) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
२७. (D) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
२८. (D) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
२९. (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
३०. (C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
३१. (B) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
३२. (D) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
३३. (B) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
३४. (D) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
३५. (C) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
३६. (C) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
३७. (D) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
३८. (A) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
३९. (C) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
४०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
४१. (D) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
४२. (C) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
४३. (C) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४४. (A) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
४५. (B) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
४६. (A) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
४७. (C) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
४८. (B) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
४९. (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
५०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
५१. (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
५२. (D) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
५३. (C) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।

५४. (B) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
५५. (A) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
५६. (B) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
५७. (D) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
५८. (C) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
५९. (B) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
६०. (C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
६१. (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
६२. (A) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
६३. (A) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
६४. (D) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
६५. (A) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
६६. (B) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
६७. (C) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
६८. (A) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
६९. (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
७०. (D) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
७१. (B) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
७२. (A) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
७३. (C) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
७४. (A) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
७५. (D) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
७६. (C) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
७७. (C) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
७८. (D) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
७९. (D) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
८०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
८१. (C) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
८२. (D) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
८३. (B) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
८४. (C) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
८५. (B) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
८६. (D) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
८७. (D) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
८८. (D) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
८९. (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।

१०. (B) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
११. (A) जंगबहादुर सिंह सन जमींदार — जंगबहादुर गरीब समाजकेँ जमीन देबामे तैयार नहि अछि।
१२. (B) आपिस होइत अछि — सर्वे उपरान्त गरीबक जमीन कागजपर वापस होइबाक बात अछि।
१३. (A) लोहा सिंह — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
१४. (B) सरूपकेँ बचेबाक क्रममे — अनुजकेँ बचेबाक क्रममे गेनमा मारल जाइत अछि।
१५. (B) जमीन ओकरे जे जोतय — कृति श्रम आ जमीनक नैतिक स्वामित्वकेँ जोड़ैत अछि।
१६. (B) माटि कोरयवला मजूर — जे पसीनासँ धरतीकेँ उपजाऊ रखैत अछि, स्वामित्व ओकरा भेटबाक चाही—एहन भाव अछि।
१७. (A) सामन्तवादी स्वामित्व — जंगबहादुर सामन्तवादी अधिकार-बोध आ अन्यायक प्रतीक छथि।
१८. (B) शोषित समाजक प्रतिरोध — सरूपक दल शोषित समाजक प्रतिरोधक प्रतीक अछि।
१९. (A) माटि आ श्रमसँ जुड़ल रहबाक आग्रह — कृति धरतीक संग श्रमशील सम्बन्ध बनबैत अछि।
१००. (C) कर्म आ धरतीक नैतिक सम्बन्ध — कृषि समाजमे श्रमिकक कर्म आ धरतीक सम्बन्ध महत्वपूर्ण अछि।
१०१. (C) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१०२. (A) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१०३. (C) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१०४. (A) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१०५. (C) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१०६. (A) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१०७. (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१०८. (C) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१०९. (A) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
११०. (A) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्वपूर्ण मानल गेल।
१११. (B) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
११२. (B) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
११३. (D) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
११४. (B) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
११५. (D) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
११६. (D) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
११७. (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
११८. (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
११९. (C) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१२०. (B) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्वपूर्ण मानल गेल।
१२१. (C) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१२२. (A) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१२३. (B) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१२४. (A) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१२५. (C) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।

१२६. (A) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१२७. (A) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१२८. (C) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१२९. (A) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१३०. (C) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१३१. (D) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१३२. (C) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१३३. (C) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१३४. (B) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१३५. (C) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१३६. (A) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१३७. (D) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१३८. (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१३९. (A) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१४०. (B) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१४१. (A) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१४२. (C) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१४३. (D) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१४४. (D) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१४५. (B) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१४६. (A) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१४७. (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१४८. (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१४९. (C) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१५०. (B) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१५१. (C) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१५२. (C) सरूपक दोष — पुत्रकेँ जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१५३. (D) जेलमे — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१५४. (A) कलक्टर — बिसेखी आदिकेँ कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१५५. (C) चोरक जाति होइत अछि — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१५६. (C) चोरी छोड़बाक सपथ — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१५७. (C) समाज जाति-पातिमे टूटल अछि — स्रोत कृति केँ जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१५८. (B) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१५९. (A) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगकेँ लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१६०. (C) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१६१. (B) चोर — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।

१६२. (A) **सरूपक दोष** — पुत्रकें जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१६३. (A) **जेलमे** — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१६४. (B) **कलक्टर** — बिसेखी आदिकें कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१६५. (D) **चोरक जाति होइत अछि** — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१६६. (D) **चोरी छोड़बाक सपथ** — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१६७. (B) **समाज जाति-पातिमे टूटल अछि** — स्रोत कृति कें जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१६८. (D) **यथार्थवादी सामाजिक चित्रण** — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१६९. (C) **समन्वयवादी दृष्टि** — समीक्षा एहि प्रसंगकें लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१७०. (C) **सबल पक्ष** — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१७१. (D) **चोर** — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१७२. (B) **सरूपक दोष** — पुत्रकें जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१७३. (A) **जेलमे** — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१७४. (B) **कलक्टर** — बिसेखी आदिकें कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१७५. (D) **चोरक जाति होइत अछि** — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१७६. (B) **चोरी छोड़बाक सपथ** — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१७७. (C) **समाज जाति-पातिमे टूटल अछि** — स्रोत कृति कें जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१७८. (A) **यथार्थवादी सामाजिक चित्रण** — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१७९. (D) **समन्वयवादी दृष्टि** — समीक्षा एहि प्रसंगकें लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१८०. (D) **सबल पक्ष** — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१८१. (A) **चोर** — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१८२. (D) **सरूपक दोष** — पुत्रकें जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१८३. (A) **जेलमे** — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१८४. (C) **कलक्टर** — बिसेखी आदिकें कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१८५. (A) **चोरक जाति होइत अछि** — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१८६. (D) **चोरी छोड़बाक सपथ** — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१८७. (A) **समाज जाति-पातिमे टूटल अछि** — स्रोत कृति कें जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।
१८८. (D) **यथार्थवादी सामाजिक चित्रण** — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१८९. (D) **समन्वयवादी दृष्टि** — समीक्षा एहि प्रसंगकें लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
१९०. (A) **सबल पक्ष** — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
१९१. (D) **चोर** — बिसेखी कर्मसँ वैड-कैरेक्टरक चोर कहल गेल।
१९२. (A) **सरूपक दोष** — पुत्रकें जेलसँ बचाबय लेल बिसेखी दोष अपना ऊपर लैत अछि।
१९३. (D) **जेलमे** — जेलमे बेमारीसँ बिसेखीक मृत्यु भेल।
१९४. (C) **कलक्टर** — बिसेखी आदिकें कलक्टरक आगाँ सपथ खाइत देखाओल गेल।
१९५. (D) **चोरक जाति होइत अछि** — विविध नामद्वारा देखाओल गेल जे अपराधक कोनो जाति नहि।
१९६. (D) **चोरी छोड़बाक सपथ** — ई नाम चोरसभक सपथ प्रसंगमे उल्लेखित अछि।
१९७. (D) **समाज जाति-पातिमे टूटल अछि** — स्रोत कृति कें जाति-पातिमे टूटल समाजक सत्य देखबैत मानैत अछि।

१९८. (A) यथार्थवादी सामाजिक चित्रण — उपेक्षित समाजक उपस्थिति उपन्यासक यथार्थवाद बढ़बैत अछि।
१९९. (A) समन्वयवादी दृष्टि — समीक्षा एहि प्रसंगक लेखकक समन्वयवादी सोच मानैत अछि।
२००. (A) सबल पक्ष — चोरसँ परिवार-रक्षक धरि बिसेखीक परिवर्तन महत्त्वपूर्ण मानल गेल।
२०१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२०२. (A) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२०३. (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीक कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२०४. (C) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलक जीवित बनबैत अछि।
२०५. (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२०६. (C) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२०७. (D) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२०८. (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरक साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२०९. (B) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
२१०. (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२११. (D) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२१२. (C) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२१३. (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीक कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२१४. (A) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलक जीवित बनबैत अछि।
२१५. (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२१६. (D) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२१७. (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२१८. (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरक साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२१९. (B) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
२२०. (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२२१. (C) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२२२. (B) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२२३. (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीक कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२२४. (B) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलक जीवित बनबैत अछि।
२२५. (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२२६. (B) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२२७. (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२२८. (C) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरक साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२२९. (D) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
२३०. (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२३१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२३२. (C) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२३३. (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीक कलात्मक गद्य बनबैत छथि।

२३४. (D) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।

२३५. (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।

२३६. (C) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

२३७. (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।

२३८. (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकँ साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।

२३९. (A) समाजक घटना आ संवादसँ— घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा केँ चलायमान करैत अछि।

२४०. (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।

२४१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।

२४२. (D) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।

२४३. (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।

२४४. (D) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।

२४५. (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।

२४६. (B) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

२४७. (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।

२४८. (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।

२४९. (A) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा केँ चलायमान करैत अछि।

२५०. (A) मल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।

२५१. (C) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।

२५२. (B) नीक स्थान राखवैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखवैत अछि।

२५३. (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।

२५४. (D) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।

२५५. (A) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।

२५६. (D) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

२५७. (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।

२५८. (C) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।

२५१. (C) समाजक घटना आ संवादसँ— घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा केँ चलायमान करैत अछि।

२६०. (B) मल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।

२६१. (B) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।

૨૬૨. (D) નીક સ્થાન રાખૈત અછિ — સમીક્ષા અનસાર ઉપન્યાસ શિલ્પમે નીક સ્થાન રાખૈત અછિ।

२६३. (C) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।

२६४. (C) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।

२६५. (B) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।

२६६. (A) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

२६७. (A) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।

२६८. (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।

२६१. (B) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा केँ चलायमान करैत अछि।

२७०. (D) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२७१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२७२. (B) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२७३. (D) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२७४. (D) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।
२७५. (D) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२७६. (C) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२७७. (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२७८. (D) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२७९. (C) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
२८०. (C) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२८१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२८२. (C) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२८३. (A) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२८४. (B) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।
२८५. (C) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२८६. (B) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२८७. (B) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२८८. (A) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२८९. (A) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
२९०. (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
२९१. (A) गतिमान खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली — कृतिक भाषा गतिमान आ खाँटी ग्रामीण आंचलिक मैथिली कहल गेल।
२९२. (B) नीक स्थान राखैत अछि — समीक्षा अनुसार उपन्यास शिल्पमे नीक स्थान राखैत अछि।
२९३. (B) ग्रामीण बोलीक कलात्मक उपयोग — ललित ग्रामीण आंचलिक मैथिलीकें कलात्मक गद्य बनबैत छथि।
२९४. (C) स्थानीय वातावरण — स्थानीय नाम कथा-स्थलकें जीवित बनबैत अछि।
२९५. (C) नाम आ यथार्थक व्यंजना — टोलक नाम आ वृक्ष-वास्तविकता सामाजिक व्यंजना बनबैत अछि।
२९६. (B) प्रांजल मैथिली गद्य — ललितक गद्य प्रांजलता आ वैचारिकता लेल महत्त्वपूर्ण अछि।
२९७. (C) करुण स्थिति मे हास्य अनिवार्य नहि — जखन स्थिति कनबाक हो, तखन हास्यक आग्रह अनावश्यक भऽ सकैत अछि।
२९८. (B) उपेक्षित जीवनक बोलीमे कथ्य देबामे — ओ उपेक्षित लोकक ठेठ स्वरकें साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत छथि।
२९९. (C) समाजक घटना आ संवादसँ — घटना, संवाद आ ग्रामीण भाषा कथा कें चलायमान करैत अछि।
३००. (B) मूल अभिव्यक्ति-शक्ति — आंचलिक मैथिली एहि उपन्यासक अभिव्यक्तिक शक्ति अछि।
३०१. (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
३०२. (B) औचित्यहीनता — वर्ग-संघर्षक अन्त कमजोर आ औचित्यहीन लगैत अछि।
३०३. (D) निष्कर्षहीन प्रेम — बिजली-कलपूक संबंध आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।
३०४. (A) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास — सरूप शोषणक विरुद्ध उग्र अछि, मुदा किछु संबंध-प्रसंगमे चुप्पी देखाइत अछि।
३०५. (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ — उपन्यास शोषित समाज आ श्रमक पक्ष लैत नव चेतना दैत अछि।

३७८. (A) जमीन ओ श्रमक न्याय — कृति श्रमक फल श्रमिककें भेटबाक विचार रखैत अछि।
३७९. (D) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि — कृति समाजक अन्तर्द्वन्द्व सँ बनल अछि; एकरे संग सीमा बुझब उचित।
३८०. (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास — कृति सीमासहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक मैथिली उपन्यास अछि।
३८१. (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
३८२. (C) औचित्यहीनता — वर्ग-संघर्षक अन्त कमजोर आ औचित्यहीन लगैत अछि।
३८३. (B) निष्कर्षहीन प्रेम — बिजली-कलपूक संबंध आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।
३८४. (C) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास — सरूप शोषणक विरुद्ध उग्र अछि, मुदा किछु संबंध-प्रसंगमे चुप्पी देखाइत अछि।
३८५. (B) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ — उपन्यास शोषित समाज आ श्रमक पक्ष लैत नव चेतना दैत अछि।
३८६. (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा — सीमासभक बावजूद कृति नव सामाजिक दिशा दैत अछि।
३८७. (C) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता — जाति-संबंध आ परिवारिक प्रतिक्रिया संबंधी प्रसंग आलोचनाक केन्द्र बनैत अछि।
३८८. (C) जमीन ओ श्रमक न्याय — कृति श्रमक फल श्रमिककें भेटबाक विचार रखैत अछि।
३८९. (C) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि — कृति समाजक अन्तर्द्वन्द्व सँ बनल अछि; एकरे संग सीमा बुझब उचित।
३९०. (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास — कृति सीमासहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक मैथिली उपन्यास अछि।
३९१. (A) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था-चित्रण — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
३९२. (B) औचित्यहीनता — वर्ग-संघर्षक अन्त कमजोर आ औचित्यहीन लगैत अछि।
३९३. (B) निष्कर्षहीन प्रेम — बिजली-कलपूक संबंध आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।
३९४. (D) क्रान्ति आ चुप्पीक विरोधाभास — सरूप शोषणक विरुद्ध उग्र अछि, मुदा किछु संबंध-प्रसंगमे चुप्पी देखाइत अछि।
३९५. (C) श्रम आ शोषित समाजक पक्ष लऽ — उपन्यास शोषित समाज आ श्रमक पक्ष लैत नव चेतना दैत अछि।
३९६. (C) मैथिली उपन्यासमे नब सामाजिक दिशा — सीमासभक बावजूद कृति नव सामाजिक दिशा दैत अछि।
३९७. (A) बिजली-कलपू संबंधक स्वीकृति-जटिलता — जाति-संबंध आ परिवारिक प्रतिक्रिया संबंधी प्रसंग आलोचनाक केन्द्र बनैत अछि।
३९८. (A) जमीन ओ श्रमक न्याय — कृति श्रमक फल श्रमिककें भेटबाक विचार रखैत अछि।
३९९. (D) समय-समाजक अन्तर्द्वन्द्वसँ जोड़ि — कृति समाजक अन्तर्द्वन्द्व सँ बनल अछि; एकरे संग सीमा बुझब उचित।
४००. (B) सीमा सहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक उपन्यास — कृति सीमासहित महत्त्वपूर्ण सामाजिक मैथिली उपन्यास अछि।
४०१. (A) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४०२. (B) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४०३. (C) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४०४. (A) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४०५. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।
४०६. (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४०७. (D) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४०८. (C) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४०९. (C) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४१०. (B) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४११. (C) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४१२. (C) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४१३. (B) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।

४१४. (A) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४१५. (D) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल गेल।
४१६. (C) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४१७. (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४१८. (B) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४१९. (C) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४२०. (D) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४२१. (A) वास्तविक नायक — सरूपकेँ पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४२२. (A) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४२३. (B) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४२४. (B) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४२५. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल गेल।
४२६. (B) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४२७. (A) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४२८. (D) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४२९. (D) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४३०. (C) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४३१. (D) वास्तविक नायक — सरूपकेँ पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४३२. (B) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४३३. (C) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४३४. (C) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४३५. (C) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल गेल।
४३६. (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४३७. (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४३८. (C) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४३९. (A) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४४०. (B) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४४१. (C) वास्तविक नायक — सरूपकेँ पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४४२. (A) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४४३. (B) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४४४. (D) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४४५. (D) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल गेल।
४४६. (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४४७. (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४४८. (C) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४४९. (C) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।

४५०. (A) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४५१. (C) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४५२. (D) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४५३. (A) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४५४. (C) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४५५. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।
४५६. (D) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४५७. (D) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४५८. (D) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४५९. (B) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४६०. (C) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४६१. (B) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४६२. (C) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४६३. (B) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४६४. (A) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४६५. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।
४६६. (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४६७. (B) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४६८. (B) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४६९. (A) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४७०. (A) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४७१. (C) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४७२. (D) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४७३. (D) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४७४. (D) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४७५. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।
४७६. (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४७७. (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४७८. (A) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४७९. (A) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४८०. (C) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४८१. (A) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४८२. (B) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४८३. (B) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४८४. (D) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४८५. (A) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।

४८६. (A) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४८७. (A) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४८८. (A) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४८९. (A) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
४९०. (D) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।
४९१. (B) वास्तविक नायक — सरूपकें पृथ्वीपुत्रक वास्तविक नायक मानल गेल।
४९२. (D) जंगी पासवानक पुत्र — बिसेखी पासवान जंगी पासवानक पुत्र अछि।
४९३. (C) बिसेखीक कन्या — बिजली बिसेखीक बेटी आ प्रमुख स्त्री-पात्र अछि।
४९४. (A) बिजलीक पति — बिजलीक विवाह हीरालालसँ भेल।
४९५. (C) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकें कलपू मिश्र कहल गेल।
४९६. (B) जमींदारी शक्तिक प्रतीक — जंगबहादुर गरीबक जमीन देबामे तैयार नहि छथि।
४९७. (C) हमलावर हँसेरीदल नेतृत्व — लोहा सिंहक नेतृत्वमे सरूपपर हमला भेल।
४९८. (B) सिपाही — दुर्योधन सिंह सिपाही रूपमे उल्लेखित अछि।
४९९. (D) टोल-संदर्भ — बबुरबन्ना टोलक संदर्भ स्थानीयता बनबैत अछि।
५००. (C) श्रमशील लोकक प्रतीक — माटिक पूत धरती आ श्रमसँ जुड़ल लोकक संकेत अछि।

s1

१. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक पहचानक मुख्य अर्थ की अछि?
 - (A) आधुनिक मैथिली साहित्यिक लेखक, सम्पादक आ नाटककार
 - (B) केवल चित्रकार
 - (C) केवल संस्कृत टीकाकार
 - (D) केवल लोक-गायक
२. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक पहचान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?
 - (A) केवल लोक-गायक
 - (B) केवल संस्कृत टीकाकार
 - (C) आधुनिक मैथिली साहित्यिक लेखक, सम्पादक आ नाटककार
 - (D) केवल चित्रकार
३. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक पहचानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?
 - (A) आधुनिक मैथिली साहित्यिक लेखक, सम्पादक आ नाटककार
 - (B) केवल चित्रकार
 - (C) केवल लोक-गायक
 - (D) केवल संस्कृत टीकाकार
४. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक पहचान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?
 - (A) केवल संस्कृत टीकाकार
 - (B) आधुनिक मैथिली साहित्यिक लेखक, सम्पादक आ नाटककार
 - (C) केवल लोक-गायक
 - (D) केवल चित्रकार
५. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक पहचानक सही व्याख्या कोन होयत?
 - (A) केवल लोक-गायक
 - (B) केवल संस्कृत टीकाकार
 - (C) केवल चित्रकार
 - (D) आधुनिक मैथिली साहित्यिक लेखक, सम्पादक आ नाटककार
६. भफाइट चाहक जिनगीक रचयिताक मुख्य अर्थ की अछि?
 - (A) सुधांशु शेखर चौधरी
 - (B) उमापति उपाध्याय
 - (C) मणिपद्म
 - (D) हरिमोहन झा
७. भफाइट चाहक जिनगीक रचयिता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?
 - (A) मणिपद्म
 - (B) उमापति उपाध्याय
 - (C) सुधांशु शेखर चौधरी
 - (D) हरिमोहन झा
८. भफाइट चाहक जिनगीक रचयिताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?
 - (A) सुधांशु शेखर चौधरी
 - (B) मणिपद्म
 - (C) उमापति उपाध्याय
 - (D) हरिमोहन झा

९. भफाइट चाहक जिनगीक रचयिता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मणिपद्म
- (B) सुधांशु शेखर चौधरी
- (C) हरिमोहन झा
- (D) उमापति उपाध्याय

१०. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइट चाहक जिनगीक रचयिताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) मणिपद्म
- (B) उमापति उपाध्याय
- (C) हरिमोहन झा
- (D) सुधांशु शेखर चौधरी

११. सुधांशुजीक नाट्यकृति-समूहक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दत्त-वती, चित्रा आ पृथ्वीपुत्र
- (B) भफाइट चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर आ पहिल साँझ
- (C) वर्णरत्नाकर, कृष्णजन्म आ गीतशती
- (D) खट्टर ककाक तरंग, लोरिक-विजय आ कृति राजकमल

१२. सुधांशुजीक नाट्यकृति-समूह पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) खट्टर ककाक तरंग, लोरिक-विजय आ कृति राजकमल
- (B) भफाइट चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर आ पहिल साँझ
- (C) वर्णरत्नाकर, कृष्णजन्म आ गीतशती
- (D) दत्त-वती, चित्रा आ पृथ्वीपुत्र

१३. सुधांशुजीक नाट्यकृति-समूहक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) भफाइट चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर आ पहिल साँझ
- (B) दत्त-वती, चित्रा आ पृथ्वीपुत्र
- (C) वर्णरत्नाकर, कृष्णजन्म आ गीतशती
- (D) खट्टर ककाक तरंग, लोरिक-विजय आ कृति राजकमल

१४. सुधांशुजीक नाट्यकृति-समूह सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) खट्टर ककाक तरंग, लोरिक-विजय आ कृति राजकमल
- (B) दत्त-वती, चित्रा आ पृथ्वीपुत्र
- (C) वर्णरत्नाकर, कृष्णजन्म आ गीतशती
- (D) भफाइट चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर आ पहिल साँझ

१५. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशुजीक नाट्यकृति-समूहक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वर्णरत्नाकर, कृष्णजन्म आ गीतशती
- (B) दत्त-वती, चित्रा आ पृथ्वीपुत्र
- (C) खट्टर ककाक तरंग, लोरिक-विजय आ कृति राजकमल
- (D) भफाइट चाहक जिनगी, लेटाइत आँचर आ पहिल साँझ

१६. सुधांशुजीक सम्पादकीय भूमिकाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) गीतशतीक सम्पादन
- (B) मिथिला मिहिरक सम्पादन
- (C) कर्णामृतक मुद्रण
- (D) तिरहुता लिपिक आविष्कार

१७. सुधांशुजीक सम्पादकीय भूमिका पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) तिरहुता लिपिक आविष्कार
- (B) मिथिला मिहिरक सम्पादन
- (C) कर्णामृतक मुद्रण
- (D) गीतशतीक सम्पादन

१८. सुधांशुजीक सम्पादकीय भूमिकाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) गीतशतीक सम्पादन
- (B) तिरहुता लिपिक आविष्कार
- (C) मिथिला मिहिरक सम्पादन
- (D) कर्णामृतक मुद्रण

१९. सुधांशुजीक सम्पादकीय भूमिका सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) तिरहुता लिपिक आविष्कार
- (B) गीतशतीक सम्पादन
- (C) कर्णामृतक मुद्रण
- (D) मिथिला मिहिरक सम्पादन

२०. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशुजीक सम्पादकीय भूमिकाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) गीतशतीक सम्पादन
- (B) मिथिला मिहिरक सम्पादन
- (C) कर्णामृतक मुद्रण
- (D) तिरहुता लिपिक आविष्कार

२१. सुधांशुजीक उपन्यासक पुरस्कार-संदर्भक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लेटाइत आँचर पर नोबेल
- (B) ई वतहा संसार पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
- (C) पहिल साँझ पर सरस्वती सम्मान
- (D) भफाइत चाहक जिनगी पर ज्ञानपीठ

२२. सुधांशुजीक उपन्यासक पुरस्कार-संदर्भ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लेटाइत आँचर पर नोबेल
- (B) ई वतहा संसार पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
- (C) पहिल साँझ पर सरस्वती सम्मान
- (D) भफाइत चाहक जिनगी पर ज्ञानपीठ

२३. सुधांशुजीक उपन्यासक पुरस्कार-संदर्भक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पहिल साँझ पर सरस्वती सम्मान
- (B) ई वतहा संसार पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
- (C) भफाइत चाहक जिनगी पर ज्ञानपीठ
- (D) लेटाइत आँचर पर नोबेल

२४. सुधांशुजीक उपन्यासक पुरस्कार-संदर्भ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लेटाइत आँचर पर नोबेल
- (B) पहिल साँझ पर सरस्वती सम्मान
- (C) ई वतहा संसार पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
- (D) भफाइत चाहक जिनगी पर ज्ञानपीठ

२५. परीक्षा-दृष्टिसे सुधांशुजीक उपन्यासक पुरस्कार-संदर्भक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) लेटाइत आँचर पर नोबेल
- (B) भफाइत चाहक जिनगी पर ज्ञानपीठ
- (C) पहिल साँझ पर सरस्वती सम्मान
- (D) ई वतहा संसार पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार

२६. आधुनिक मैथिली नाटकमे सुधांशुजीक स्थानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) व्यावहारिक मंच-अनुभव वाला रचनाकार
- (B) छन्द-लेखक मात्र
- (C) केवल पाण्डुलिपि-संग्राहक
- (D) नाटक-विरोधी आलोचक

२७. आधुनिक मैथिली नाटकमे सुधांशुजीक स्थान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) व्यावहारिक मंच-अनुभव वाला रचनाकार
- (B) केवल पाण्डुलिपि-संग्राहक
- (C) छन्द-लेखक मात्र
- (D) नाटक-विरोधी आलोचक

२८. आधुनिक मैथिली नाटकमे सुधांशुजीक स्थानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पाण्डुलिपि-संग्राहक
- (B) छन्द-लेखक मात्र
- (C) व्यावहारिक मंच-अनुभव वाला रचनाकार
- (D) नाटक-विरोधी आलोचक

२९. आधुनिक मैथिली नाटकमे सुधांशुजीक स्थान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) नाटक-विरोधी आलोचक
- (B) व्यावहारिक मंच-अनुभव वाला रचनाकार
- (C) केवल पाण्डुलिपि-संग्राहक
- (D) छन्द-लेखक मात्र

३०. परीक्षा-दृष्टिसे आधुनिक मैथिली नाटकमे सुधांशुजीक स्थानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पाण्डुलिपि-संग्राहक
- (B) छन्द-लेखक मात्र
- (C) व्यावहारिक मंच-अनुभव वाला रचनाकार
- (D) नाटक-विरोधी आलोचक

३१. सुधांशुजीक लेखनक एक महत्त्वपूर्ण आधारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल अलौकिक चमत्कार
- (B) अर्थनीतिक आधारपर समाजक चित्रण
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल युद्धक वर्णन

३२. सुधांशुजीक लेखनक एक महत्त्वपूर्ण आधार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल युद्धक वर्णन
- (B) अर्थनीतिक आधारपर समाजक चित्रण
- (C) केवल अलौकिक चमत्कार
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

३३. सुधांशुजीक लेखनक एक महत्त्वपूर्ण आधारक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) अर्थनीतिक आधारपर समाजक चित्रण
- (C) केवल युद्धक वर्णन
- (D) केवल अलौकिक चमत्कार

३४. सुधांशुजीक लेखनक एक महत्त्वपूर्ण आधार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल अलौकिक चमत्कार
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल युद्धक वर्णन
- (D) अर्थनीतिक आधारपर समाजक चित्रण

३५. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशुजीक लेखनक एक महत्त्वपूर्ण आधारक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल अलौकिक चमत्कार
- (B) केवल युद्धक वर्णन
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) अर्थनीतिक आधारपर समाजक चित्रण

३६. रचनाकारक दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्दकोश बनायब
- (B) केवल राजनैतिक घोषणापत्र
- (C) मिथिला-समाजक भीतर सामान्य लोकजीवनक मर्म देखब
- (D) केवल देव-स्तुति लिखब

३७. रचनाकारक दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल देव-स्तुति लिखब
- (B) केवल राजनैतिक घोषणापत्र
- (C) मिथिला-समाजक भीतर सामान्य लोकजीवनक मर्म देखब
- (D) केवल शब्दकोश बनायब

३८. रचनाकारक दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-समाजक भीतर सामान्य लोकजीवनक मर्म देखब
- (B) केवल शब्दकोश बनायब
- (C) केवल राजनैतिक घोषणापत्र
- (D) केवल देव-स्तुति लिखब

३९. रचनाकारक दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मिथिला-समाजक भीतर सामान्य लोकजीवनक मर्म देखब
- (B) केवल राजनैतिक घोषणापत्र
- (C) केवल देव-स्तुति लिखब
- (D) केवल शब्दकोश बनायब

४०. परीक्षा-दृष्टिसँ रचनाकारक दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) मिथिला-समाजक भीतर सामान्य लोकजीवनक मर्म देखब
- (B) केवल देव-स्तुति लिखब
- (C) केवल राजनैतिक घोषणापत्र
- (D) केवल शब्दकोश बनायब

४१. नाटककारक मूल दक्षताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कृषि-विज्ञानक प्रयोग
- (B) कथ्यकें मंचीय संवादमे बदलबाक क्षमता
- (C) खगोल-गणनाक क्षमता
- (D) चित्र बनयबाक क्षमता

४२. नाटककारक मूल दक्षता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चित्र बनयबाक क्षमता
- (B) खगोल-गणनाक क्षमता
- (C) कृषि-विज्ञानक प्रयोग
- (D) कथ्यकें मंचीय संवादमे बदलबाक क्षमता

४३. नाटककारक मूल दक्षताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कथ्यकें मंचीय संवादमे बदलबाक क्षमता
- (B) चित्र बनयबाक क्षमता
- (C) खगोल-गणनाक क्षमता
- (D) कृषि-विज्ञानक प्रयोग

४४. नाटककारक मूल दक्षता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कृषि-विज्ञानक प्रयोग
- (B) खगोल-गणनाक क्षमता
- (C) चित्र बनयबाक क्षमता
- (D) कथ्यकें मंचीय संवादमे बदलबाक क्षमता

४५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटककारक मूल दक्षताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) चित्र बनयबाक क्षमता
- (B) खगोल-गणनाक क्षमता
- (C) कृषि-विज्ञानक प्रयोग
- (D) कथ्यकें मंचीय संवादमे बदलबाक क्षमता

४६. सुधांशुजीक साहित्यिक परिवेशक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पौराणिक कथामात्र
- (B) केवल मध्यकालीन दरबार
- (C) केवल वैदिक यज्ञक युग
- (D) आधुनिक मैथिली गद्य आ नाटकक उभार

४७. सुधांशुजीक साहित्यिक परिवेश पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल वैदिक यज्ञक युग
- (B) आधुनिक मैथिली गद्य आ नाटकक उभार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबार
- (D) केवल पौराणिक कथामात्र

४८. सुधांशुजीक साहित्यिक परिवेशक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ नाटकक उभार
- (B) केवल वैदिक यज्ञक युग
- (C) केवल मध्यकालीन दरबार
- (D) केवल पौराणिक कथामात्र

४९. सुधांशुजीक साहित्यिक परिवेश सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल वैदिक यज्ञक युग
- (B) केवल मध्यकालीन दरबार
- (C) आधुनिक मैथिली गद्य आ नाटकक उभार
- (D) केवल पौराणिक कथामात्र

५०. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशुजीक साहित्यिक परिवेशक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ नाटकक उभार
- (B) केवल पौराणिक कथामात्र
- (C) केवल वैदिक यज्ञक युग
- (D) केवल मध्यकालीन दरबार

५१. लेखकक अध्ययनमे सावधानीक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कृति, पात्र आ सामाजिक संदर्भकेँ एक संग देखब
- (B) केवल नामक ध्वनि देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या पूछब
- (D) केवल जन्म-वर्ष रटब

५२. लेखकक अध्ययनमे सावधानी पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल नामक ध्वनि देखब
- (B) कृति, पात्र आ सामाजिक संदर्भकेँ एक संग देखब
- (C) केवल जन्म-वर्ष रटब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या पूछब

५३. लेखकक अध्ययनमे सावधानीक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल जन्म-वर्ष रटब
- (B) केवल नामक ध्वनि देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या पूछब
- (D) कृति, पात्र आ सामाजिक संदर्भकेँ एक संग देखब

५४. लेखकक अध्ययनमे सावधानी सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कृति, पात्र आ सामाजिक संदर्भकेँ एक संग देखब
- (B) केवल नामक ध्वनि देखब
- (C) केवल जन्म-वर्ष रटब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या पूछब

५५. परीक्षा-दृष्टिसँ लेखकक अध्ययनमे सावधानीक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल जन्म-वर्ष रटब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या पूछब
- (C) केवल नामक ध्वनि देखब
- (D) कृति, पात्र आ सामाजिक संदर्भकेँ एक संग देखब

५६. भफाइत चाहक जिनगीमे लेखकक संवेदनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल भय
- (B) केवल रहस्य
- (C) केवल शौर्य
- (D) हास्य आ मर्मक संतुलन

५७. भफाइत चाहक जिनगीमे लेखकक संवेदना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल भय
- (B) हास्य आ मर्मक संतुलन
- (C) केवल रहस्य
- (D) केवल शौर्य

५८. भफाइत चाहक जिनगीमे लेखकक संवेदनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल भय
- (B) हास्य आ मर्मक संतुलन
- (C) केवल रहस्य
- (D) केवल शौर्य

५९. भफाइत चाहक जिनगीमे लेखकक संवेदना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल भय
- (B) केवल रहस्य
- (C) हास्य आ मर्मक संतुलन
- (D) केवल शौर्य

६०. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीमे लेखकक संवेदनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल रहस्य
- (B) केवल शौर्य
- (C) केवल भय
- (D) हास्य आ मर्मक संतुलन

६१. लेखकक सामाजिक चिन्ताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अश्वमेध
- (B) राज्याभिषेक
- (C) समुद्र-यात्रा
- (D) बेरोजगारी आ कामक मर्यादा

६२. लेखकक सामाजिक चिन्ता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राज्याभिषेक
- (B) समुद्र-यात्रा
- (C) अश्वमेध
- (D) बेरोजगारी आ कामक मर्यादा

६३. लेखकक सामाजिक चिन्ताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) समुद्र-यात्रा
- (B) बेरोजगारी आ कामक मर्यादा
- (C) अश्वमेध
- (D) राज्याभिषेक

६४. लेखकक सामाजिक चिन्ता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) अश्वमेध
- (B) समुद्र-यात्रा
- (C) बेरोजगारी आ कामक मर्यादा
- (D) राज्याभिषेक

६५. परीक्षा-दृष्टिसे लेखक सामाजिक चिन्ताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राज्याभिषेक
- (B) समुद्र-यात्रा
- (C) बेरोजगारी आ कामक मर्यादा
- (D) अश्वमेध

६६. सुधांशुजीक आलोचनात्मक ग्रहणक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल प्राचीन शिलालेखक लेखक
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक महत्त्वपूर्ण नाम
- (C) केवल लोककथा पात्र
- (D) केवल विदेशी यात्री

६७. सुधांशुजीक आलोचनात्मक ग्रहण पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल प्राचीन शिलालेखक लेखक
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक महत्त्वपूर्ण नाम
- (C) केवल विदेशी यात्री
- (D) केवल लोककथा पात्र

६८. सुधांशुजीक आलोचनात्मक ग्रहणक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल प्राचीन शिलालेखक लेखक
- (B) केवल विदेशी यात्री
- (C) आधुनिक मैथिली नाटकक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल लोककथा पात्र

६९. सुधांशुजीक आलोचनात्मक ग्रहण सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्री
- (B) केवल लोककथा पात्र
- (C) आधुनिक मैथिली नाटकक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल प्राचीन शिलालेखक लेखक

७०. परीक्षा-दृष्टिसे सुधांशुजीक आलोचनात्मक ग्रहणक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल प्राचीन शिलालेखक लेखक
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक महत्त्वपूर्ण नाम
- (C) केवल विदेशी यात्री
- (D) केवल लोककथा पात्र

७१. लेखक रचनात्मक मुद्राक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पात्रविहीन वर्णन करब
- (B) विषयकेँ पूर्ण मौन रखब
- (C) केवल छन्द-सूत्र लिखब
- (D) समाजक चोटकेँ विनोद आ संवादसेँ कहब

७२. लेखक रचनात्मक मुद्रा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) समाजक चोटकेँ विनोद आ संवादसेँ कहब
- (B) विषयकेँ पूर्ण मौन रखब
- (C) पात्रविहीन वर्णन करब
- (D) केवल छन्द-सूत्र लिखब

७३. लेखकक रचनात्मक मुद्राक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) विषयकेँ पूर्ण मौन रखब
- (B) समाजक चोटकेँ विनोद आ संवादसँ कहब
- (C) केवल छन्द-सूत्र लिखब
- (D) पात्रविहीन वर्णन करब

७४. लेखकक रचनात्मक मुद्रा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पात्रविहीन वर्णन करब
- (B) केवल छन्द-सूत्र लिखब
- (C) विषयकेँ पूर्ण मौन रखब
- (D) समाजक चोटकेँ विनोद आ संवादसँ कहब

७५. परीक्षा-दृष्टिसँ लेखकक रचनात्मक मुद्राक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजक चोटकेँ विनोद आ संवादसँ कहब
- (B) विषयकेँ पूर्ण मौन रखब
- (C) पात्रविहीन वर्णन करब
- (D) केवल छन्द-सूत्र लिखब

७६. साहित्य-इतिहासमे लेखकक उपयोगक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पशु-पक्षी सूची
- (B) आधुनिक विधा-विकास बुझबाक आधार
- (C) खगोलीय पंचांग
- (D) व्याकरणक संधि मात्र

७७. साहित्य-इतिहासमे लेखकक उपयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) आधुनिक विधा-विकास बुझबाक आधार
- (B) व्याकरणक संधि मात्र
- (C) खगोलीय पंचांग
- (D) पशु-पक्षी सूची

७८. साहित्य-इतिहासमे लेखकक उपयोगक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) आधुनिक विधा-विकास बुझबाक आधार
- (B) व्याकरणक संधि मात्र
- (C) खगोलीय पंचांग
- (D) पशु-पक्षी सूची

७९. साहित्य-इतिहासमे लेखकक उपयोग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पशु-पक्षी सूची
- (B) आधुनिक विधा-विकास बुझबाक आधार
- (C) व्याकरणक संधि मात्र
- (D) खगोलीय पंचांग

८०. परीक्षा-दृष्टिसँ साहित्य-इतिहासमे लेखकक उपयोगक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) खगोलीय पंचांग
- (B) व्याकरणक संधि मात्र
- (C) आधुनिक विधा-विकास बुझबाक आधार
- (D) पशु-पक्षी सूची

८१. रचनाकारक मंचीय संवेदनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अकथनीय वंशावली मात्र
- (B) दृश्य बनबाक योग्य परिस्थिति चुनब
- (C) अश्रव्य मौन-शब्द
- (D) अदृश्य गणित-सूत्र

८२. रचनाकारक मंचीय संवेदना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अश्रव्य मौन-शब्द
- (B) अकथनीय वंशावली मात्र
- (C) अदृश्य गणित-सूत्र
- (D) दृश्य बनबाक योग्य परिस्थिति चुनब

८३. रचनाकारक मंचीय संवेदनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अश्रव्य मौन-शब्द
- (B) दृश्य बनबाक योग्य परिस्थिति चुनब
- (C) अदृश्य गणित-सूत्र
- (D) अकथनीय वंशावली मात्र

८४. रचनाकारक मंचीय संवेदना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दृश्य बनबाक योग्य परिस्थिति चुनब
- (B) अश्रव्य मौन-शब्द
- (C) अकथनीय वंशावली मात्र
- (D) अदृश्य गणित-सूत्र

८५. परीक्षा-दृष्टिसँ रचनाकारक मंचीय संवेदनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अदृश्य गणित-सूत्र
- (B) अकथनीय वंशावली मात्र
- (C) अश्रव्य मौन-शब्द
- (D) दृश्य बनबाक योग्य परिस्थिति चुनब

८६. लेखक आ पात्रक सम्बन्धक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लेखक पात्रक अस्तित्व मिटा दैत छथि
- (B) लेखक पात्रक माध्यमे समाजक प्रश्न उठबैत छथि
- (C) लेखक मंचसँ बाहर रहि इतिहास बदलैत छथि
- (D) लेखक केवल रंग-सूची देत छथि

८७. लेखक आ पात्रक सम्बन्ध पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लेखक मंचसँ बाहर रहि इतिहास बदलैत छथि
- (B) लेखक केवल रंग-सूची देत छथि
- (C) लेखक पात्रक अस्तित्व मिटा दैत छथि
- (D) लेखक पात्रक माध्यमे समाजक प्रश्न उठबैत छथि

८८. लेखक आ पात्रक सम्बन्धक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) लेखक केवल रंग-सूची देत छथि
- (B) लेखक पात्रक माध्यमे समाजक प्रश्न उठबैत छथि
- (C) लेखक मंचसँ बाहर रहि इतिहास बदलैत छथि
- (D) लेखक पात्रक अस्तित्व मिटा दैत छथि

८९. लेखक आ पात्रक सम्बन्ध सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लेखक मंचसँ बाहर रहि इतिहास बदलैत छथि
- (B) लेखक केवल रंग-सूची देत छथि
- (C) लेखक पात्रक माध्यमे समाजक प्रश्न उठबैत छथि
- (D) लेखक पात्रक अस्तित्व मिटा दैत छथि

९०. परीक्षा-दृष्टिसँ लेखक आ पात्रक सम्बन्धक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) लेखक पात्रक अस्तित्व मिटा दैत छथि
- (B) लेखक पात्रक माध्यमे समाजक प्रश्न उठबैत छथि
- (C) लेखक मंचसँ बाहर रहि इतिहास बदलैत छथि
- (D) लेखक केवल रंग-सूची देत छथि

९१. सुधांशुजीक भाषा-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल चित्र-भाषा
- (B) केवल गणितीय चिन्ह
- (C) केवल फारसी दरबारी भाषा
- (D) लोक-प्रचलित मैथिलीकें नाट्य-प्रयोगमे आनब

९२. सुधांशुजीक भाषा-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लोक-प्रचलित मैथिलीकें नाट्य-प्रयोगमे आनब
- (B) केवल फारसी दरबारी भाषा
- (C) केवल चित्र-भाषा
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

९३. सुधांशुजीक भाषा-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल फारसी दरबारी भाषा
- (B) केवल गणितीय चिन्ह
- (C) लोक-प्रचलित मैथिलीकें नाट्य-प्रयोगमे आनब
- (D) केवल चित्र-भाषा

९४. सुधांशुजीक भाषा-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लोक-प्रचलित मैथिलीकें नाट्य-प्रयोगमे आनब
- (B) केवल गणितीय चिन्ह
- (C) केवल फारसी दरबारी भाषा
- (D) केवल चित्र-भाषा

९५. परीक्षा-दृष्टिसँ सुधांशुजीक भाषा-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गणितीय चिन्ह
- (B) केवल फारसी दरबारी भाषा
- (C) केवल चित्र-भाषा
- (D) लोक-प्रचलित मैथिलीकें नाट्य-प्रयोगमे आनब

९६. लेखकक मूल्यांकनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पुस्तकक रंग पर
- (B) कृति आ समाज-दृष्टि दुनूक आधार पर करबाक चाही
- (C) केवल पुरस्कार पर
- (D) केवल नामक आकार पर

९७. लेखकक मूल्यांकन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पुरस्कार पर
- (B) केवल नामक आकार पर
- (C) कृति आ समाज-दृष्टि दुनूक आधार पर करबाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक रंग पर

९८. लेखकक मूल्यांकनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल नामक आकार पर
- (B) केवल पुस्तकक रंग पर
- (C) केवल पुरस्कार पर
- (D) कृति आ समाज-दृष्टि दुनूक आधार पर करबाक चाही

९९. लेखकक मूल्यांकन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पुस्तकक रंग पर
- (B) केवल पुरस्कार पर
- (C) कृति आ समाज-दृष्टि दुनूक आधार पर करबाक चाही
- (D) केवल नामक आकार पर

१००. परीक्षा-दृष्टिसँ लेखकक मूल्यांकनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पुस्तकक रंग पर
- (B) कृति आ समाज-दृष्टि दुनूक आधार पर करबाक चाही
- (C) केवल पुरस्कार पर
- (D) केवल नामक आकार पर

s2

१०१. भफाइत चाहक जिनगीक विधाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शब्दकोश
- (B) महाकाव्य
- (C) नाटक
- (D) उपन्यास

१०२. भफाइत चाहक जिनगीक विधा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नाटक
- (B) उपन्यास
- (C) महाकाव्य
- (D) शब्दकोश

१०३. भफाइत चाहक जिनगीक विधाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) उपन्यास
- (B) शब्दकोश
- (C) महाकाव्य
- (D) नाटक

१०४. भफाइत चाहक जिनगीक विधा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) शब्दकोश
- (B) नाटक
- (C) महाकाव्य
- (D) उपन्यास

१०५. परीक्षा-दृष्टिसेँ भफाइत चाहक जिनगीक विधाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शब्दकोश
- (B) उपन्यास
- (C) महाकाव्य
- (D) नाटक

१०६. कृतिक प्रथम संस्करणक समयक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) नवम्बर उन्नैस सय पचहत्तर
- (B) फागुन दू हजार बीस
- (C) बैसाख उन्नैस सय चार
- (D) आषाढ़ अठारह सय सत्तावन

१०७. कृतिक प्रथम संस्करणक समय पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) फागुन दू हजार बीस
- (B) आषाढ़ अठारह सय सत्तावन
- (C) नवम्बर उन्नैस सय पचहत्तर
- (D) बैसाख उन्नैस सय चार

१०८. कृतिक प्रथम संस्करणक समयक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) फागुन दू हजार बीस
- (B) नवम्बर उन्नैस सय पचहत्तर
- (C) आषाढ़ अठारह सय सत्तावन
- (D) बैसाख उन्नैस सय चार

१०९. कृतिक प्रथम संस्करणक समय सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) फागुन दू हजार बीस
- (B) नवम्बर उन्नैस सय पचहत्तर
- (C) बैसाख उन्नैस सय चार
- (D) आषाढ़ अठारह सय सत्तावन

११०. परीक्षा-दृष्टिसेँ कृतिक प्रथम संस्करणक समयक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) आषाढ़ अठारह सय सत्तावन
- (B) बैसाख उन्नैस सय चार
- (C) नवम्बर उन्नैस सय पचहत्तर
- (D) फागुन दू हजार बीस

१११. कृतिक प्रकाशन-संबन्धी एक स्रोत-संदर्भक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शेखर प्रकाशन, पटना
- (B) मिथिला चित्रकला परिषद
- (C) कृषि विभाग
- (D) कोहबर अकादेमी

११२. कृतिक प्रकाशन-संबन्धी एक स्रोत-संदर्भ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला परिषद
- (B) कृषि विभाग
- (C) कोहबर अकादेमी
- (D) शेखर प्रकाशन, पटना

११३. कृतिक प्रकाशन-संबंधी एक स्रोत-संदर्भक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शेखर प्रकाशन, पटना
- (B) मिथिला चित्रकला परिषद
- (C) कोहबर अकादेमी
- (D) कृषि विभाग

११४. कृतिक प्रकाशन-संबंधी एक स्रोत-संदर्भक सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कोहबर अकादेमी
- (B) शेखर प्रकाशन, पटना
- (C) मिथिला चित्रकला परिषद
- (D) कृषि विभाग

११५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक प्रकाशन-संबंधी एक स्रोत-संदर्भक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) मिथिला चित्रकला परिषद
- (B) कृषि विभाग
- (C) कोहबर अकादेमी
- (D) शेखर प्रकाशन, पटना

११६. भफाइत चाहक जिनगीक पाठ्य-स्थितिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल गणित-पुस्तक
- (B) मैथिली पाठ्यक्रममे आधुनिक नाटकक रूपमे पढ़ल जाएब
- (C) केवल ज्योतिष-पंचांग
- (D) केवल बाल-चित्रकथा

११७. भफाइत चाहक जिनगीक पाठ्य-स्थिति पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल गणित-पुस्तक
- (B) केवल ज्योतिष-पंचांग
- (C) केवल बाल-चित्रकथा
- (D) मैथिली पाठ्यक्रममे आधुनिक नाटकक रूपमे पढ़ल जाएब

११८. भफाइत चाहक जिनगीक पाठ्य-स्थितिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मैथिली पाठ्यक्रममे आधुनिक नाटकक रूपमे पढ़ल जाएब
- (B) केवल ज्योतिष-पंचांग
- (C) केवल गणित-पुस्तक
- (D) केवल बाल-चित्रकथा

११९. भफाइत चाहक जिनगीक पाठ्य-स्थिति सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल गणित-पुस्तक
- (B) केवल ज्योतिष-पंचांग
- (C) केवल बाल-चित्रकथा
- (D) मैथिली पाठ्यक्रममे आधुनिक नाटकक रूपमे पढ़ल जाएब

१२०. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक पाठ्य-स्थितिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल ज्योतिष-पंचांग
- (B) केवल बाल-चित्रकथा
- (C) केवल गणित-पुस्तक
- (D) मैथिली पाठ्यक्रममे आधुनिक नाटकक रूपमे पढ़ल जाएब

१२१. कृति-संदर्भमे उपयुक्त अध्ययन-पद्धतिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल मूल्य पूछब
- (B) कथ्य, पात्र, मंच-योग्यता आ समाज-चेतनाक संयुक्त अध्ययन
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) केवल पृष्ठ गिनब

१२२. कृति-संदर्भमे उपयुक्त अध्ययन-पद्धति पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कथ्य, पात्र, मंच-योग्यता आ समाज-चेतनाक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल पृष्ठ गिनब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) केवल मूल्य पूछब

१२३. कृति-संदर्भमे उपयुक्त अध्ययन-पद्धतिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कथ्य, पात्र, मंच-योग्यता आ समाज-चेतनाक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (C) केवल मूल्य पूछब
- (D) केवल पृष्ठ गिनब

१२४. कृति-संदर्भमे उपयुक्त अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कथ्य, पात्र, मंच-योग्यता आ समाज-चेतनाक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल पृष्ठ गिनब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) केवल मूल्य पूछब

१२५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृति-संदर्भमे उपयुक्त अध्ययन-पद्धतिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कथ्य, पात्र, मंच-योग्यता आ समाज-चेतनाक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल मूल्य पूछब
- (C) केवल पृष्ठ गिनब
- (D) केवल मुखपृष्ठ देखब

१२६. कृतिक प्रमुख पहचानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दर्शन-सूत्र मात्र
- (B) प्रकृति-वर्णन मात्र
- (C) सामान्य जीवनक बिम्बकेँ नाट्य-रूप देनाइ
- (D) राजसी विजयगाथा मात्र

१२७. कृतिक प्रमुख पहचान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सामान्य जीवनक बिम्बकेँ नाट्य-रूप देनाइ
- (B) राजसी विजयगाथा मात्र
- (C) दर्शन-सूत्र मात्र
- (D) प्रकृति-वर्णन मात्र

१२८. कृतिक प्रमुख पहचानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दर्शन-सूत्र मात्र
- (B) प्रकृति-वर्णन मात्र
- (C) राजसी विजयगाथा मात्र
- (D) सामान्य जीवनक बिम्बकेँ नाट्य-रूप देनाइ

१२९. कृतिक प्रमुख पहचान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दर्शन-सूत्र मात्र
- (B) राजसी विजयगाथा मात्र
- (C) प्रकृति-वर्णन मात्र
- (D) सामान्य जीवनक बिम्बकें नाट्य-रूप देनाइ

१३०. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक प्रमुख पहचानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सामान्य जीवनक बिम्बकें नाट्य-रूप देनाइ
- (B) राजसी विजयगाथा मात्र
- (C) दर्शन-सूत्र मात्र
- (D) प्रकृति-वर्णन मात्र

१३१. विदेह नाट्य-संदर्भमे कृतिक स्थानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नाटकक वृत्तमे उल्लेखनीय कड़ी
- (B) मिथिला चित्रकला रंग-सूची
- (C) लिपि-व्याकरणक नियम
- (D) राजस्व-अभिलेख

१३२. विदेह नाट्य-संदर्भमे कृतिक स्थान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राजस्व-अभिलेख
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक वृत्तमे उल्लेखनीय कड़ी
- (C) मिथिला चित्रकला रंग-सूची
- (D) लिपि-व्याकरणक नियम

१३३. विदेह नाट्य-संदर्भमे कृतिक स्थानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला रंग-सूची
- (B) राजस्व-अभिलेख
- (C) लिपि-व्याकरणक नियम
- (D) आधुनिक मैथिली नाटकक वृत्तमे उल्लेखनीय कड़ी

१३४. विदेह नाट्य-संदर्भमे कृतिक स्थान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लिपि-व्याकरणक नियम
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक वृत्तमे उल्लेखनीय कड़ी
- (C) मिथिला चित्रकला रंग-सूची
- (D) राजस्व-अभिलेख

१३५. परीक्षा-दृष्टिसँ विदेह नाट्य-संदर्भमे कृतिक स्थानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राजस्व-अभिलेख
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक वृत्तमे उल्लेखनीय कड़ी
- (C) मिथिला चित्रकला रंग-सूची
- (D) लिपि-व्याकरणक नियम

१३६. कृति-पहचानक सही आधारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल आवरणक रंग
- (B) केवल पुस्तकक वजन
- (C) रचनाकार, विधा, कथ्य आ प्रकाशन-संदर्भ
- (D) केवल अक्षर-संख्या

१३७. कृति-पहिचानक सही आधार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पुस्तकक वजन
- (B) केवल अक्षर-संख्या
- (C) रचनाकार, विधा, कथ्य आ प्रकाशन-संदर्भ
- (D) केवल आवरणक रंग

१३८. कृति-पहिचानक सही आधारक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल अक्षर-संख्या
- (B) रचनाकार, विधा, कथ्य आ प्रकाशन-संदर्भ
- (C) केवल आवरणक रंग
- (D) केवल पुस्तकक वजन

१३९. कृति-पहिचानक सही आधार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल अक्षर-संख्या
- (B) रचनाकार, विधा, कथ्य आ प्रकाशन-संदर्भ
- (C) केवल पुस्तकक वजन
- (D) केवल आवरणक रंग

१४०. परीक्षा-दृष्टिसँ कृति-पहिचानक सही आधारक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पुस्तकक वजन
- (B) केवल आवरणक रंग
- (C) रचनाकार, विधा, कथ्य आ प्रकाशन-संदर्भ
- (D) केवल अक्षर-संख्या

१४१. भफाइत चाहक जिनगीक ऐतिहासिकताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चित्रकला-शाला
- (B) वैदिक संहिता
- (C) मध्यकालीन पदावली
- (D) आधुनिक मैथिली रंगमंचक सामाजिक मोड़

१४२. भफाइत चाहक जिनगीक ऐतिहासिकता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चित्रकला-शाला
- (B) मध्यकालीन पदावली
- (C) आधुनिक मैथिली रंगमंचक सामाजिक मोड़
- (D) वैदिक संहिता

१४३. भफाइत चाहक जिनगीक ऐतिहासिकताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चित्रकला-शाला
- (B) आधुनिक मैथिली रंगमंचक सामाजिक मोड़
- (C) वैदिक संहिता
- (D) मध्यकालीन पदावली

१४४. भफाइत चाहक जिनगीक ऐतिहासिकता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली रंगमंचक सामाजिक मोड़
- (B) चित्रकला-शाला
- (C) मध्यकालीन पदावली
- (D) वैदिक संहिता

१४५. परीक्षा-दृष्टिसेँ भफाइत चाहक जिनगीक ऐतिहासिकताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वैदिक संहिता
- (B) चित्रकला-शाला
- (C) आधुनिक मैथिली रंगमंचक सामाजिक मोड़
- (D) मध्यकालीन पदावली

१४६. कृतिक आकारक आलोचनात्मक अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चित्रमाला मात्र
- (B) छोट आकारमे गहन सामाजिक बिम्ब
- (C) शून्य कथावस्तु
- (D) बड़ आकारमे खाली सूची

१४७. कृतिक आकारक आलोचनात्मक अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चित्रमाला मात्र
- (B) बड़ आकारमे खाली सूची
- (C) शून्य कथावस्तु
- (D) छोट आकारमे गहन सामाजिक बिम्ब

१४८. कृतिक आकारक आलोचनात्मक अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चित्रमाला मात्र
- (B) बड़ आकारमे खाली सूची
- (C) छोट आकारमे गहन सामाजिक बिम्ब
- (D) शून्य कथावस्तु

१४९. कृतिक आकारक आलोचनात्मक अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) छोट आकारमे गहन सामाजिक बिम्ब
- (B) चित्रमाला मात्र
- (C) बड़ आकारमे खाली सूची
- (D) शून्य कथावस्तु

१५०. परीक्षा-दृष्टिसेँ कृतिक आकारक आलोचनात्मक अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शून्य कथावस्तु
- (B) बड़ आकारमे खाली सूची
- (C) छोट आकारमे गहन सामाजिक बिम्ब
- (D) चित्रमाला मात्र

१५१. कृतिक पाठक-वर्गक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली साहित्य, नाटक आ समाज-अध्ययनक पाठक
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल वनस्पति-विज्ञानी
- (D) केवल समुद्री नाविक

१५२. कृतिक पाठक-वर्ग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल वनस्पति-विज्ञानी
- (B) केवल समुद्री नाविक
- (C) केवल वाद्य-निर्माता
- (D) मैथिली साहित्य, नाटक आ समाज-अध्ययनक पाठक

१५३. कृतिक पाठक-वर्गक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मैथिली साहित्य, नाटक आ समाज-अध्ययनक पाठक
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल वनस्पति-विज्ञानी
- (D) केवल समुद्री नाविक

१५४. कृतिक पाठक-वर्ग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल समुद्री नाविक
- (B) मैथिली साहित्य, नाटक आ समाज-अध्ययनक पाठक
- (C) केवल वनस्पति-विज्ञानी
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

१५५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक पाठक-वर्गक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वाद्य-निर्माता
- (B) मैथिली साहित्य, नाटक आ समाज-अध्ययनक पाठक
- (C) केवल वनस्पति-विज्ञानी
- (D) केवल समुद्री नाविक

१५६. कृतिक पाठ्यक्रमीय महत्त्वक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) खेलक नियम
- (B) खेतीक पंचांग
- (C) नदीक नाप
- (D) नव समाज-चेतना बुझबाक नाट्य-पाठ

१५७. कृतिक पाठ्यक्रमीय महत्त्व पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नव समाज-चेतना बुझबाक नाट्य-पाठ
- (B) खेलक नियम
- (C) नदीक नाप
- (D) खेतीक पंचांग

१५८. कृतिक पाठ्यक्रमीय महत्त्वक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) खेलक नियम
- (B) खेतीक पंचांग
- (C) नव समाज-चेतना बुझबाक नाट्य-पाठ
- (D) नदीक नाप

१५९. कृतिक पाठ्यक्रमीय महत्त्व सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) खेतीक पंचांग
- (B) नव समाज-चेतना बुझबाक नाट्य-पाठ
- (C) खेलक नियम
- (D) नदीक नाप

१६०. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक पाठ्यक्रमीय महत्त्वक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) नव समाज-चेतना बुझबाक नाट्य-पाठ
- (B) नदीक नाप
- (C) खेतीक पंचांग
- (D) खेलक नियम

१६१. कृति आ लेखकक सम्बन्धक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लेखकसँ असम्बद्ध लोकगीत
- (B) सुधांशुजीक नाट्य-दृष्टिक प्रमाण
- (C) अज्ञात शिलालेख
- (D) अनुवादित खगोल-ग्रन्थ

१६२. कृति आ लेखकक सम्बन्ध पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सुधांशुजीक नाट्य-दृष्टिक प्रमाण
- (B) लेखकसँ असम्बद्ध लोकगीत
- (C) अनुवादित खगोल-ग्रन्थ
- (D) अज्ञात शिलालेख

१६३. कृति आ लेखकक सम्बन्धक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सुधांशुजीक नाट्य-दृष्टिक प्रमाण
- (B) अज्ञात शिलालेख
- (C) अनुवादित खगोल-ग्रन्थ
- (D) लेखकसँ असम्बद्ध लोकगीत

१६४. कृति आ लेखकक सम्बन्ध सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सुधांशुजीक नाट्य-दृष्टिक प्रमाण
- (B) अज्ञात शिलालेख
- (C) लेखकसँ असम्बद्ध लोकगीत
- (D) अनुवादित खगोल-ग्रन्थ

१६५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृति आ लेखकक सम्बन्धक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अज्ञात शिलालेख
- (B) लेखकसँ असम्बद्ध लोकगीत
- (C) अनुवादित खगोल-ग्रन्थ
- (D) सुधांशुजीक नाट्य-दृष्टिक प्रमाण

१६६. भफाइट चाहक जिनगीक मूल भावभूमिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजमहल, युद्ध आ अश्वमेध
- (B) चाय-दोकान, समाज आ आत्मसम्मान
- (C) समुद्र, जहाज आ तूफान
- (D) देवसभा आ स्वर्ग

१६७. भफाइट चाहक जिनगीक मूल भावभूमि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देवसभा आ स्वर्ग
- (B) राजमहल, युद्ध आ अश्वमेध
- (C) चाय-दोकान, समाज आ आत्मसम्मान
- (D) समुद्र, जहाज आ तूफान

१६८. भफाइट चाहक जिनगीक मूल भावभूमिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवसभा आ स्वर्ग
- (B) चाय-दोकान, समाज आ आत्मसम्मान
- (C) समुद्र, जहाज आ तूफान
- (D) राजमहल, युद्ध आ अश्वमेध

१६९. भफाइत चाहक जिनगीक मूल भावभूमि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजमहल, युद्ध आ अश्वमेध
- (B) चाय-दोकान, समाज आ आत्मसम्मान
- (C) समुद्र, जहाज आ तूफान
- (D) देवसभा आ स्वर्ग

१७०. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक मूल भावभूमिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) चाय-दोकान, समाज आ आत्मसम्मान
- (B) देवसभा आ स्वर्ग
- (C) समुद्र, जहाज आ तूफान
- (D) राजमहल, युद्ध आ अश्वमेध

१७१. कृति-परीक्षणक उचित प्रश्नक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कागजक मोटाई केहन अछि
- (B) पुस्तकक गंध कोन अछि
- (C) शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध की अछि
- (D) मुखपृष्ठक रंग कोन अछि

१७२. कृति-परीक्षणक उचित प्रश्न पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध की अछि
- (B) कागजक मोटाई केहन अछि
- (C) मुखपृष्ठक रंग कोन अछि
- (D) पुस्तकक गंध कोन अछि

१७३. कृति-परीक्षणक उचित प्रश्नक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मुखपृष्ठक रंग कोन अछि
- (B) पुस्तकक गंध कोन अछि
- (C) कागजक मोटाई केहन अछि
- (D) शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध की अछि

१७४. कृति-परीक्षणक उचित प्रश्न सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कागजक मोटाई केहन अछि
- (B) मुखपृष्ठक रंग कोन अछि
- (C) शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध की अछि
- (D) पुस्तकक गंध कोन अछि

१७५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृति-परीक्षणक उचित प्रश्नक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध की अछि
- (B) कागजक मोटाई केहन अछि
- (C) पुस्तकक गंध कोन अछि
- (D) मुखपृष्ठक रंग कोन अछि

१७६. कृतिक पाठन-लक्ष्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-रूप रटब
- (B) केवल वर्ष बदलब
- (C) केवल चित्र देखब
- (D) सामाजिक यथार्थकेँ नाटकीय रूपमे बुझब

१७७. कृतिक पाठन-लक्ष्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थकेँ नाटकीय रूपमे बुझब
- (B) केवल शब्द-रूप रटब
- (C) केवल वर्ष बदलब
- (D) केवल चित्र देखब

१७८. कृतिक पाठन-लक्ष्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल चित्र देखब
- (B) केवल वर्ष बदलब
- (C) सामाजिक यथार्थकेँ नाटकीय रूपमे बुझब
- (D) केवल शब्द-रूप रटब

१७९. कृतिक पाठन-लक्ष्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल चित्र देखब
- (B) केवल वर्ष बदलब
- (C) केवल शब्द-रूप रटब
- (D) सामाजिक यथार्थकेँ नाटकीय रूपमे बुझब

१८०. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक पाठन-लक्ष्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वर्ष बदलब
- (B) केवल चित्र देखब
- (C) सामाजिक यथार्थकेँ नाटकीय रूपमे बुझब
- (D) केवल शब्द-रूप रटब

१८१. भफाइत चाहक जिनगीक साहित्यिक वर्गक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक सामाजिक नाटक
- (B) राजकीय फार्म
- (C) पुराण-काव्य
- (D) व्याकरण-सूत्र

१८२. भफाइत चाहक जिनगीक साहित्यिक वर्ग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राजकीय फार्म
- (B) पुराण-काव्य
- (C) आधुनिक सामाजिक नाटक
- (D) व्याकरण-सूत्र

१८३. भफाइत चाहक जिनगीक साहित्यिक वर्गक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजकीय फार्म
- (B) व्याकरण-सूत्र
- (C) पुराण-काव्य
- (D) आधुनिक सामाजिक नाटक

१८४. भफाइत चाहक जिनगीक साहित्यिक वर्ग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजकीय फार्म
- (B) पुराण-काव्य
- (C) व्याकरण-सूत्र
- (D) आधुनिक सामाजिक नाटक

१८५. परीक्षा-दृष्टिसेँ भफाइत चाहक जिनगीक साहित्यिक वर्गक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) आधुनिक सामाजिक नाटक
- (B) पुराण-काव्य
- (C) राजकीय फार्म
- (D) व्याकरण-सूत्र

१८६. कृति-संदर्भमे लेखकक नामक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लालदास
- (B) मनबोध
- (C) सुधांशु शेखर चौधरी
- (D) चन्द्रा झा

१८७. कृति-संदर्भमे लेखकक नाम पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लालदास
- (B) सुधांशु शेखर चौधरी
- (C) चन्द्रा झा
- (D) मनबोध

१८८. कृति-संदर्भमे लेखकक नामक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चन्द्रा झा
- (B) मनबोध
- (C) लालदास
- (D) सुधांशु शेखर चौधरी

१८९. कृति-संदर्भमे लेखकक नाम सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मनबोध
- (B) लालदास
- (C) सुधांशु शेखर चौधरी
- (D) चन्द्रा झा

१९०. परीक्षा-दृष्टिसेँ कृति-संदर्भमे लेखकक नामक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सुधांशु शेखर चौधरी
- (B) लालदास
- (C) मनबोध
- (D) चन्द्रा झा

१९१. कृति-संदर्भक सम्भावित परीक्षा-प्रश्नक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल राशि-फल
- (B) केवल भोजन-सूची
- (C) केवल मौसम
- (D) प्रथम संस्करण, विधा, रचयिता आ विषय

१९२. कृति-संदर्भक सम्भावित परीक्षा-प्रश्न पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल मौसम
- (B) केवल भोजन-सूची
- (C) प्रथम संस्करण, विधा, रचयिता आ विषय
- (D) केवल राशि-फल

१९३. कृति-संदर्भक सम्भावित परीक्षा-प्रश्नक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) प्रथम संस्करण, विधा, रचयिता आ विषय
- (B) केवल राशि-फल
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल भोजन-सूची

१९४. कृति-संदर्भक सम्भावित परीक्षा-प्रश्न सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल राशि-फल
- (B) केवल भोजन-सूची
- (C) प्रथम संस्करण, विधा, रचयिता आ विषय
- (D) केवल मौसम

१९५. परीक्षा-दृष्टिसँ कृति-संदर्भक सम्भावित परीक्षा-प्रश्नक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) प्रथम संस्करण, विधा, रचयिता आ विषय
- (B) केवल राशि-फल
- (C) केवल भोजन-सूची
- (D) केवल मौसम

१९६. भफाइट चाहक जिनगीक समग्र उपयोगक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पशु-पहिचान
- (B) केवल औषधि-सूची
- (C) केवल भूगोलक नाप
- (D) नाटक, समाज आ भाषा तीनूक अध्ययन

१९७. भफाइट चाहक जिनगीक समग्र उपयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल भूगोलक नाप
- (B) केवल पशु-पहिचान
- (C) नाटक, समाज आ भाषा तीनूक अध्ययन
- (D) केवल औषधि-सूची

१९८. भफाइट चाहक जिनगीक समग्र उपयोगक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल भूगोलक नाप
- (B) नाटक, समाज आ भाषा तीनूक अध्ययन
- (C) केवल औषधि-सूची
- (D) केवल पशु-पहिचान

१९९. भफाइट चाहक जिनगीक समग्र उपयोग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पशु-पहिचान
- (B) केवल भूगोलक नाप
- (C) केवल औषधि-सूची
- (D) नाटक, समाज आ भाषा तीनूक अध्ययन

२००. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइट चाहक जिनगीक समग्र उपयोगक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पशु-पहिचान
- (B) केवल भूगोलक नाप
- (C) नाटक, समाज आ भाषा तीनूक अध्ययन
- (D) केवल औषधि-सूची

२०१. शीर्षकमे 'भफाइत'क संकेतक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सोना-चानीक थाल
- (B) भाप उठैत आ तुरन्त छिन्न होइत जीवन
- (C) पत्थरक स्थायी महल
- (D) समुद्रक ज्वार

२०२. शीर्षकमे 'भफाइत'क संकेत पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) समुद्रक ज्वार
- (B) पत्थरक स्थायी महल
- (C) सोना-चानीक थाल
- (D) भाप उठैत आ तुरन्त छिन्न होइत जीवन

२०३. शीर्षकमे 'भफाइत'क संकेतक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सोना-चानीक थाल
- (B) भाप उठैत आ तुरन्त छिन्न होइत जीवन
- (C) समुद्रक ज्वार
- (D) पत्थरक स्थायी महल

२०४. शीर्षकमे 'भफाइत'क संकेत सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पत्थरक स्थायी महल
- (B) सोना-चानीक थाल
- (C) भाप उठैत आ तुरन्त छिन्न होइत जीवन
- (D) समुद्रक ज्वार

२०५. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षकमे 'भफाइत'क संकेतक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सोना-चानीक थाल
- (B) पत्थरक स्थायी महल
- (C) समुद्रक ज्वार
- (D) भाप उठैत आ तुरन्त छिन्न होइत जीवन

२०६. चाहक बिम्बक मुख्य अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) साधारण वस्तुसँ असाधारण सामाजिक अर्थ निकालब
- (B) केवल मंदिरक दीप
- (C) केवल पेय-पदार्थक सूची
- (D) केवल औषधि-विज्ञान

२०७. चाहक बिम्बक मुख्य अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल मंदिरक दीप
- (B) साधारण वस्तुसँ असाधारण सामाजिक अर्थ निकालब
- (C) केवल औषधि-विज्ञान
- (D) केवल पेय-पदार्थक सूची

२०८. चाहक बिम्बक मुख्य अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पेय-पदार्थक सूची
- (B) केवल औषधि-विज्ञान
- (C) केवल मंदिरक दीप
- (D) साधारण वस्तुसँ असाधारण सामाजिक अर्थ निकालब

२०९. चाहक बिम्बक मुख्य अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) साधारण वस्तुसँ असाधारण सामाजिक अर्थ निकालब
- (B) केवल पेय-पदार्थक सूची
- (C) केवल औषधि-विज्ञान
- (D) केवल मंदिरक दीप

२१०. परीक्षा-दृष्टिसँ चाहक बिम्बक मुख्य अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) साधारण वस्तुसँ असाधारण सामाजिक अर्थ निकालब
- (B) केवल पेय-पदार्थक सूची
- (C) केवल औषधि-विज्ञान
- (D) केवल मंदिरक दीप

२११. शीर्षकक सामाजिक अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजा विजयक घोषणा
- (B) वन-विहारक गीत
- (C) देव-युद्धक संकेत
- (D) नायकक संघर्षशील जिनगीक रूपक

२१२. शीर्षकक सामाजिक अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नायकक संघर्षशील जिनगीक रूपक
- (B) वन-विहारक गीत
- (C) देव-युद्धक संकेत
- (D) राजा विजयक घोषणा

२१३. शीर्षकक सामाजिक अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देव-युद्धक संकेत
- (B) वन-विहारक गीत
- (C) नायकक संघर्षशील जिनगीक रूपक
- (D) राजा विजयक घोषणा

२१४. शीर्षकक सामाजिक अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजा विजयक घोषणा
- (B) देव-युद्धक संकेत
- (C) वन-विहारक गीत
- (D) नायकक संघर्षशील जिनगीक रूपक

२१५. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षकक सामाजिक अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वन-विहारक गीत
- (B) राजा विजयक घोषणा
- (C) नायकक संघर्षशील जिनगीक रूपक
- (D) देव-युद्धक संकेत

२१६. भफाइत चायक प्रतीकक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पूर्ण निराशा
- (B) युद्धक नगाड़ा
- (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना
- (D) अचल पर्वत मात्र

२१७. भफाइत चायक प्रतीक पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना
- (B) अचल पर्वत मात्र
- (C) पूर्ण निराशा
- (D) युद्धक नगाड़ा

२१८. भफाइत चायक प्रतीकक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अचल पर्वत मात्र
- (B) पूर्ण निराशा
- (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना
- (D) युद्धक नगाड़ा

२१९. भफाइत चायक प्रतीक सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) अचल पर्वत मात्र
- (B) पूर्ण निराशा
- (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना
- (D) युद्धक नगाड़ा

२२०. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चायक प्रतीकक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) युद्धक नगाड़ा
- (B) अचल पर्वत मात्र
- (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना
- (D) पूर्ण निराशा

२२१. शीर्षकक नाटकीयताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अदृश्य देववाणी
- (B) दैनिक जीवनक वस्तु केँ दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ
- (C) केवल राजवंश
- (D) गणितीय परिभाषा

२२२. शीर्षकक नाटकीयता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल राजवंश
- (B) गणितीय परिभाषा
- (C) अदृश्य देववाणी
- (D) दैनिक जीवनक वस्तु केँ दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ

२२३. शीर्षकक नाटकीयताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अदृश्य देववाणी
- (B) गणितीय परिभाषा
- (C) दैनिक जीवनक वस्तु केँ दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ
- (D) केवल राजवंश

२२४. शीर्षकक नाटकीयता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल राजवंश
- (B) अदृश्य देववाणी
- (C) दैनिक जीवनक वस्तु केँ दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ
- (D) गणितीय परिभाषा

२२५. परीक्षा-दृष्टिसें शीर्षकक नाटकीयताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल राजवंश
- (B) गणितीय परिभाषा
- (C) दैनिक जीवनक वस्तु के दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ
- (D) अदृश्य देववाणी

२२६. चाय-दोकानक प्रतीकात्मक मूल्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल बाजारक शोर
- (B) केवल बरतन-धुलाई
- (C) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब
- (D) केवल खरीद-बिक्री

२२७. चाय-दोकानक प्रतीकात्मक मूल्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल बरतन-धुलाई
- (B) केवल खरीद-बिक्री
- (C) केवल बाजारक शोर
- (D) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब

२२८. चाय-दोकानक प्रतीकात्मक मूल्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल बरतन-धुलाई
- (B) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब
- (C) केवल बाजारक शोर
- (D) केवल खरीद-बिक्री

२२९. चाय-दोकानक प्रतीकात्मक मूल्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल खरीद-बिक्री
- (B) केवल बाजारक शोर
- (C) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब
- (D) केवल बरतन-धुलाई

२३०. परीक्षा-दृष्टिसें चाय-दोकानक प्रतीकात्मक मूल्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल बरतन-धुलाई
- (B) केवल बाजारक शोर
- (C) केवल खरीद-बिक्री
- (D) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब

२३१. शीर्षकमे जीवन-दर्शनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) निष्क्रिय विलाप
- (B) सत्ता-भक्ति मात्र
- (C) पूर्ण पलायन
- (D) पराजयक बीच श्रमसें आत्मगौरव

२३२. शीर्षकमे जीवन-दर्शन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सत्ता-भक्ति मात्र
- (B) निष्क्रिय विलाप
- (C) पूर्ण पलायन
- (D) पराजयक बीच श्रमसें आत्मगौरव

२३३. शीर्षकमे जीवन-दर्शनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) निष्क्रिय विलाप
- (B) पूर्ण पलायन
- (C) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव
- (D) सत्ता-भक्ति मात्र

२३४. शीर्षकमे जीवन-दर्शन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव
- (B) सत्ता-भक्ति मात्र
- (C) निष्क्रिय विलाप
- (D) पूर्ण पलायन

२३५. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षकमे जीवन-दर्शनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) निष्क्रिय विलाप
- (B) पूर्ण पलायन
- (C) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव
- (D) सत्ता-भक्ति मात्र

२३६. भाप आ जीवनक सम्बन्धक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) क्षणभंगुरता आ संघर्ष-द्वारा पुनर्निर्माण
- (B) कागजक मोटाई
- (C) नदीक नाप
- (D) यंत्रक गति

२३७. भाप आ जीवनक सम्बन्ध पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) यंत्रक गति
- (B) क्षणभंगुरता आ संघर्ष-द्वारा पुनर्निर्माण
- (C) नदीक नाप
- (D) कागजक मोटाई

२३८. भाप आ जीवनक सम्बन्धक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) यंत्रक गति
- (B) क्षणभंगुरता आ संघर्ष-द्वारा पुनर्निर्माण
- (C) नदीक नाप
- (D) कागजक मोटाई

२३९. भाप आ जीवनक सम्बन्ध सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) यंत्रक गति
- (B) कागजक मोटाई
- (C) नदीक नाप
- (D) क्षणभंगुरता आ संघर्ष-द्वारा पुनर्निर्माण

२४०. परीक्षा-दृष्टिसँ भाप आ जीवनक सम्बन्धक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कागजक मोटाई
- (B) क्षणभंगुरता आ संघर्ष-द्वारा पुनर्निर्माण
- (C) नदीक नाप
- (D) यंत्रक गति

२४१. शीर्षकक व्यंजनार्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भोजनक सूची बनब
- (B) साधारण काममे गरिमा भेटब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) कामकेँ अपमान मानब

२४२. शीर्षकक व्यंजनार्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) साधारण काममे गरिमा भेटब
- (C) भोजनक सूची बनब
- (D) कामकेँ अपमान मानब

२४३. शीर्षकक व्यंजनार्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) साधारण काममे गरिमा भेटब
- (B) कामकेँ अपमान मानब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भोजनक सूची बनब

२४४. शीर्षकक व्यंजनार्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) साधारण काममे गरिमा भेटब
- (C) कामकेँ अपमान मानब
- (D) भोजनक सूची बनब

२४५. परीक्षा-दृष्टिसेँ शीर्षकक व्यंजनार्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) कामकेँ अपमान मानब
- (C) साधारण काममे गरिमा भेटब
- (D) भोजनक सूची बनब

२४६. चाहक जीवनक रूपकक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल
- (B) वनवासक पशु-वर्णन
- (C) राजकुमारीक स्वयंवर
- (D) दैवी युद्ध

२४७. चाहक जीवनक रूपक पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वनवासक पशु-वर्णन
- (B) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल
- (C) दैवी युद्ध
- (D) राजकुमारीक स्वयंवर

२४८. चाहक जीवनक रूपकक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) वनवासक पशु-वर्णन
- (B) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल
- (C) दैवी युद्ध
- (D) राजकुमारीक स्वयंवर

२४९. चाहक जीवनक रूपक सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वनवासक पशु-वर्णन
- (B) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल
- (C) राजकुमारीक स्वयंवर
- (D) दैवी युद्ध

२५०. परीक्षा-दृष्टिँ चाहक जीवनक रूपकक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राजकुमारीक स्वयंवर
- (B) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल
- (C) दैवी युद्ध
- (D) वनवासक पशु-वर्णन

२५१. शीर्षकक परीक्षा-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पात्रक नाम हटायब
- (B) शीर्षक मात्र रटब
- (C) प्रतीक आ कथ्यक एकता बुझब
- (D) अर्थ छोड़ि ध्वनि देखब

२५२. शीर्षकक परीक्षा-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अर्थ छोड़ि ध्वनि देखब
- (B) प्रतीक आ कथ्यक एकता बुझब
- (C) पात्रक नाम हटायब
- (D) शीर्षक मात्र रटब

२५३. शीर्षकक परीक्षा-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शीर्षक मात्र रटब
- (B) पात्रक नाम हटायब
- (C) प्रतीक आ कथ्यक एकता बुझब
- (D) अर्थ छोड़ि ध्वनि देखब

२५४. शीर्षकक परीक्षा-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पात्रक नाम हटायब
- (B) शीर्षक मात्र रटब
- (C) प्रतीक आ कथ्यक एकता बुझब
- (D) अर्थ छोड़ि ध्वनि देखब

२५५. परीक्षा-दृष्टिँ शीर्षकक परीक्षा-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) प्रतीक आ कथ्यक एकता बुझब
- (B) शीर्षक मात्र रटब
- (C) अर्थ छोड़ि ध्वनि देखब
- (D) पात्रक नाम हटायब

२५६. चाहक बिम्बमे आर्थिक पक्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल ऋतु-वर्णन
- (B) केवल धार्मिक अनुष्ठान
- (C) रोजगार आ श्रमसँ जुड़ल जीवन-संघर्ष
- (D) केवल राजकीय शक्ति

२५७. चाहक बिम्बमे आर्थिक पक्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल ऋतु-वर्णन
- (B) केवल धार्मिक अनुष्ठान
- (C) रोजगार आ श्रमसँ जुड़ल जीवन-संघर्ष
- (D) केवल राजकीय शक्ति

२५८. चाहक बिम्बमे आर्थिक पक्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल राजकीय शक्ति
- (B) केवल धार्मिक अनुष्ठान
- (C) केवल ऋतु-वर्णन
- (D) रोजगार आ श्रमसँ जुड़ल जीवन-संघर्ष

२५९. चाहक बिम्बमे आर्थिक पक्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल धार्मिक अनुष्ठान
- (B) केवल राजकीय शक्ति
- (C) केवल ऋतु-वर्णन
- (D) रोजगार आ श्रमसँ जुड़ल जीवन-संघर्ष

२६०. परीक्षा-दृष्टिसँ चाहक बिम्बमे आर्थिक पक्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल राजकीय शक्ति
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) रोजगार आ श्रमसँ जुड़ल जीवन-संघर्ष
- (D) केवल धार्मिक अनुष्ठान

२६१. भफाइत चायक मनोवैज्ञानिक अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजशक्ति
- (B) अकारण विलास
- (C) बाल-खेल
- (D) अविश्वासक बीच आत्मविश्वास

२६२. भफाइत चायक मनोवैज्ञानिक अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अविश्वासक बीच आत्मविश्वास
- (B) राजशक्ति
- (C) बाल-खेल
- (D) अकारण विलास

२६३. भफाइत चायक मनोवैज्ञानिक अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजशक्ति
- (B) अविश्वासक बीच आत्मविश्वास
- (C) अकारण विलास
- (D) बाल-खेल

२६४. भफाइत चायक मनोवैज्ञानिक अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजशक्ति
- (B) अकारण विलास
- (C) अविश्वासक बीच आत्मविश्वास
- (D) बाल-खेल

२६५. परीक्षा-दृष्टिसेँ भफाइत चायक मनोवैज्ञानिक अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) बाल-खेल
- (B) अविश्वासक बीच आत्मविश्वास
- (C) राजशक्ति
- (D) अकारण विलास

२६६. शीर्षक आ हास्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शाप-विधान
- (B) साधारण उपमानसँ गम्भीर बात हँसी-मर्ममे कहब
- (C) पूर्ण मौन
- (D) युद्ध-घोष

२६७. शीर्षक आ हास्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शाप-विधान
- (B) पूर्ण मौन
- (C) साधारण उपमानसँ गम्भीर बात हँसी-मर्ममे कहब
- (D) युद्ध-घोष

२६८. शीर्षक आ हास्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) साधारण उपमानसँ गम्भीर बात हँसी-मर्ममे कहब
- (B) पूर्ण मौन
- (C) शाप-विधान
- (D) युद्ध-घोष

२६९. शीर्षक आ हास्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) युद्ध-घोष
- (C) साधारण उपमानसँ गम्भीर बात हँसी-मर्ममे कहब
- (D) शाप-विधान

२७०. परीक्षा-दृष्टिसेँ शीर्षक आ हास्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) युद्ध-घोष
- (C) शाप-विधान
- (D) साधारण उपमानसँ गम्भीर बात हँसी-मर्ममे कहब

२७१. शीर्षक आ मंचक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल नदीक नक्सा बनैत
- (B) दर्शककेँ कोनो दृश्य नै भेटैत
- (C) मंचपर चाय-दोकानक दृश्य तुरंत अर्थ बनबैत अछि
- (D) केवल पुस्तक-सूची देखाइत

२७२. शीर्षक आ मंच पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मंचपर चाय-दोकानक दृश्य तुरंत अर्थ बनबैत अछि
- (B) दर्शककेँ कोनो दृश्य नै भेटैत
- (C) केवल पुस्तक-सूची देखाइत
- (D) केवल नदीक नक्सा बनैत

२७३. शीर्षक आ मंचक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल नदीक नक्सा बनैत
- (B) केवल पुस्तक-सूची देखाइत
- (C) मंचपर चाय-दोकानक दृश्य तुरंत अर्थ बनबैत अछि
- (D) दर्शककें कोनो दृश्य नै भेटैत

२७४. शीर्षक आ मंच सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल नदीक नक्सा बनैत
- (B) मंचपर चाय-दोकानक दृश्य तुरंत अर्थ बनबैत अछि
- (C) दर्शककें कोनो दृश्य नै भेटैत
- (D) केवल पुस्तक-सूची देखाइत

२७५. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षक आ मंचक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल नदीक नक्सा बनैत
- (B) दर्शककें कोनो दृश्य नै भेटैत
- (C) मंचपर चाय-दोकानक दृश्य तुरंत अर्थ बनबैत अछि
- (D) केवल पुस्तक-सूची देखाइत

२७६. शीर्षक आ वर्ग-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वंशक महिमा मात्र
- (B) कामक ऊँच-नीचक सामाजिक भ्रम पर प्रश्न
- (C) क्रीड़ाक नियम
- (D) देव-स्तुति मात्र

२७७. शीर्षक आ वर्ग-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देव-स्तुति मात्र
- (B) क्रीड़ाक नियम
- (C) वंशक महिमा मात्र
- (D) कामक ऊँच-नीचक सामाजिक भ्रम पर प्रश्न

२७८. शीर्षक आ वर्ग-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) क्रीड़ाक नियम
- (B) देव-स्तुति मात्र
- (C) कामक ऊँच-नीचक सामाजिक भ्रम पर प्रश्न
- (D) वंशक महिमा मात्र

२७९. शीर्षक आ वर्ग-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वंशक महिमा मात्र
- (B) कामक ऊँच-नीचक सामाजिक भ्रम पर प्रश्न
- (C) देव-स्तुति मात्र
- (D) क्रीड़ाक नियम

२८०. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षक आ वर्ग-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) क्रीड़ाक नियम
- (B) देव-स्तुति मात्र
- (C) वंशक महिमा मात्र
- (D) कामक ऊँच-नीचक सामाजिक भ्रम पर प्रश्न

२८१. शीर्षकमे 'जिनगी'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल बरतन
- (B) केवल एक घण्टा
- (C) केवल ऋतु
- (D) व्यक्ति मात्र नहि, सामाजिक अनुभवक सम्पूर्णता

२८२. शीर्षकमे 'जिनगी' पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) व्यक्ति मात्र नहि, सामाजिक अनुभवक सम्पूर्णता
- (B) केवल ऋतु
- (C) केवल बरतन
- (D) केवल एक घण्टा

२८३. शीर्षकमे 'जिनगी'क अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) व्यक्ति मात्र नहि, सामाजिक अनुभवक सम्पूर्णता
- (B) केवल बरतन
- (C) केवल एक घण्टा
- (D) केवल ऋतु

२८४. शीर्षकमे 'जिनगी' सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल बरतन
- (B) केवल ऋतु
- (C) व्यक्ति मात्र नहि, सामाजिक अनुभवक सम्पूर्णता
- (D) केवल एक घण्टा

२८५. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षकमे 'जिनगी'क सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) व्यक्ति मात्र नहि, सामाजिक अनुभवक सम्पूर्णता
- (B) केवल ऋतु
- (C) केवल बरतन
- (D) केवल एक घण्टा

२८६. प्रतीकक सही व्याख्याक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चाय केवल व्यापार करबाक वस्तु
- (B) चाय राजमुद्रा
- (C) चाय युद्धक हथियार
- (D) चाय जीवनक नाजुकता आ नवीकरणक सम्भावना

२८७. प्रतीकक सही व्याख्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चाय जीवनक नाजुकता आ नवीकरणक सम्भावना
- (B) चाय राजमुद्रा
- (C) चाय युद्धक हथियार
- (D) चाय केवल व्यापार करबाक वस्तु

२८८. प्रतीकक सही व्याख्याक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चाय केवल व्यापार करबाक वस्तु
- (B) चाय युद्धक हथियार
- (C) चाय जीवनक नाजुकता आ नवीकरणक सम्भावना
- (D) चाय राजमुद्रा

२८९. प्रतीकक सही व्याख्या सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) चाय केवल व्यापार करबाक वस्तु
- (B) चाय युद्धक हथियार
- (C) चाय जीवनक नाजुकता आ नवीकरणक सम्भावना
- (D) चाय राजमुद्रा

२९०. परीक्षा-दृष्टिसँ प्रतीकक सही व्याख्याक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) चाय केवल व्यापार करबाक वस्तु
- (B) चाय युद्धक हथियार
- (C) चाय जीवनक नाजुकता आ नवीकरणक सम्भावना
- (D) चाय राजमुद्रा

२९१. भफाइत चाहक जिनगीक शीर्षक-सार्थकताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शीर्षक केवल विज्ञापन
- (B) शीर्षक आ कथा पूर्ण अलग
- (C) कथावस्तु, नायक आ सामाजिक अर्थ तीनूक मेल
- (D) शीर्षक मात्र पेय-सूची

२९२. भफाइत चाहक जिनगीक शीर्षक-सार्थकता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शीर्षक आ कथा पूर्ण अलग
- (B) शीर्षक मात्र पेय-सूची
- (C) कथावस्तु, नायक आ सामाजिक अर्थ तीनूक मेल
- (D) शीर्षक केवल विज्ञापन

२९३. भफाइत चाहक जिनगीक शीर्षक-सार्थकताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शीर्षक केवल विज्ञापन
- (B) कथावस्तु, नायक आ सामाजिक अर्थ तीनूक मेल
- (C) शीर्षक आ कथा पूर्ण अलग
- (D) शीर्षक मात्र पेय-सूची

२९४. भफाइत चाहक जिनगीक शीर्षक-सार्थकता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कथावस्तु, नायक आ सामाजिक अर्थ तीनूक मेल
- (B) शीर्षक आ कथा पूर्ण अलग
- (C) शीर्षक मात्र पेय-सूची
- (D) शीर्षक केवल विज्ञापन

२९५. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक शीर्षक-सार्थकताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शीर्षक मात्र पेय-सूची
- (B) कथावस्तु, नायक आ सामाजिक अर्थ तीनूक मेल
- (C) शीर्षक केवल विज्ञापन
- (D) शीर्षक आ कथा पूर्ण अलग

२९६. शीर्षकक अन्तर्ध्वनिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कमजोर देखाइत जीवनक भीतर छिपल शक्ति
- (B) केवल विलास
- (C) दर्शकविहीन मौन
- (D) सदैव हार

२९७. शीर्षकक अन्तर्ध्वनि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल विलास
- (B) सदैव हार
- (C) दर्शकविहीन मौन
- (D) कमजोर देखाइत जीवनक भीतर छिपल शक्ति

२९८. शीर्षकक अन्तर्ध्वनिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कमजोर देखाइत जीवनक भीतर छिपल शक्ति
- (B) केवल विलास
- (C) सदैव हार
- (D) दर्शकविहीन मौन

२९९. शीर्षकक अन्तर्ध्वनि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सदैव हार
- (B) दर्शकविहीन मौन
- (C) कमजोर देखाइत जीवनक भीतर छिपल शक्ति
- (D) केवल विलास

३००. परीक्षा-दृष्टिसँ शीर्षकक अन्तर्ध्वनिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल विलास
- (B) कमजोर देखाइत जीवनक भीतर छिपल शक्ति
- (C) सदैव हार
- (D) दर्शकविहीन मौन

s4

३०१. नाटकक नायकक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महेश
- (B) उमानाथ
- (C) बटुआ दास
- (D) कर्मनाथ

३०२. नाटकक नायक पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कर्मनाथ
- (B) उमानाथ
- (C) महेश
- (D) बटुआ दास

३०३. नाटकक नायकक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महेश
- (B) उमानाथ
- (C) बटुआ दास
- (D) कर्मनाथ

३०४. नाटकक नायक सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) महेश
- (B) उमानाथ
- (C) कर्मनाथ
- (D) बटुआ दास

३०५. परीक्षा-दृष्टिसे नाटकक नायकक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) उमानाथ
- (B) महेश
- (C) कर्मनाथ
- (D) बटुआ दास

३०६. महेशक मुख्य समस्याक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वनवासक दण्ड
- (B) शिक्षित बेरोजगारी आ सम्मानजनक आजीविका
- (C) राजगद्दीक दावेदारी
- (D) देव-शाप

३०७. महेशक मुख्य समस्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देव-शाप
- (B) राजगद्दीक दावेदारी
- (C) शिक्षित बेरोजगारी आ सम्मानजनक आजीविका
- (D) वनवासक दण्ड

३०८. महेशक मुख्य समस्याक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शिक्षित बेरोजगारी आ सम्मानजनक आजीविका
- (B) देव-शाप
- (C) राजगद्दीक दावेदारी
- (D) वनवासक दण्ड

३०९. महेशक मुख्य समस्या सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजगद्दीक दावेदारी
- (B) वनवासक दण्ड
- (C) शिक्षित बेरोजगारी आ सम्मानजनक आजीविका
- (D) देव-शाप

३१०. परीक्षा-दृष्टिसे महेशक मुख्य समस्याक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देव-शाप
- (B) वनवासक दण्ड
- (C) राजगद्दीक दावेदारी
- (D) शिक्षित बेरोजगारी आ सम्मानजनक आजीविका

३११. महेशक कामक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पुराण लिखब
- (B) युद्ध करब
- (C) राज्य चलायब
- (D) चाय बेचब

३१२. महेशक काम पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) युद्ध करब
- (B) चाय बेचब
- (C) राज्य चलायब
- (D) पुराण लिखब

३१३. महेशक कामक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चाय बेचब
- (B) युद्ध करब
- (C) पुराण लिखब
- (D) राज्य चलायब

३१४. महेशक काम सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) युद्ध करब
- (B) पुराण लिखब
- (C) राज्य चलायब
- (D) चाय बेचब

३१५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक कामक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पुराण लिखब
- (B) चाय बेचब
- (C) राज्य चलायब
- (D) युद्ध करब

३१६. महेशक दोसर पहचानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कवि-संवेदनाशील व्यक्ति
- (B) केवल दरबारी विदूषक
- (C) केवल व्यापारी
- (D) केवल सैनिक

३१७. महेशक दोसर पहचान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल व्यापारी
- (B) केवल दरबारी विदूषक
- (C) कवि-संवेदनाशील व्यक्ति
- (D) केवल सैनिक

३१८. महेशक दोसर पहचानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल दरबारी विदूषक
- (B) केवल सैनिक
- (C) कवि-संवेदनाशील व्यक्ति
- (D) केवल व्यापारी

३१९. महेशक दोसर पहचान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल व्यापारी
- (B) कवि-संवेदनाशील व्यक्ति
- (C) केवल दरबारी विदूषक
- (D) केवल सैनिक

३२०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक दोसर पहचानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल सैनिक
- (B) केवल दरबारी विदूषक
- (C) केवल व्यापारी
- (D) कवि-संवेदनाशील व्यक्ति

३२१. महेशक चाय-दोकानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दूरक पहाड़
- (B) राजमहल
- (C) कथा आ संवादक प्रमुख रंग-स्थल
- (D) केवल सजावट

३२२. महेशक चाय-दोकान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कथा आ संवादक प्रमुख रंग-स्थल
- (B) केवल सजावट
- (C) राजमहल
- (D) दूरक पहाड़

३२३. महेशक चाय-दोकानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दूरक पहाड़
- (B) राजमहल
- (C) केवल सजावट
- (D) कथा आ संवादक प्रमुख रंग-स्थल

३२४. महेशक चाय-दोकान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल सजावट
- (B) दूरक पहाड़
- (C) राजमहल
- (D) कथा आ संवादक प्रमुख रंग-स्थल

३२५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक चाय-दोकानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राजमहल
- (B) दूरक पहाड़
- (C) कथा आ संवादक प्रमुख रंग-स्थल
- (D) केवल सजावट

३२६. महेश कवितापाठ लेल कखन जाइत छथि अर्थ कोन अछि?

- (A) पुकार भेलापर
- (B) देवता आदेश देलापर
- (C) नदी सूखलापर
- (D) युद्धक नगाड़ा बाजलापर

३२७. महेश कवितापाठ लेल कखन जाइत छथि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पुकार भेलापर
- (B) देवता आदेश देलापर
- (C) नदी सूखलापर
- (D) युद्धक नगाड़ा बाजलापर

३२८. महेश कवितापाठ लेल कखन जाइत छथि अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवता आदेश देलापर
- (B) युद्धक नगाड़ा बाजलापर
- (C) नदी सूखलापर
- (D) पुकार भेलापर

३२९. महेश कवितापाठ लेल कखन जाइत छथि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पुकार भेलापर
- (B) देवता आदेश देलापर
- (C) युद्धक नगाड़ा बाजलापर
- (D) नदी सूखलापर

३३०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेश कवितापाठ लेल कखन जाइत छथि सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवता आदेश देलापर
- (B) युद्धक नगाड़ा बाजलापर
- (C) नदी सूखलापर
- (D) पुकार भेलापर

३३१. महेशक जीवनक विडम्बनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजकाज आ युद्ध
- (B) कविता आ चाय-दोकानक बीच सामाजिक दृष्टि
- (C) समुद्र आ जहाज
- (D) खगोल आ गणितक विवाद

३३२. महेशक जीवनक विडम्बना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राजकाज आ युद्ध
- (B) खगोल आ गणितक विवाद
- (C) समुद्र आ जहाज
- (D) कविता आ चाय-दोकानक बीच सामाजिक दृष्टि

३३३. महेशक जीवनक विडम्बनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कविता आ चाय-दोकानक बीच सामाजिक दृष्टि
- (B) खगोल आ गणितक विवाद
- (C) समुद्र आ जहाज
- (D) राजकाज आ युद्ध

३३४. महेशक जीवनक विडम्बना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) खगोल आ गणितक विवाद
- (B) समुद्र आ जहाज
- (C) कविता आ चाय-दोकानक बीच सामाजिक दृष्टि
- (D) राजकाज आ युद्ध

३३५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक जीवनक विडम्बनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राजकाज आ युद्ध
- (B) कविता आ चाय-दोकानक बीच सामाजिक दृष्टि
- (C) खगोल आ गणितक विवाद
- (D) समुद्र आ जहाज

३३६. महेश पर समाजक दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल प्रकृति-प्रेम
- (B) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह
- (C) ज्ञानक सम्मान मात्र
- (D) पूर्ण समानता

३३७. महेश पर समाजक दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह
- (B) पूर्ण समानता
- (C) केवल प्रकृति-प्रेम
- (D) ज्ञानक सम्मान मात्र

३३८. महेश पर समाजक दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ज्ञानक सम्मान मात्र
- (B) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह
- (C) केवल प्रकृति-प्रेम
- (D) पूर्ण समानता

३३९. महेश पर समाजक दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) ज्ञानक सम्मान मात्र
- (B) केवल प्रकृति-प्रेम
- (C) पूर्ण समानता
- (D) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह

३४०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेश पर समाजक दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल प्रकृति-प्रेम
- (B) पूर्ण समानता
- (C) ज्ञानक सम्मान मात्र
- (D) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह

३४१. महेशक आत्मबलक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब
- (B) अन्यायमे सहभागी
- (C) झूठक सहारा
- (D) काम छोड़ि पलायन

३४२. महेशक आत्मबल पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) झूठक सहारा
- (B) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब
- (C) काम छोड़ि पलायन
- (D) अन्यायमे सहभागी

३४३. महेशक आत्मबलक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब
- (B) झूठक सहारा
- (C) अन्यायमे सहभागी
- (D) काम छोड़ि पलायन

३४४. महेशक आत्मबल सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) झूठक सहारा
- (B) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब
- (C) अन्यायमे सहभागी
- (D) काम छोड़ि पलायन

३४५. परीक्षा-दृष्टिसेँ महेशक आत्मबलक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) झूठक सहारा
- (B) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब
- (C) अन्यायमे सहभागी
- (D) काम छोड़ि पलायन

३४६. कथाक केन्द्रक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लंका-दहन
- (B) राजा जनकक दरबार
- (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम
- (D) कुरुक्षेत्र युद्ध

३४७. कथाक केन्द्र पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लंका-दहन
- (B) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम
- (D) राजा जनकक दरबार

३४८. कथाक केन्द्रक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजा जनकक दरबार
- (B) लंका-दहन
- (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम
- (D) कुरुक्षेत्र युद्ध

३४९. कथाक केन्द्र सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (B) लंका-दहन
- (C) राजा जनकक दरबार
- (D) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम

३५०. परीक्षा-दृष्टिसेँ कथाक केन्द्रक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (B) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम
- (C) राजा जनकक दरबार
- (D) लंका-दहन

३५१. महेशक संघर्षक मूलक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब
- (B) देवपूजा छोड़ब
- (C) सिंहासन छीनब
- (D) दुर्ग बनायब

३५२. महेशक संघर्षक मूल पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सिंहासन छीनब
- (B) दुर्ग बनायब
- (C) देवपूजा छोड़ब
- (D) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब

३५३. महेशक संघर्षक मूलक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब
- (B) देवपूजा छोड़ब
- (C) सिंहासन छीनब
- (D) दुर्ग बनायब

३५४. महेशक संघर्षक मूल सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब
- (B) देवपूजा छोड़ब
- (C) सिंहासन छीनब
- (D) दुर्ग बनायब

३५५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक संघर्षक मूलक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवपूजा छोड़ब
- (B) सिंहासन छीनब
- (C) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब
- (D) दुर्ग बनायब

३५६. चाय-दोकानक कथा-भूमिकाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल चित्रकला गैलरी
- (B) रिक्त स्थान
- (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच
- (D) कथा-विरोधी जगह

३५७. चाय-दोकानक कथा-भूमिका पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल चित्रकला गैलरी
- (B) कथा-विरोधी जगह
- (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच
- (D) रिक्त स्थान

३५८. चाय-दोकानक कथा-भूमिकाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच
- (B) रिक्त स्थान
- (C) केवल चित्रकला गैलरी
- (D) कथा-विरोधी जगह

३५९. चाय-दोकानक कथा-भूमिका सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल चित्रकला गैलरी
- (B) कथा-विरोधी जगह
- (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच
- (D) रिक्त स्थान

३६०. परीक्षा-दृष्टिसँ चाय-दोकानक कथा-भूमिकाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) रिक्त स्थान
- (B) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच
- (C) कथा-विरोधी जगह
- (D) केवल चित्रकला गैलरी

३६१. महेशक व्यक्तित्वक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पूर्ण अवसरवादी
- (B) पूर्ण निष्क्रिय
- (C) निर्दयी अत्याचारी
- (D) स्वाभिमानी आ संवेदनशील

३६२. महेशक व्यक्तित्व पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) स्वाभिमानी आ संवेदनशील
- (B) निर्दयी अत्याचारी
- (C) पूर्ण अवसरवादी
- (D) पूर्ण निष्क्रिय

३६३. महेशक व्यक्तित्वक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पूर्ण अवसरवादी
- (B) पूर्ण निष्क्रिय
- (C) निर्दयी अत्याचारी
- (D) स्वाभिमानी आ संवेदनशील

३६४. महेशक व्यक्तित्व सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पूर्ण निष्क्रिय
- (B) स्वाभिमानी आ संवेदनशील
- (C) निर्दयी अत्याचारी
- (D) पूर्ण अवसरवादी

३६५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक व्यक्तित्वक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण अवसरवादी
- (B) निर्दयी अत्याचारी
- (C) पूर्ण निष्क्रिय
- (D) स्वाभिमानी आ संवेदनशील

३६६. महेशक निर्णयक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कामकेँ अपन जीवनक डोरी बनायब
- (B) झूठा पद लेब
- (C) कामसँ भागब
- (D) घरेलू जिम्मेदारी त्यागब

३६७. महेशक निर्णय पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कामकेँ अपन जीवनक डोरी बनायब
- (B) कामसँ भागब
- (C) घरेलू जिम्मेदारी त्यागब
- (D) झूठा पद लेब

३६८. महेशक निर्णयक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कामसँ भागब
- (B) झूठा पद लेब
- (C) घरेलू जिम्मेदारी त्यागब
- (D) कामकेँ अपन जीवनक डोरी बनायब

३६९. महेशक निर्णय सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) झूठा पद लेब
- (B) कामसँ भागब
- (C) घरेलू जिम्मेदारी त्यागब
- (D) कामकें अपन जीवनक डोरी बनायब

३७०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक निर्णयक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) घरेलू जिम्मेदारी त्यागब
- (B) कामसँ भागब
- (C) झूठा पद लेब
- (D) कामकें अपन जीवनक डोरी बनायब

३७१. महेश आ कविताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कविता केवल विलास
- (B) कविता राजाज्ञा
- (C) कविता पूर्ण असम्बद्ध
- (D) सौन्दर्य-बोध आ संघर्षक संगति

३७२. महेश आ कविता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सौन्दर्य-बोध आ संघर्षक संगति
- (B) कविता पूर्ण असम्बद्ध
- (C) कविता राजाज्ञा
- (D) कविता केवल विलास

३७३. महेश आ कविताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सौन्दर्य-बोध आ संघर्षक संगति
- (B) कविता पूर्ण असम्बद्ध
- (C) कविता केवल विलास
- (D) कविता राजाज्ञा

३७४. महेश आ कविता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कविता पूर्ण असम्बद्ध
- (B) सौन्दर्य-बोध आ संघर्षक संगति
- (C) कविता राजाज्ञा
- (D) कविता केवल विलास

३७५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेश आ कविताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कविता पूर्ण असम्बद्ध
- (B) कविता केवल विलास
- (C) कविता राजाज्ञा
- (D) सौन्दर्य-बोध आ संघर्षक संगति

३७६. महेशक चायक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) जीवनक संघर्ष आ स्वावलम्बनक संकेत
- (B) दूसरक लूट
- (C) वंश-गौरव मात्र
- (D) निष्क्रिय आलस्य

३७७. महेशक चाय पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वंश-गौरव मात्र
- (B) निष्क्रिय आलस्य
- (C) जीवनक संघर्ष आ स्वावलम्बनक संकेत
- (D) दूसरक लूट

३७८. महेशक चायक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) निष्क्रिय आलस्य
- (B) दूसरक लूट
- (C) वंश-गौरव मात्र
- (D) जीवनक संघर्ष आ स्वावलम्बनक संकेत

३७९. महेशक चाय सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) निष्क्रिय आलस्य
- (B) वंश-गौरव मात्र
- (C) जीवनक संघर्ष आ स्वावलम्बनक संकेत
- (D) दूसरक लूट

३८०. परीक्षा-दृष्टिसे महेशक चायक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दूसरक लूट
- (B) जीवनक संघर्ष आ स्वावलम्बनक संकेत
- (C) निष्क्रिय आलस्य
- (D) वंश-गौरव मात्र

३८१. महेशक कथानक-कार्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल उपदेश देब
- (B) दर्शककेँ कामक गरिमा पर विचार करायब
- (C) केवल गीत गेब
- (D) केवल अदृश्य रहब

३८२. महेशक कथानक-कार्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल उपदेश देब
- (B) केवल अदृश्य रहब
- (C) दर्शककेँ कामक गरिमा पर विचार करायब
- (D) केवल गीत गेब

३८३. महेशक कथानक-कार्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दर्शककेँ कामक गरिमा पर विचार करायब
- (B) केवल गीत गेब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) केवल अदृश्य रहब

३८४. महेशक कथानक-कार्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल गीत गेब
- (B) केवल अदृश्य रहब
- (C) दर्शककेँ कामक गरिमा पर विचार करायब
- (D) केवल उपदेश देब

३८५. परीक्षा-दृष्टिसेँ महेशक कथानक-कार्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गीत गेब
- (B) दर्शककेँ कामक गरिमा पर विचार करायब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) केवल अदृश्य रहब

३८६. महेशक विरुद्ध सामाजिक समस्याक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कृष्ण-जन्म
- (B) सिंहासन-युद्ध
- (C) शिक्षित बेरोजगारक अवमानना
- (D) वनवासी तपस्या

३८७. महेशक विरुद्ध सामाजिक समस्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वनवासी तपस्या
- (B) कृष्ण-जन्म
- (C) सिंहासन-युद्ध
- (D) शिक्षित बेरोजगारक अवमानना

३८८. महेशक विरुद्ध सामाजिक समस्याक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शिक्षित बेरोजगारक अवमानना
- (B) सिंहासन-युद्ध
- (C) कृष्ण-जन्म
- (D) वनवासी तपस्या

३८९. महेशक विरुद्ध सामाजिक समस्या सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सिंहासन-युद्ध
- (B) कृष्ण-जन्म
- (C) शिक्षित बेरोजगारक अवमानना
- (D) वनवासी तपस्या

३९०. परीक्षा-दृष्टिसेँ महेशक विरुद्ध सामाजिक समस्याक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वनवासी तपस्या
- (B) शिक्षित बेरोजगारक अवमानना
- (C) कृष्ण-जन्म
- (D) सिंहासन-युद्ध

३९१. महेशक विकासक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) देवत्व-प्राप्ति
- (B) राज्य-विजय
- (C) अपमानसेँ संघर्ष करैत आत्मसम्मानक स्थापना
- (D) सर्वथा पतन

३९२. महेशक विकास पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देवत्व-प्राप्ति
- (B) राज्य-विजय
- (C) सर्वथा पतन
- (D) अपमानसेँ संघर्ष करैत आत्मसम्मानक स्थापना

३९३. महेशक विकासक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अपमानसँ संघर्ष करैत आत्मसम्मानक स्थापना
- (B) देवत्व-प्राप्ति
- (C) सर्वथा पतन
- (D) राज्य-विजय

३९४. महेशक विकास सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) देवत्व-प्राप्ति
- (B) सर्वथा पतन
- (C) राज्य-विजय
- (D) अपमानसँ संघर्ष करैत आत्मसम्मानक स्थापना

३९५. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक विकासक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवत्व-प्राप्ति
- (B) राज्य-विजय
- (C) सर्वथा पतन
- (D) अपमानसँ संघर्ष करैत आत्मसम्मानक स्थापना

३९६. महेश पात्रक परीक्षा-निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) ओ आधुनिक मैथिली समाजक कर्मशील नायक छथि
- (B) ओ अनुपस्थित पात्र छथि
- (C) ओ पौराणिक देवता छथि
- (D) ओ केवल विदूषक छथि

३९७. महेश पात्रक परीक्षा-निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) ओ पौराणिक देवता छथि
- (B) ओ केवल विदूषक छथि
- (C) ओ अनुपस्थित पात्र छथि
- (D) ओ आधुनिक मैथिली समाजक कर्मशील नायक छथि

३९८. महेश पात्रक परीक्षा-निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ओ पौराणिक देवता छथि
- (B) ओ केवल विदूषक छथि
- (C) ओ आधुनिक मैथिली समाजक कर्मशील नायक छथि
- (D) ओ अनुपस्थित पात्र छथि

३९९. महेश पात्रक परीक्षा-निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) ओ आधुनिक मैथिली समाजक कर्मशील नायक छथि
- (B) ओ पौराणिक देवता छथि
- (C) ओ केवल विदूषक छथि
- (D) ओ अनुपस्थित पात्र छथि

४००. परीक्षा-दृष्टिसँ महेश पात्रक परीक्षा-निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) ओ अनुपस्थित पात्र छथि
- (B) ओ केवल विदूषक छथि
- (C) ओ पौराणिक देवता छथि
- (D) ओ आधुनिक मैथिली समाजक कर्मशील नायक छथि

४०१. चन्द्रमाक पहचानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महेशक माता
- (B) राजदरबारक मंत्री
- (C) दूरक गायिका
- (D) इंजीनियर उमानाथक पत्नी

४०२. चन्द्रमाक पहचान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) दूरक गायिका
- (B) राजदरबारक मंत्री
- (C) इंजीनियर उमानाथक पत्नी
- (D) महेशक माता

४०३. चन्द्रमाक पहचानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजदरबारक मंत्री
- (B) महेशक माता
- (C) इंजीनियर उमानाथक पत्नी
- (D) दूरक गायिका

४०४. चन्द्रमाक पहचान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) महेशक माता
- (B) इंजीनियर उमानाथक पत्नी
- (C) दूरक गायिका
- (D) राजदरबारक मंत्री

४०५. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमाक पहचानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दूरक गायिका
- (B) महेशक माता
- (C) राजदरबारक मंत्री
- (D) इंजीनियर उमानाथक पत्नी

४०६. उमानाथक पेशागत पहचानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पुरोहित
- (B) सैनिक
- (C) इंजीनियर
- (D) कवि-मात्र

४०७. उमानाथक पेशागत पहचान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) इंजीनियर
- (B) पुरोहित
- (C) कवि-मात्र
- (D) सैनिक

४०८. उमानाथक पेशागत पहचानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कवि-मात्र
- (B) इंजीनियर
- (C) पुरोहित
- (D) सैनिक

४०९. उमानाथक पेशागत पहचान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पुरोहित
- (B) कवि-मात्र
- (C) सैनिक
- (D) इंजीनियर

४१०. परीक्षा-दृष्टिसँ उमानाथक पेशागत पहचानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सैनिक
- (B) इंजीनियर
- (C) पुरोहित
- (D) कवि-मात्र

४११. चन्द्रमा महेशक दुकानपर की देखैत छथि मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महेश राजतिलक करैत छथि
- (B) पुकार भेलापर महेश कवितापाठ लेल जाएत छथि
- (C) महेश गाछ रोपैत छथि
- (D) महेश युद्ध करैत छथि

४१२. चन्द्रमा महेशक दुकानपर की देखैत छथि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पुकार भेलापर महेश कवितापाठ लेल जाएत छथि
- (B) महेश युद्ध करैत छथि
- (C) महेश राजतिलक करैत छथि
- (D) महेश गाछ रोपैत छथि

४१३. चन्द्रमा महेशक दुकानपर की देखैत छथि अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पुकार भेलापर महेश कवितापाठ लेल जाएत छथि
- (B) महेश युद्ध करैत छथि
- (C) महेश गाछ रोपैत छथि
- (D) महेश राजतिलक करैत छथि

४१४. चन्द्रमा महेशक दुकानपर की देखैत छथि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) महेश युद्ध करैत छथि
- (B) महेश राजतिलक करैत छथि
- (C) पुकार भेलापर महेश कवितापाठ लेल जाएत छथि
- (D) महेश गाछ रोपैत छथि

४१५. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा महेशक दुकानपर की देखैत छथि सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पुकार भेलापर महेश कवितापाठ लेल जाएत छथि
- (B) महेश युद्ध करैत छथि
- (C) महेश राजतिलक करैत छथि
- (D) महेश गाछ रोपैत छथि

४१६. महेश गेलापर चन्द्रमा की करैत छथि मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दोकान तोड़ि दैत छथि
- (B) राजा बनि जाइत छथि
- (C) सभा छोड़ि भागैत छथि
- (D) चाय बेचए लगैत छथि

४१७. महेश गेलापर चन्द्रमा की करैत छथि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चाय बेचए लगैत छथि
- (B) राजा बनि जाइत छथि
- (C) सभा छोड़ि भागैत छथि
- (D) दोकान तोड़ि दैत छथि

४१८. महेश गेलापर चन्द्रमा की करैत छथि अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चाय बेचए लगैत छथि
- (B) राजा बनि जाइत छथि
- (C) दोकान तोड़ि दैत छथि
- (D) सभा छोड़ि भागैत छथि

४१९. महेश गेलापर चन्द्रमा की करैत छथि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजा बनि जाइत छथि
- (B) दोकान तोड़ि दैत छथि
- (C) चाय बेचए लगैत छथि
- (D) सभा छोड़ि भागैत छथि

४२०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेश गेलापर चन्द्रमा की करैत छथि सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दोकान तोड़ि दैत छथि
- (B) सभा छोड़ि भागैत छथि
- (C) राजा बनि जाइत छथि
- (D) चाय बेचए लगैत छथि

४२१. उमानाथक प्रतिक्रियाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) ओ पूर्ण प्रसन्न भऽ जाइत छथि
- (B) ओ अदृश्य भऽ जाइत छथि
- (C) ओ तमसा जाइत छथि
- (D) ओ गीत लिखैत छथि

४२२. उमानाथक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) ओ तमसा जाइत छथि
- (B) ओ पूर्ण प्रसन्न भऽ जाइत छथि
- (C) ओ अदृश्य भऽ जाइत छथि
- (D) ओ गीत लिखैत छथि

४२३. उमानाथक प्रतिक्रियाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ओ पूर्ण प्रसन्न भऽ जाइत छथि
- (B) ओ अदृश्य भऽ जाइत छथि
- (C) ओ तमसा जाइत छथि
- (D) ओ गीत लिखैत छथि

४२४. उमानाथक प्रतिक्रिया सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) ओ तमसा जाइत छथि
- (B) ओ पूर्ण प्रसन्न भऽ जाइत छथि
- (C) ओ गीत लिखैत छथि
- (D) ओ अदृश्य भऽ जाइत छथि

४२५. परीक्षा-दृष्टिसे उमानाथक प्रतिक्रियाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) ओ अदृश्य भऽ जाइत छथि
- (B) ओ तमसा जाइत छथि
- (C) ओ गीत लिखैत छथि
- (D) ओ पूर्ण प्रसन्न भऽ जाइत छथि

४२६. सरिताक परिचयक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महेशक शत्रु सेनापति
- (B) महेशक संगी आ प्रशासनिक सेवाक अधिकारीक पत्नी
- (C) उमानाथक गुरु
- (D) चाय-दोकानक कर-वसूलकर्ता

४२७. सरिताक परिचय पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) महेशक शत्रु सेनापति
- (B) उमानाथक गुरु
- (C) महेशक संगी आ प्रशासनिक सेवाक अधिकारीक पत्नी
- (D) चाय-दोकानक कर-वसूलकर्ता

४२८. सरिताक परिचयक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महेशक संगी आ प्रशासनिक सेवाक अधिकारीक पत्नी
- (B) महेशक शत्रु सेनापति
- (C) उमानाथक गुरु
- (D) चाय-दोकानक कर-वसूलकर्ता

४२९. सरिताक परिचय सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) महेशक संगी आ प्रशासनिक सेवाक अधिकारीक पत्नी
- (B) चाय-दोकानक कर-वसूलकर्ता
- (C) उमानाथक गुरु
- (D) महेशक शत्रु सेनापति

४३०. परीक्षा-दृष्टिसे सरिताक परिचयक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महेशक शत्रु सेनापति
- (B) उमानाथक गुरु
- (C) चाय-दोकानक कर-वसूलकर्ता
- (D) महेशक संगी आ प्रशासनिक सेवाक अधिकारीक पत्नी

४३१. चन्द्रमा पात्रक महत्त्वक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल देववाणी
- (B) केवल दृश्य-सजावट
- (C) केवल मौन पात्र
- (D) कामक मर्यादा पर स्त्री-दृष्टिक संकेत

४३२. चन्द्रमा पात्रक महत्त्व पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल देववाणी
- (B) केवल दृश्य-सजावट
- (C) केवल मौन पात्र
- (D) कामक मर्यादा पर स्त्री-दृष्टिक संकेत

४३३. चन्द्रमा पात्रक महत्त्वक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल मौन पात्र
- (B) केवल दृश्य-सजावट
- (C) कामक मर्यादा पर स्त्री-दृष्टिक संकेत
- (D) केवल देववाणी

४३४. चन्द्रमा पात्रक महत्त्व सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल मौन पात्र
- (B) केवल देववाणी
- (C) केवल दृश्य-सजावट
- (D) कामक मर्यादा पर स्त्री-दृष्टिक संकेत

४३५. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा पात्रक महत्त्वक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कामक मर्यादा पर स्त्री-दृष्टिक संकेत
- (B) केवल मौन पात्र
- (C) केवल दृश्य-सजावट
- (D) केवल देववाणी

४३६. उमानाथक तमसाहटक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मध्यवर्गीय प्रतिष्ठा-भाव आ पूर्वग्रह
- (B) कृषि-ज्ञान
- (C) प्रकृति-प्रेम
- (D) बाल-हर्ष

४३७. उमानाथक तमसाहट पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कृषि-ज्ञान
- (B) प्रकृति-प्रेम
- (C) मध्यवर्गीय प्रतिष्ठा-भाव आ पूर्वग्रह
- (D) बाल-हर्ष

४३८. उमानाथक तमसाहटक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कृषि-ज्ञान
- (B) प्रकृति-प्रेम
- (C) बाल-हर्ष
- (D) मध्यवर्गीय प्रतिष्ठा-भाव आ पूर्वग्रह

४३९. उमानाथक तमसाहट सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मध्यवर्गीय प्रतिष्ठा-भाव आ पूर्वग्रह
- (B) बाल-हर्ष
- (C) प्रकृति-प्रेम
- (D) कृषि-ज्ञान

४४०. परीक्षा-दृष्टिसँ उमानाथक तमसाहटक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) मध्यवर्गीय प्रतिष्ठा-भाव आ पूर्वग्रह
- (B) प्रकृति-प्रेम
- (C) बाल-हर्ष
- (D) कृषि-ज्ञान

४४१. सरिताक आगमनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महेशक सामाजिक सम्बन्ध आ अतीत खोलैत अछि
- (B) कथा समाप्त करैत अछि
- (C) मंच खाली करैत अछि
- (D) देवसभा बनबैत अछि

४४२. सरिताक आगमन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देवसभा बनबैत अछि
- (B) महेशक सामाजिक सम्बन्ध आ अतीत खोलैत अछि
- (C) मंच खाली करैत अछि
- (D) कथा समाप्त करैत अछि

४४३. सरिताक आगमनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवसभा बनबैत अछि
- (B) कथा समाप्त करैत अछि
- (C) मंच खाली करैत अछि
- (D) महेशक सामाजिक सम्बन्ध आ अतीत खोलैत अछि

४४४. सरिताक आगमन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) देवसभा बनबैत अछि
- (B) कथा समाप्त करैत अछि
- (C) महेशक सामाजिक सम्बन्ध आ अतीत खोलैत अछि
- (D) मंच खाली करैत अछि

४४५. परीक्षा-दृष्टिसँ सरिताक आगमनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महेशक सामाजिक सम्बन्ध आ अतीत खोलैत अछि
- (B) मंच खाली करैत अछि
- (C) देवसभा बनबैत अछि
- (D) कथा समाप्त करैत अछि

४४६. चन्द्रमा आ महेश प्रसंगक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अदृश्य रहब
- (B) पूर्ण निष्क्रियता
- (C) केवल विलाप
- (D) स्त्रीक सक्रिय हस्तक्षेप

४४७. चन्द्रमा आ महेश प्रसंग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पूर्ण निष्क्रियता
- (B) केवल विलाप
- (C) अदृश्य रहब
- (D) स्त्रीक सक्रिय हस्तक्षेप

४४८. चन्द्रमा आ महेश प्रसंगक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) स्त्रीक सक्रिय हस्तक्षेप
- (B) केवल विलाप
- (C) अदृश्य रहब
- (D) पूर्ण निष्क्रियता

४४९. चन्द्रमा आ महेश प्रसंग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) स्त्रीक सक्रिय हस्तक्षेप
- (B) अदृश्य रहब
- (C) केवल विलाप
- (D) पूर्ण निष्क्रियता

४५०. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा आ महेश प्रसंगक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण निष्क्रियता
- (B) केवल विलाप
- (C) अदृश्य रहब
- (D) स्त्रीक सक्रिय हस्तक्षेप

४५१. उमानाथक पात्र-कार्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वनक साधु
- (B) नदीक नाविक
- (C) प्रतिष्ठा-प्रधान समाजक प्रतिनिधि
- (D) लोकगीतक गवैया

४५२. उमानाथक पात्र-कार्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लोकगीतक गवैया
- (B) प्रतिष्ठा-प्रधान समाजक प्रतिनिधि
- (C) नदीक नाविक
- (D) वनक साधु

४५३. उमानाथक पात्र-कार्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) वनक साधु
- (B) लोकगीतक गवैया
- (C) नदीक नाविक
- (D) प्रतिष्ठा-प्रधान समाजक प्रतिनिधि

४५४. उमानाथक पात्र-कार्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वनक साधु
- (B) लोकगीतक गवैया
- (C) नदीक नाविक
- (D) प्रतिष्ठा-प्रधान समाजक प्रतिनिधि

४५५. परीक्षा-दृष्टिसँ उमानाथक पात्र-कार्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) लोकगीतक गवैया
- (B) नदीक नाविक
- (C) प्रतिष्ठा-प्रधान समाजक प्रतिनिधि
- (D) वनक साधु

४५६. सरिता आ वर्ग-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पशु-पक्षी सूची
- (B) चित्र-रंग
- (C) वैदिक मंत्र
- (D) उच्च सामाजिक स्थिति आ महेशक श्रमक आमना-सामना

४५७. सरिता आ वर्ग-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वैदिक मंत्र
- (B) पशु-पक्षी सूची
- (C) उच्च सामाजिक स्थिति आ महेशक श्रमक आमना-सामना
- (D) चित्र-रंग

४५८. सरिता आ वर्ग-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चित्र-रंग
- (B) उच्च सामाजिक स्थिति आ महेशक श्रमक आमना-सामना
- (C) पशु-पक्षी सूची
- (D) वैदिक मंत्र

४५९. सरिता आ वर्ग-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वैदिक मंत्र
- (B) पशु-पक्षी सूची
- (C) चित्र-रंग
- (D) उच्च सामाजिक स्थिति आ महेशक श्रमक आमना-सामना

४६०. परीक्षा-दृष्टिसँ सरिता आ वर्ग-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वैदिक मंत्र
- (B) पशु-पक्षी सूची
- (C) चित्र-रंग
- (D) उच्च सामाजिक स्थिति आ महेशक श्रमक आमना-सामना

४६१. चन्द्रमा पात्रक नाटकीय प्रभावक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पात्र हटायब
- (B) दृश्य स्थिर राखब
- (C) दोकानक दृश्यकेँ उलटि देनाइ
- (D) वृत्तान्त रोकब

४६२. चन्द्रमा पात्रक नाटकीय प्रभाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वृत्तान्त रोकब
- (B) दृश्य स्थिर राखब
- (C) पात्र हटायब
- (D) दोकानक दृश्यकेँ उलटि देनाइ

४६३. चन्द्रमा पात्रक नाटकीय प्रभावक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दृश्य स्थिर राखब
- (B) पात्र हटायब
- (C) दोकानक दृश्यकेँ उलटि देनाइ
- (D) वृत्तान्त रोकब

४६४. चन्द्रमा पात्रक नाटकीय प्रभाव सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दोकानक दृश्यकेँ उलटि देनाइ
- (B) पात्र हटायब
- (C) दृश्य स्थिर राखब
- (D) वृत्तान्त रोकब

४६५. परीक्षा-दृष्टिसे चन्द्रमा पात्रक नाटकीय प्रभावक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वृत्तान्त रोकब
- (B) दोकानक दृश्यकेँ उलटि देनाइ
- (C) दृश्य स्थिर राखब
- (D) पात्र हटायब

४६६. उमानाथ आ चन्द्रमा सम्बन्धक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) घरेलू प्रतिष्ठा बनाम मानवीय कर्म
- (B) देव-असुर संवाद
- (C) राजा-प्रजा सम्बन्ध
- (D) गुरु-शिष्य युद्ध

४६७. उमानाथ आ चन्द्रमा सम्बन्ध पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राजा-प्रजा सम्बन्ध
- (B) देव-असुर संवाद
- (C) घरेलू प्रतिष्ठा बनाम मानवीय कर्म
- (D) गुरु-शिष्य युद्ध

४६८. उमानाथ आ चन्द्रमा सम्बन्धक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) घरेलू प्रतिष्ठा बनाम मानवीय कर्म
- (B) गुरु-शिष्य युद्ध
- (C) देव-असुर संवाद
- (D) राजा-प्रजा सम्बन्ध

४६९. उमानाथ आ चन्द्रमा सम्बन्ध सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) देव-असुर संवाद
- (B) घरेलू प्रतिष्ठा बनाम मानवीय कर्म
- (C) राजा-प्रजा सम्बन्ध
- (D) गुरु-शिष्य युद्ध

४७०. परीक्षा-दृष्टिसे उमानाथ आ चन्द्रमा सम्बन्धक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) गुरु-शिष्य युद्ध
- (B) घरेलू प्रतिष्ठा बनाम मानवीय कर्म
- (C) राजा-प्रजा सम्बन्ध
- (D) देव-असुर संवाद

४७१. सरिताक चरित्र-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मुख्य खलनायक
- (B) युद्ध-घोषक
- (C) महेशक जीवनक बाहरी सामाजिक साक्षी
- (D) मौन प्रतीक

४७२. सरिताक चरित्र-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) महेशक जीवनक बाहरी सामाजिक साक्षी
- (B) युद्ध-घोषक
- (C) मौन प्रतीक
- (D) मुख्य खलनायक

४७३. सरिताक चरित्र-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महेशक जीवनक बाहरी सामाजिक साक्षी
- (B) मौन प्रतीक
- (C) मुख्य खलनायक
- (D) युद्ध-घोषक

४७४. सरिताक चरित्र-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मौन प्रतीक
- (B) महेशक जीवनक बाहरी सामाजिक साक्षी
- (C) युद्ध-घोषक
- (D) मुख्य खलनायक

४७५. परीक्षा-दृष्टिसँ सरिताक चरित्र-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) मुख्य खलनायक
- (B) महेशक जीवनक बाहरी सामाजिक साक्षी
- (C) मौन प्रतीक
- (D) युद्ध-घोषक

४७६. चन्द्रमाक चाय बेचबक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कामक लिंग-बाँट पर प्रश्न
- (B) देवाज्ञा
- (C) केवल हास्यास्पद चूक
- (D) असम्भव चमत्कार

४७७. चन्द्रमाक चाय बेचब पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) असम्भव चमत्कार
- (B) केवल हास्यास्पद चूक
- (C) देवाज्ञा
- (D) कामक लिंग-बाँट पर प्रश्न

४७८. चन्द्रमाक चाय बेचबक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवाज्ञा
- (B) केवल हास्यास्पद चूक
- (C) असम्भव चमत्कार
- (D) कामक लिंग-बाँट पर प्रश्न

४७९. चन्द्रमाक चाय बेचब सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कामक लिंग-बाँट पर प्रश्न
- (B) देवाज्ञा
- (C) केवल हास्यास्पद चूक
- (D) असम्भव चमत्कार

४८०. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमाक चाय बेचबक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कामक लिंग-बाँट पर प्रश्न
- (B) केवल हास्यास्पद चूक
- (C) देवाज्ञा
- (D) असम्भव चमत्कार

४८१. उमानाथक क्रोधक आलोचनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लोक-उत्सव
- (B) श्रमक अपमान करैत प्रतिष्ठा-चिन्ता
- (C) श्रमक पूर्ण सम्मान
- (D) कविताक आनन्द

४८२. उमानाथक क्रोधक आलोचना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) श्रमक पूर्ण सम्मान
- (B) लोक-उत्सव
- (C) श्रमक अपमान करैत प्रतिष्ठा-चिन्ता
- (D) कविताक आनन्द

४८३. उमानाथक क्रोधक आलोचनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कविताक आनन्द
- (B) लोक-उत्सव
- (C) श्रमक पूर्ण सम्मान
- (D) श्रमक अपमान करैत प्रतिष्ठा-चिन्ता

४८४. उमानाथक क्रोधक आलोचना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) श्रमक अपमान करैत प्रतिष्ठा-चिन्ता
- (B) लोक-उत्सव
- (C) श्रमक पूर्ण सम्मान
- (D) कविताक आनन्द

४८५. परीक्षा-दृष्टिसँ उमानाथक क्रोधक आलोचनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) श्रमक अपमान करैत प्रतिष्ठा-चिन्ता
- (B) कविताक आनन्द
- (C) लोक-उत्सव
- (D) श्रमक पूर्ण सम्मान

४८६. पात्र-सम्बन्धक केन्द्रक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल गुरु-शिष्य
- (B) केवल देव-दानव
- (C) केवल राजा-रानी
- (D) महेश, चन्द्रमा, उमानाथ आ सरिताक बीच सामाजिक तनाव

४८७. पात्र-सम्बन्धक केन्द्र पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल देव-दानव
- (B) केवल गुरु-शिष्य
- (C) महेश, चन्द्रमा, उमानाथ आ सरिताक बीच सामाजिक तनाव
- (D) केवल राजा-रानी

४८८. पात्र-सम्बन्धक केन्द्रक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महेश, चन्द्रमा, उमानाथ आ सरिताक बीच सामाजिक तनाव
- (B) केवल गुरु-शिष्य
- (C) केवल राजा-रानी
- (D) केवल देव-दानव

४८९. पात्र-सम्बन्धक केन्द्र सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल राजा-रानी
- (B) महेश, चन्द्रमा, उमानाथ आ सरिताक बीच सामाजिक तनाव
- (C) केवल देव-दानव
- (D) केवल गुरु-शिष्य

४९०. परीक्षा-दृष्टिसँ पात्र-सम्बन्धक केन्द्रक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महेश, चन्द्रमा, उमानाथ आ सरिताक बीच सामाजिक तनाव
- (B) केवल देव-दानव
- (C) केवल राजा-रानी
- (D) केवल गुरु-शिष्य

४९१. चन्द्रमा प्रसंगक परीक्षा-अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पोशाक-वर्णन
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) केवल मंच-सज्जा
- (D) नाटकमे स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ समाज-दृष्टि

४९२. चन्द्रमा प्रसंगक परीक्षा-अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पोशाक-वर्णन
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) नाटकमे स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ समाज-दृष्टि
- (D) केवल मंच-सज्जा

४९३. चन्द्रमा प्रसंगक परीक्षा-अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल मंच-सज्जा
- (B) केवल नाम-स्मरण
- (C) नाटकमे स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ समाज-दृष्टि
- (D) केवल पोशाक-वर्णन

४९४. चन्द्रमा प्रसंगक परीक्षा-अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पोशाक-वर्णन
- (B) केवल मंच-सज्जा
- (C) केवल नाम-स्मरण
- (D) नाटकमे स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ समाज-दृष्टि

४९५. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा प्रसंगक परीक्षा-अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पोशाक-वर्णन
- (B) केवल मंच-सज्जा
- (C) नाटकमे स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ समाज-दृष्टि
- (D) केवल नाम-स्मरण

४९६. सरिता प्रसंगक परीक्षा-अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) केवल नदी-नाप
- (C) वर्ग, स्मृति आ महेशक सामाजिक स्थिति
- (D) केवल राग-ताल

४९७. सरिता प्रसंगक परीक्षा-अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल राग-ताल
- (B) वर्ग, स्मृति आ महेशक सामाजिक स्थिति
- (C) केवल नदी-नाप
- (D) केवल वर्णमाला

४९८. सरिता प्रसंगक परीक्षा-अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल नदी-नाप
- (B) केवल वर्णमाला
- (C) वर्ग, स्मृति आ महेशक सामाजिक स्थिति
- (D) केवल राग-ताल

४९९. सरिता प्रसंगक परीक्षा-अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल राग-ताल
- (B) वर्ग, स्मृति आ महेशक सामाजिक स्थिति
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) केवल नदी-नाप

५००. परीक्षा-दृष्टिसँ सरिता प्रसंगक परीक्षा-अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) केवल नदी-नाप
- (C) वर्ग, स्मृति आ महेशक सामाजिक स्थिति
- (D) केवल राग-ताल

s6

५०१. नाटकक मुख्य आर्थिक समस्याक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजसी कर-वसूली
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) शिक्षित बेरोजगारी
- (D) वन-संपदा

५०२. नाटकक मुख्य आर्थिक समस्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शिक्षित बेरोजगारी
- (B) वन-संपदा
- (C) राजसी कर-वसूली
- (D) समुद्री व्यापार

५०३. नाटकक मुख्य आर्थिक समस्याक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजसी कर-वसूली
- (B) वन-संपदा
- (C) शिक्षित बेरोजगारी
- (D) समुद्री व्यापार

५०४. नाटकक मुख्य आर्थिक समस्या सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजसी कर-वसूली
- (B) वन-संपदा
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) शिक्षित बेरोजगारी

५०५. परीक्षा-दृष्टिसे नाटकक मुख्य आर्थिक समस्याक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वन-संपदा
- (B) राजसी कर-वसूली
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) शिक्षित बेरोजगारी

५०६. महेशक स्वावलम्बनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दूसरक धन लूटब
- (B) काम छोड़ि भीख माँगब
- (C) घरेलू दासता स्वीकारब
- (D) चाय-दोकान खोलि अपन श्रमसे जीब

५०७. महेशक स्वावलम्बन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) दूसरक धन लूटब
- (B) घरेलू दासता स्वीकारब
- (C) काम छोड़ि भीख माँगब
- (D) चाय-दोकान खोलि अपन श्रमसे जीब

५०८. महेशक स्वावलम्बनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) घरेलू दासता स्वीकारब
- (B) चाय-दोकान खोलि अपन श्रमसे जीब
- (C) दूसरक धन लूटब
- (D) काम छोड़ि भीख माँगब

५०९. महेशक स्वावलम्बन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) चाय-दोकान खोलि अपन श्रमसे जीब
- (B) घरेलू दासता स्वीकारब
- (C) काम छोड़ि भीख माँगब
- (D) दूसरक धन लूटब

५१०. परीक्षा-दृष्टिसे महेशक स्वावलम्बनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) घरेलू दासता स्वीकारब
- (B) दूसरक धन लूटब
- (C) काम छोड़ि भीख माँगब
- (D) चाय-दोकान खोलि अपन श्रमसे जीब

५११. कामक मर्यादाक प्रश्नक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चाय बेचब अपमान मात्र
- (B) कोनो श्रम छोट नहि होइत
- (C) श्रम वर्गानुसार नीच होइत
- (D) केवल पदक महत्त्व

५१२. कामक मर्यादाक प्रश्न पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चाय बेचब अपमान मात्र
- (B) श्रम वर्गानुसार नीच होइत
- (C) केवल पदक महत्त्व
- (D) कोनो श्रम छोट नहि होइत

५१३. कामक मर्यादाक प्रश्नक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चाय बेचब अपमान मात्र
- (B) केवल पदक महत्त्व
- (C) श्रम वर्गानुसार नीच होइत
- (D) कोनो श्रम छोट नहि होइत

५१४. कामक मर्यादाक प्रश्न सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) श्रम वर्गानुसार नीच होइत
- (B) कोनो श्रम छोट नहि होइत
- (C) केवल पदक महत्त्व
- (D) चाय बेचब अपमान मात्र

५१५. परीक्षा-दृष्टिसँ कामक मर्यादाक प्रश्नक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पदक महत्त्व
- (B) कोनो श्रम छोट नहि होइत
- (C) श्रम वर्गानुसार नीच होइत
- (D) चाय बेचब अपमान मात्र

५१६. समाजक पूर्वग्रहक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कामक स्वतंत्र चयनक स्वागत
- (B) श्रमक उत्सव
- (C) शिक्षित व्यक्तिक हाथक कामकें हीन बुझब
- (D) सभ कामक समान सम्मान

५१७. समाजक पूर्वग्रह पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) श्रमक उत्सव
- (B) सभ कामक समान सम्मान
- (C) शिक्षित व्यक्तिक हाथक कामकें हीन बुझब
- (D) कामक स्वतंत्र चयनक स्वागत

५१८. समाजक पूर्वग्रहक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शिक्षित व्यक्तिक हाथक कामकें हीन बुझब
- (B) कामक स्वतंत्र चयनक स्वागत
- (C) सभ कामक समान सम्मान
- (D) श्रमक उत्सव

५१९. समाजक पूर्वग्रह सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) शिक्षित व्यक्तिक हाथक कामकें हीन बुझब
- (B) श्रमक उत्सव
- (C) कामक स्वतंत्र चयनक स्वागत
- (D) सभ कामक समान सम्मान

५२०. परीक्षा-दृष्टिसँ समाजक पूर्वग्रहक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सभ कामक समान सम्मान
- (B) शिक्षित व्यक्तिक हाथक कामकें हीन बुझब
- (C) कामक स्वतंत्र चयनक स्वागत
- (D) श्रमक उत्सव

५२१. स्वाभिमानक आधारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अपन कमाइक श्रम
- (B) वंशक घमण्ड
- (C) झूठा पद
- (D) दूसरक सहारा

५२२. स्वाभिमानक आधार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) झूठा पद
- (B) वंशक घमण्ड
- (C) अपन कमाइक श्रम
- (D) दूसरक सहारा

५२३. स्वाभिमानक आधारक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अपन कमाइक श्रम
- (B) दूसरक सहारा
- (C) झूठा पद
- (D) वंशक घमण्ड

५२४. स्वाभिमानक आधार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) झूठा पद
- (B) अपन कमाइक श्रम
- (C) वंशक घमण्ड
- (D) दूसरक सहारा

५२५. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वाभिमानक आधारक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) वंशक घमण्ड
- (B) झूठा पद
- (C) अपन कमाइक श्रम
- (D) दूसरक सहारा

५२६. अर्थनीतिक दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल देवकथा
- (B) केवल ऋतु-गीत
- (C) रोजगार, प्रतिस्पर्धा आ जीविका-संकट
- (D) केवल युद्ध-नाद

५२७. अर्थनीतिक दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल देवकथा
- (B) रोजगार, प्रतिस्पर्धा आ जीविका-संकट
- (C) केवल ऋतु-गीत
- (D) केवल युद्ध-नाद

५२८. अर्थनीतिक दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल ऋतु-गीत
- (B) केवल देवकथा
- (C) केवल युद्ध-नाद
- (D) रोजगार, प्रतिस्पर्धा आ जीविका-संकट

५२९. अर्थनीतिक दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल युद्ध-नाद
- (B) रोजगार, प्रतिस्पर्धा आ जीविका-संकट
- (C) केवल देवकथा
- (D) केवल ऋतु-गीत

५३०. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थनीतिक दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) रोजगार, प्रतिस्पर्धा आ जीविका-संकट
- (B) केवल देवकथा
- (C) केवल युद्ध-नाद
- (D) केवल ऋतु-गीत

५३१. मध्यवर्गीय समस्याक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) प्रतिष्ठा आ आजीविकाक टकराव
- (B) केवल राजगद्दी
- (C) केवल पूजा-विधान
- (D) केवल वनवास

५३२. मध्यवर्गीय समस्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) प्रतिष्ठा आ आजीविकाक टकराव
- (B) केवल वनवास
- (C) केवल राजगद्दी
- (D) केवल पूजा-विधान

५३३. मध्यवर्गीय समस्याक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल राजगद्दी
- (B) केवल पूजा-विधान
- (C) प्रतिष्ठा आ आजीविकाक टकराव
- (D) केवल वनवास

५३४. मध्यवर्गीय समस्या सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) प्रतिष्ठा आ आजीविकाक टकराव
- (B) केवल राजगद्दी
- (C) केवल वनवास
- (D) केवल पूजा-विधान

५३५. परीक्षा-दृष्टिसँ मध्यवर्गीय समस्याक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वनवास
- (B) केवल पूजा-विधान
- (C) केवल राजगद्दी
- (D) प्रतिष्ठा आ आजीविकाक टकराव

५३६. महेशक असफलताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) देवक शाप
- (B) प्रतिस्पर्धी रोजगार-व्यवस्थामे स्थान नहि भेटब
- (C) राजदरबारक षड्यंत्र
- (D) युद्धमे हार

५३७. महेशक असफलता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) प्रतिस्पर्धी रोजगार-व्यवस्थामे स्थान नहि भेटब
- (B) युद्धमे हार
- (C) देवक शाप
- (D) राजदरबारक षड्यंत्र

५३८. महेशक असफलताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवक शाप
- (B) राजदरबारक षड्यंत्र
- (C) युद्धमे हार
- (D) प्रतिस्पर्धी रोजगार-व्यवस्थामे स्थान नहि भेटब

५३९. महेशक असफलता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) युद्धमे हार
- (B) देवक शाप
- (C) प्रतिस्पर्धी रोजगार-व्यवस्थामे स्थान नहि भेटब
- (D) राजदरबारक षड्यंत्र

५४०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक असफलताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवक शाप
- (B) युद्धमे हार
- (C) राजदरबारक षड्यंत्र
- (D) प्रतिस्पर्धी रोजगार-व्यवस्थामे स्थान नहि भेटब

५४१. नाटकक संदेशक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भोजन बेचब सदैव अपमान
- (B) कामक आधार पर मनुष्यकेँ नीच नहि मानबाक चाही
- (C) काम छोड़ि प्रतिष्ठा राखू
- (D) श्रमक कोई मूल्य नहि

५४२. नाटकक संदेश पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) काम छोड़ि प्रतिष्ठा राखू
- (B) श्रमक कोई मूल्य नहि
- (C) भोजन बेचब सदैव अपमान
- (D) कामक आधार पर मनुष्यकेँ नीच नहि मानबाक चाही

५४३. नाटकक संदेशक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) काम छोड़ि प्रतिष्ठा राखू
- (B) कामक आधार पर मनुष्यकेँ नीच नहि मानबाक चाही
- (C) भोजन बेचब सदैव अपमान
- (D) श्रमक कोई मूल्य नहि

५४४. नाटकक संदेश सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) श्रमक कोई मूल्य नहि
- (B) कामक आधार पर मनुष्यकेँ नीच नहि मानबाक चाही
- (C) भोजन बेचब सदैव अपमान
- (D) काम छोड़ि प्रतिष्ठा राखू

५४५. परीक्षा-दृष्टिसे नाटकक संदेशक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) काम छोड़ि प्रतिष्ठा राखू
- (B) भोजन बेचब सदैव अपमान
- (C) श्रमक कोई मूल्य नहि
- (D) कामक आधार पर मनुष्यके नीच नहि मानबाक चाही

५४६. चाय-दोकानक आर्थिक अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अनुष्ठान-स्थल
- (B) स्वावलम्बनक छोट मुदा गरिमामय उद्यम
- (C) सत्ता-कक्ष
- (D) युद्ध-शिविर

५४७. चाय-दोकानक आर्थिक अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अनुष्ठान-स्थल
- (B) सत्ता-कक्ष
- (C) स्वावलम्बनक छोट मुदा गरिमामय उद्यम
- (D) युद्ध-शिविर

५४८. चाय-दोकानक आर्थिक अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) स्वावलम्बनक छोट मुदा गरिमामय उद्यम
- (B) युद्ध-शिविर
- (C) अनुष्ठान-स्थल
- (D) सत्ता-कक्ष

५४९. चाय-दोकानक आर्थिक अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) अनुष्ठान-स्थल
- (B) स्वावलम्बनक छोट मुदा गरिमामय उद्यम
- (C) सत्ता-कक्ष
- (D) युद्ध-शिविर

५५०. परीक्षा-दृष्टिसे चाय-दोकानक आर्थिक अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) स्वावलम्बनक छोट मुदा गरिमामय उद्यम
- (B) सत्ता-कक्ष
- (C) युद्ध-शिविर
- (D) अनुष्ठान-स्थल

५५१. बेरोजगारीक नाटकीय चित्रणक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल हँसी
- (B) केवल गीत
- (C) व्यक्ति आ समाज दुनू पर दबाव
- (D) केवल खेल

५५२. बेरोजगारीक नाटकीय चित्रण पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) व्यक्ति आ समाज दुनू पर दबाव
- (B) केवल हँसी
- (C) केवल खेल
- (D) केवल गीत

५५३. बेरोजगारीक नाटकीय चित्रणक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल गीत
- (B) व्यक्ति आ समाज दुनू पर दबाव
- (C) केवल हँसी
- (D) केवल खेल

५५४. बेरोजगारीक नाटकीय चित्रण सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल गीत
- (C) केवल हँसी
- (D) व्यक्ति आ समाज दुनू पर दबाव

५५५. परीक्षा-दृष्टिसँ बेरोजगारीक नाटकीय चित्रणक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गीत
- (B) केवल हँसी
- (C) व्यक्ति आ समाज दुनू पर दबाव
- (D) केवल खेल

५५६. श्रम आ शिक्षाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शिक्षा केवल पद लेल
- (B) शिक्षा श्रमकें हीन नहि बनबैत
- (C) शिक्षित लोक हाथक काम नहि करए
- (D) काम केवल अशिक्षितक

५५७. श्रम आ शिक्षा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शिक्षित लोक हाथक काम नहि करए
- (B) शिक्षा केवल पद लेल
- (C) काम केवल अशिक्षितक
- (D) शिक्षा श्रमकें हीन नहि बनबैत

५५८. श्रम आ शिक्षाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शिक्षित लोक हाथक काम नहि करए
- (B) काम केवल अशिक्षितक
- (C) शिक्षा केवल पद लेल
- (D) शिक्षा श्रमकें हीन नहि बनबैत

५५९. श्रम आ शिक्षा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) काम केवल अशिक्षितक
- (B) शिक्षा केवल पद लेल
- (C) शिक्षित लोक हाथक काम नहि करए
- (D) शिक्षा श्रमकें हीन नहि बनबैत

५६०. परीक्षा-दृष्टिसँ श्रम आ शिक्षाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शिक्षा केवल पद लेल
- (B) काम केवल अशिक्षितक
- (C) शिक्षा श्रमकें हीन नहि बनबैत
- (D) शिक्षित लोक हाथक काम नहि करए

५६१. आत्मनिर्भरताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अपन जीवनक डोरी अपने पकड़ब
- (B) सामाजिक पलायन
- (C) अपूर्ण परनिर्भरता
- (D) कपटपूर्ण प्रतिष्ठा

५६२. आत्मनिर्भरता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कपटपूर्ण प्रतिष्ठा
- (B) सामाजिक पलायन
- (C) अपन जीवनक डोरी अपने पकड़ब
- (D) अपूर्ण परनिर्भरता

५६३. आत्मनिर्भरताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कपटपूर्ण प्रतिष्ठा
- (B) अपूर्ण परनिर्भरता
- (C) सामाजिक पलायन
- (D) अपन जीवनक डोरी अपने पकड़ब

५६४. आत्मनिर्भरता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सामाजिक पलायन
- (B) कपटपूर्ण प्रतिष्ठा
- (C) अपूर्ण परनिर्भरता
- (D) अपन जीवनक डोरी अपने पकड़ब

५६५. परीक्षा-दृष्टिसँ आत्मनिर्भरताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अपन जीवनक डोरी अपने पकड़ब
- (B) अपूर्ण परनिर्भरता
- (C) सामाजिक पलायन
- (D) कपटपूर्ण प्रतिष्ठा

५६६. समाज-दृष्टिक आलोचनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वंशकेँ श्रमसँ ऊपर मानब
- (B) धनकेँ चरित्र मानब
- (C) कामक मर्यादाकेँ प्रतिष्ठासँ अलग करब
- (D) दिखावाकेँ सत्य मानब

५६७. समाज-दृष्टिक आलोचना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) धनकेँ चरित्र मानब
- (B) कामक मर्यादाकेँ प्रतिष्ठासँ अलग करब
- (C) वंशकेँ श्रमसँ ऊपर मानब
- (D) दिखावाकेँ सत्य मानब

५६८. समाज-दृष्टिक आलोचनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कामक मर्यादाकेँ प्रतिष्ठासँ अलग करब
- (B) धनकेँ चरित्र मानब
- (C) दिखावाकेँ सत्य मानब
- (D) वंशकेँ श्रमसँ ऊपर मानब

५६९. समाज-दृष्टिक आलोचना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दिखावाकें सत्य मानब
- (B) धनकें चरित्र मानब
- (C) कामक मर्यादाकें प्रतिष्ठासँ अलग करब
- (D) वंशकें श्रमसँ ऊपर मानब

५७०. परीक्षा-दृष्टिसँ समाज-दृष्टिक आलोचनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कामक मर्यादाकें प्रतिष्ठासँ अलग करब
- (B) वंशकें श्रमसँ ऊपर मानब
- (C) दिखावाकें सत्य मानब
- (D) धनकें चरित्र मानब

५७१. अर्थनीति आ मर्मक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) जीवनमे श्रमक स्थान नहि
- (B) आर्थिक प्रश्न केवल आँकड़ा अछि
- (C) रोजी-रोटी साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) रोजी-रोटीक प्रश्न मनुष्यक भावनाकें प्रभावित करैत अछि

५७२. अर्थनीति आ मर्म पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) रोजी-रोटीक प्रश्न मनुष्यक भावनाकें प्रभावित करैत अछि
- (B) रोजी-रोटी साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) आर्थिक प्रश्न केवल आँकड़ा अछि
- (D) जीवनमे श्रमक स्थान नहि

५७३. अर्थनीति आ मर्मक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) आर्थिक प्रश्न केवल आँकड़ा अछि
- (B) रोजी-रोटीक प्रश्न मनुष्यक भावनाकें प्रभावित करैत अछि
- (C) जीवनमे श्रमक स्थान नहि
- (D) रोजी-रोटी साहित्यसँ बाहर अछि

५७४. अर्थनीति आ मर्म सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) आर्थिक प्रश्न केवल आँकड़ा अछि
- (B) जीवनमे श्रमक स्थान नहि
- (C) रोजी-रोटी साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) रोजी-रोटीक प्रश्न मनुष्यक भावनाकें प्रभावित करैत अछि

५७५. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थनीति आ मर्मक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) रोजी-रोटी साहित्यसँ बाहर अछि
- (B) आर्थिक प्रश्न केवल आँकड़ा अछि
- (C) रोजी-रोटीक प्रश्न मनुष्यक भावनाकें प्रभावित करैत अछि
- (D) जीवनमे श्रमक स्थान नहि

५७६. महेशक कर्मठताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अवसरवादी बनब
- (B) दूसरकें दोष दऽ कऽ बैठब
- (C) पूर्ण निष्क्रिय रहब
- (D) अपमानक बावजूद काम करब

५७७. महेशक कर्मठता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अपमानक बावजूद काम करब
- (B) अवसरवादी बनब
- (C) पूर्ण निष्क्रिय रहब
- (D) दूसरकेँ दोष दऽ कऽ बैठब

५७८. महेशक कर्मठताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अपमानक बावजूद काम करब
- (B) दूसरकेँ दोष दऽ कऽ बैठब
- (C) पूर्ण निष्क्रिय रहब
- (D) अवसरवादी बनब

५७९. महेशक कर्मठता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) अवसरवादी बनब
- (B) दूसरकेँ दोष दऽ कऽ बैठब
- (C) पूर्ण निष्क्रिय रहब
- (D) अपमानक बावजूद काम करब

५८०. परीक्षा-दृष्टिसँ महेशक कर्मठताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण निष्क्रिय रहब
- (B) दूसरकेँ दोष दऽ कऽ बैठब
- (C) अपमानक बावजूद काम करब
- (D) अवसरवादी बनब

५८१. स्वावलम्बनक सामाजिक असरक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कथा समाप्त भऽ जाइत
- (B) दीर्घसूत्री दृष्टिकोणक लोक सेहो नतमस्तक होइत अछि
- (C) काम पूर्ण असफल रहैत
- (D) सभ लोक ओहिना अपमान करैत रहैत

५८२. स्वावलम्बनक सामाजिक असर पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सभ लोक ओहिना अपमान करैत रहैत
- (B) दीर्घसूत्री दृष्टिकोणक लोक सेहो नतमस्तक होइत अछि
- (C) काम पूर्ण असफल रहैत
- (D) कथा समाप्त भऽ जाइत

५८३. स्वावलम्बनक सामाजिक असरक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कथा समाप्त भऽ जाइत
- (B) काम पूर्ण असफल रहैत
- (C) दीर्घसूत्री दृष्टिकोणक लोक सेहो नतमस्तक होइत अछि
- (D) सभ लोक ओहिना अपमान करैत रहैत

५८४. स्वावलम्बनक सामाजिक असर सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दीर्घसूत्री दृष्टिकोणक लोक सेहो नतमस्तक होइत अछि
- (B) सभ लोक ओहिना अपमान करैत रहैत
- (C) कथा समाप्त भऽ जाइत
- (D) काम पूर्ण असफल रहैत

५८५. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वावलम्बनक सामाजिक असरक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दीर्घसूत्री दृष्टिकोणक लोक सेहो नतमस्तक होइत अछि
- (B) सभ लोक ओहिना अपमान करैत रहैत
- (C) कथा समाप्त भऽ जाइत
- (D) काम पूर्ण असफल रहैत

५८६. आर्थिक संघर्षक भाषाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग
- (B) देवता, वरदान आ शाप
- (C) महल, राजदण्ड आ सिंहासन
- (D) वन, धनुष आ युद्ध

५८७. आर्थिक संघर्षक भाषा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग
- (B) देवता, वरदान आ शाप
- (C) महल, राजदण्ड आ सिंहासन
- (D) वन, धनुष आ युद्ध

५८८. आर्थिक संघर्षक भाषाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महल, राजदण्ड आ सिंहासन
- (B) वन, धनुष आ युद्ध
- (C) देवता, वरदान आ शाप
- (D) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग

५८९. आर्थिक संघर्षक भाषा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वन, धनुष आ युद्ध
- (B) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग
- (C) महल, राजदण्ड आ सिंहासन
- (D) देवता, वरदान आ शाप

५९०. परीक्षा-दृष्टिसँ आर्थिक संघर्षक भाषाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महल, राजदण्ड आ सिंहासन
- (B) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग
- (C) वन, धनुष आ युद्ध
- (D) देवता, वरदान आ शाप

५९१. नाटकक अर्थनीतिक निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि
- (B) काम केवल मनोरंजन अछि
- (C) बेरोजगारी महत्त्वहीन अछि
- (D) अर्थनीति मंचपर न आए

५९२. नाटकक अर्थनीतिक निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अर्थनीति मंचपर न आए
- (B) काम केवल मनोरंजन अछि
- (C) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि
- (D) बेरोजगारी महत्त्वहीन अछि

५९३. नाटकक अर्थनीतिक निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) काम केवल मनोरंजन अछि
- (B) बेरोजगारी महत्त्वहीन अछि
- (C) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि
- (D) अर्थनीति मंचपर न आए

५९४. नाटकक अर्थनीतिक निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि
- (B) अर्थनीति मंचपर न आए
- (C) काम केवल मनोरंजन अछि
- (D) बेरोजगारी महत्त्वहीन अछि

५९५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक अर्थनीतिक निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि
- (B) बेरोजगारी महत्त्वहीन अछि
- (C) काम केवल मनोरंजन अछि
- (D) अर्थनीति मंचपर न आए

५९६. परीक्षा लेल उपयुक्त वाक्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भफाइट चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि
- (B) ई केवल पौराणिक युद्धक नाटक अछि
- (C) ई केवल बाल-खेलक कथा अछि
- (D) ई केवल प्रकृति-वर्णन अछि

५९७. परीक्षा लेल उपयुक्त वाक्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) ई केवल पौराणिक युद्धक नाटक अछि
- (B) ई केवल बाल-खेलक कथा अछि
- (C) भफाइट चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि
- (D) ई केवल प्रकृति-वर्णन अछि

५९८. परीक्षा लेल उपयुक्त वाक्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ई केवल पौराणिक युद्धक नाटक अछि
- (B) भफाइट चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि
- (C) ई केवल बाल-खेलक कथा अछि
- (D) ई केवल प्रकृति-वर्णन अछि

५९९. परीक्षा लेल उपयुक्त वाक्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) भफाइट चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि
- (B) ई केवल प्रकृति-वर्णन अछि
- (C) ई केवल पौराणिक युद्धक नाटक अछि
- (D) ई केवल बाल-खेलक कथा अछि

६००. परीक्षा-दृष्टिसँ परीक्षा लेल उपयुक्त वाक्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) ई केवल बाल-खेलक कथा अछि
- (B) ई केवल पौराणिक युद्धक नाटक अछि
- (C) भफाइट चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि
- (D) ई केवल प्रकृति-वर्णन अछि

६०१. नाटकक हास्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल
- (B) केवल युद्ध-शौर्य
- (C) केवल देव-लीला
- (D) केवल चुटकुला

६०२. नाटकक हास्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल युद्ध-शौर्य
- (B) केवल चुटकुला
- (C) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल
- (D) केवल देव-लीला

६०३. नाटकक हास्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल देव-लीला
- (B) केवल युद्ध-शौर्य
- (C) केवल चुटकुला
- (D) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल

६०४. नाटकक हास्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल युद्ध-शौर्य
- (B) केवल चुटकुला
- (C) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल
- (D) केवल देव-लीला

६०५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक हास्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल देव-लीला
- (B) केवल चुटकुला
- (C) केवल युद्ध-शौर्य
- (D) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल

६०६. हास्य आ मर्मक सम्बन्धक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल क्रूरता
- (B) केवल रहस्य
- (C) हँसीक भीतर कोनो अर्थ नहि
- (D) हँसीक भीतर पीड़ा

६०७. हास्य आ मर्मक सम्बन्ध पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) हँसीक भीतर पीड़ा
- (B) केवल रहस्य
- (C) केवल क्रूरता
- (D) हँसीक भीतर कोनो अर्थ नहि

६०८. हास्य आ मर्मक सम्बन्धक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) हँसीक भीतर कोनो अर्थ नहि
- (B) केवल क्रूरता
- (C) केवल रहस्य
- (D) हँसीक भीतर पीड़ा

६०९. हास्य आ मर्मक सम्बन्ध सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल रहस्य
- (B) हँसीक भीतर पीड़ा
- (C) केवल क्रूरता
- (D) हँसीक भीतर कोनो अर्थ नहि

६१०. परीक्षा-दृष्टिसँ हास्य आ मर्मक सम्बन्धक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल क्रूरता
- (B) केवल रहस्य
- (C) हँसीक भीतर पीड़ा
- (D) हँसीक भीतर कोनो अर्थ नहि

६११. व्यंग्यक लक्ष्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) प्रकृति
- (B) कामक अवमानना करयवला समाज
- (C) गणित
- (D) पक्षी

६१२. व्यंग्यक लक्ष्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) गणित
- (B) पक्षी
- (C) प्रकृति
- (D) कामक अवमानना करयवला समाज

६१३. व्यंग्यक लक्ष्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) गणित
- (B) प्रकृति
- (C) कामक अवमानना करयवला समाज
- (D) पक्षी

६१४. व्यंग्यक लक्ष्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पक्षी
- (B) गणित
- (C) प्रकृति
- (D) कामक अवमानना करयवला समाज

६१५. परीक्षा-दृष्टिसँ व्यंग्यक लक्ष्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) प्रकृति
- (B) पक्षी
- (C) कामक अवमानना करयवला समाज
- (D) गणित

६१६. चन्द्रमा प्रसंगक हास्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) युद्ध-घोष
- (C) पूर्ण शोक
- (D) प्रतिष्ठा-बोधक उलटफेर

६१७. चन्द्रमा प्रसंगक हास्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) युद्ध-घोष
- (B) अलौकिक चमत्कार
- (C) पूर्ण शोक
- (D) प्रतिष्ठा-बोधक उलटफेर

६१८. चन्द्रमा प्रसंगक हास्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) प्रतिष्ठा-बोधक उलटफेर
- (B) अलौकिक चमत्कार
- (C) युद्ध-घोष
- (D) पूर्ण शोक

६१९. चन्द्रमा प्रसंगक हास्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पूर्ण शोक
- (B) अलौकिक चमत्कार
- (C) प्रतिष्ठा-बोधक उलटफेर
- (D) युद्ध-घोष

६२०. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा प्रसंगक हास्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण शोक
- (B) युद्ध-घोष
- (C) अलौकिक चमत्कार
- (D) प्रतिष्ठा-बोधक उलटफेर

६२१. उमानाथक तमसाहटक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) आध्यात्मिक समाधि
- (B) बाल-क्रीड़ा
- (C) कवि-सम्मेलनक आनन्द
- (D) सामाजिक दंभक नाटकीय प्रदर्शन

६२२. उमानाथक तमसाहट पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) बाल-क्रीड़ा
- (B) सामाजिक दंभक नाटकीय प्रदर्शन
- (C) आध्यात्मिक समाधि
- (D) कवि-सम्मेलनक आनन्द

६२३. उमानाथक तमसाहटक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सामाजिक दंभक नाटकीय प्रदर्शन
- (B) आध्यात्मिक समाधि
- (C) कवि-सम्मेलनक आनन्द
- (D) बाल-क्रीड़ा

६२४. उमानाथक तमसाहट सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सामाजिक दंभक नाटकीय प्रदर्शन
- (B) आध्यात्मिक समाधि
- (C) बाल-क्रीड़ा
- (D) कवि-सम्मेलनक आनन्द

६२५. परीक्षा-दृष्टिसे उमानाथक तमसाहटक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) आध्यात्मिक समाधि
- (B) कवि-सम्मेलनक आनन्द
- (C) बाल-क्रीड़ा
- (D) सामाजिक दंभक नाटकीय प्रदर्शन

६२६. महेशक कवित्वक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल भ्रम
- (B) पूर्ण असत्य
- (C) हास्यक बीच संवेदनाक आधार
- (D) कथासँ असम्बद्ध वस्तु

६२७. महेशक कवित्व पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पूर्ण असत्य
- (B) केवल भ्रम
- (C) कथासँ असम्बद्ध वस्तु
- (D) हास्यक बीच संवेदनाक आधार

६२८. महेशक कवित्वक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पूर्ण असत्य
- (B) कथासँ असम्बद्ध वस्तु
- (C) हास्यक बीच संवेदनाक आधार
- (D) केवल भ्रम

६२९. महेशक कवित्व सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल भ्रम
- (B) पूर्ण असत्य
- (C) हास्यक बीच संवेदनाक आधार
- (D) कथासँ असम्बद्ध वस्तु

६३०. परीक्षा-दृष्टिसे महेशक कवित्वक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल भ्रम
- (B) पूर्ण असत्य
- (C) कथासँ असम्बद्ध वस्तु
- (D) हास्यक बीच संवेदनाक आधार

६३१. नाटकक मर्मक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वनक रोमांच
- (B) देवक युद्ध
- (C) शिक्षित मनुष्यक सामाजिक तिरस्कार
- (D) राजदरबारक षडयंत्र

६३२. नाटकक मर्म पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वनक रोमांच
- (B) राजदरबारक षडयंत्र
- (C) देवक युद्ध
- (D) शिक्षित मनुष्यक सामाजिक तिरस्कार

६३३. नाटकक मर्मक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजदरबारक षड्यंत्र
- (B) शिक्षित मनुष्यक सामाजिक तिरस्कार
- (C) देवक युद्ध
- (D) वनक रोमांच

६३४. नाटकक मर्म सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) वनक रोमांच
- (B) शिक्षित मनुष्यक सामाजिक तिरस्कार
- (C) राजदरबारक षड्यंत्र
- (D) देवक युद्ध

६३५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक मर्मक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवक युद्ध
- (B) राजदरबारक षड्यंत्र
- (C) वनक रोमांच
- (D) शिक्षित मनुष्यक सामाजिक तिरस्कार

६३६. सामाजिक आलोचनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) गीतक मात्रा
- (B) प्रतिष्ठा आ श्रमक झूठा भेद
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) पर्वतारोहण

६३७. सामाजिक आलोचना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) गीतक मात्रा
- (C) पर्वतारोहण
- (D) प्रतिष्ठा आ श्रमक झूठा भेद

६३८. सामाजिक आलोचनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) प्रतिष्ठा आ श्रमक झूठा भेद
- (C) पर्वतारोहण
- (D) गीतक मात्रा

६३९. सामाजिक आलोचना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) पर्वतारोहण
- (C) गीतक मात्रा
- (D) प्रतिष्ठा आ श्रमक झूठा भेद

६४०. परीक्षा-दृष्टिसँ सामाजिक आलोचनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) पर्वतारोहण
- (C) प्रतिष्ठा आ श्रमक झूठा भेद
- (D) गीतक मात्रा

६४१. हास्यक प्रकारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल नृत्य
- (B) स्थितिजन्य आ संवादप्रधान
- (C) केवल युद्ध
- (D) निर्वचनहीन मौन

६४२. हास्यक प्रकार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) निर्वचनहीन मौन
- (B) स्थितिजन्य आ संवादप्रधान
- (C) केवल नृत्य
- (D) केवल युद्ध

६४३. हास्यक प्रकारक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) निर्वचनहीन मौन
- (B) केवल नृत्य
- (C) केवल युद्ध
- (D) स्थितिजन्य आ संवादप्रधान

६४४. हास्यक प्रकार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल नृत्य
- (B) केवल युद्ध
- (C) स्थितिजन्य आ संवादप्रधान
- (D) निर्वचनहीन मौन

६४५. परीक्षा-दृष्टिसेँ हास्यक प्रकारक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल नृत्य
- (B) निर्वचनहीन मौन
- (C) केवल युद्ध
- (D) स्थितिजन्य आ संवादप्रधान

६४६. मर्मक स्रोतक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) देव-वाणी
- (B) सोना-चानीक अभाव मात्र
- (C) महेशक आत्मसम्मानक संघर्ष
- (D) सजावट

६४७. मर्मक स्रोत पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देव-वाणी
- (B) सोना-चानीक अभाव मात्र
- (C) सजावट
- (D) महेशक आत्मसम्मानक संघर्ष

६४८. मर्मक स्रोतक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सोना-चानीक अभाव मात्र
- (B) सजावट
- (C) महेशक आत्मसम्मानक संघर्ष
- (D) देव-वाणी

६४९. मर्मक स्रोत सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सजावट
- (B) महेशक आत्मसम्मानक संघर्ष
- (C) देव-वाणी
- (D) सोना-चानीक अभाव मात्र

६५०. परीक्षा-दृष्टिसँ मर्मक स्रोतक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सजावट
- (B) महेशक आत्मसम्मानक संघर्ष
- (C) सोना-चानीक अभाव मात्र
- (D) देव-वाणी

६५१. व्यंग्यक प्रभावक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दर्शक विषय भूलि जाएत
- (B) दर्शक केवल गीत गेत
- (C) दर्शक अपन सामाजिक सोच पर विचार करैत अछि
- (D) दर्शक केवल नींद लेत

६५२. व्यंग्यक प्रभाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) दर्शक केवल गीत गेत
- (B) दर्शक विषय भूलि जाएत
- (C) दर्शक अपन सामाजिक सोच पर विचार करैत अछि
- (D) दर्शक केवल नींद लेत

६५३. व्यंग्यक प्रभावक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दर्शक विषय भूलि जाएत
- (B) दर्शक केवल नींद लेत
- (C) दर्शक केवल गीत गेत
- (D) दर्शक अपन सामाजिक सोच पर विचार करैत अछि

६५४. व्यंग्यक प्रभाव सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दर्शक विषय भूलि जाएत
- (B) दर्शक अपन सामाजिक सोच पर विचार करैत अछि
- (C) दर्शक केवल गीत गेत
- (D) दर्शक केवल नींद लेत

६५५. परीक्षा-दृष्टिसँ व्यंग्यक प्रभावक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दर्शक विषय भूलि जाएत
- (B) दर्शक केवल गीत गेत
- (C) दर्शक केवल नींद लेत
- (D) दर्शक अपन सामाजिक सोच पर विचार करैत अछि

६५६. नाटकक करुणाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) विजय-नाद मात्र
- (B) अपमान झेलैत मनुष्यक गरिमा
- (C) देवक चमत्कार
- (D) मौसमक वर्णन

६५७. नाटकक करुणा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मौसमक वर्णन
- (B) विजय-नाद मात्र
- (C) अपमान झेलैत मनुष्यक गरिमा
- (D) देवक चमत्कार

६५८. नाटकक करुणाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मौसमक वर्णन
- (B) अपमान झेलैत मनुष्यक गरिमा
- (C) विजय-नाद मात्र
- (D) देवक चमत्कार

६५९. नाटकक करुणा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मौसमक वर्णन
- (B) देवक चमत्कार
- (C) अपमान झेलैत मनुष्यक गरिमा
- (D) विजय-नाद मात्र

६६०. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक करुणाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अपमान झेलैत मनुष्यक गरिमा
- (B) मौसमक वर्णन
- (C) देवक चमत्कार
- (D) विजय-नाद मात्र

६६१. हास्य-मर्म संतुलनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अध्ययनसँ बाहर
- (B) नाटकक प्रमुख कलात्मक गुण
- (C) कथाक कमजोरी
- (D) केवल अनुवाद

६६२. हास्य-मर्म संतुलन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कथाक कमजोरी
- (B) अध्ययनसँ बाहर
- (C) नाटकक प्रमुख कलात्मक गुण
- (D) केवल अनुवाद

६६३. हास्य-मर्म संतुलनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) नाटकक प्रमुख कलात्मक गुण
- (B) कथाक कमजोरी
- (C) अध्ययनसँ बाहर
- (D) केवल अनुवाद

६६४. हास्य-मर्म संतुलन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कथाक कमजोरी
- (B) नाटकक प्रमुख कलात्मक गुण
- (C) केवल अनुवाद
- (D) अध्ययनसँ बाहर

६६५. परीक्षा-दृष्टिसेँ हास्य-मर्म संतुलनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अध्ययनसँ बाहर
- (B) केवल अनुवाद
- (C) कथाक कमजोरी
- (D) नाटकक प्रमुख कलात्मक गुण

६६६. व्यंग्य आ मानवीयताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कमजोरक दमन
- (B) श्रमक तिरस्कार
- (C) महेशक अपमानक उत्सव
- (D) पात्रक उपहास नहि, समाजक सोचक आलोचना

६६७. व्यंग्य आ मानवीयता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) महेशक अपमानक उत्सव
- (B) श्रमक तिरस्कार
- (C) पात्रक उपहास नहि, समाजक सोचक आलोचना
- (D) कमजोरक दमन

६६८. व्यंग्य आ मानवीयताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कमजोरक दमन
- (B) महेशक अपमानक उत्सव
- (C) श्रमक तिरस्कार
- (D) पात्रक उपहास नहि, समाजक सोचक आलोचना

६६९. व्यंग्य आ मानवीयता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कमजोरक दमन
- (B) महेशक अपमानक उत्सव
- (C) श्रमक तिरस्कार
- (D) पात्रक उपहास नहि, समाजक सोचक आलोचना

६७०. परीक्षा-दृष्टिसेँ व्यंग्य आ मानवीयताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) श्रमक तिरस्कार
- (B) महेशक अपमानक उत्सव
- (C) कमजोरक दमन
- (D) पात्रक उपहास नहि, समाजक सोचक आलोचना

६७१. नाटकक सामाजिक करारा प्रश्नक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शिक्षित बेरोजगार की करए
- (B) देवता कोन वर देए
- (C) राजा कोन सिंहासन लेए
- (D) नदी कतेक गहिर

६७२. नाटकक सामाजिक करारा प्रश्न पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शिक्षित बेरोजगार की करए
- (B) राजा कोन सिंहासन लेए
- (C) देवता कोन वर देए
- (D) नदी कतेक गहिर

६७३. नाटकक सामाजिक करारा प्रश्नक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) देवता कोन वर देए
- (B) नदी कतेक गहिर
- (C) शिक्षित बेरोजगार की करए
- (D) राजा कोन सिंहासन लेए

६७४. नाटकक सामाजिक करारा प्रश्न सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) देवता कोन वर देए
- (B) राजा कोन सिंहासन लेए
- (C) नदी कतेक गहिर
- (D) शिक्षित बेरोजगार की करए

६७५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक सामाजिक करारा प्रश्नक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) नदी कतेक गहिर
- (B) राजा कोन सिंहासन लेए
- (C) शिक्षित बेरोजगार की करए
- (D) देवता कोन वर देए

६७६. मध्यवर्गीय विडम्बनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल शिकार
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल वनवास
- (D) काम करैत लाज, बेरोजगार रहैत पीड़ा

६७७. मध्यवर्गीय विडम्बना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल शिकार
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल वनवास
- (D) काम करैत लाज, बेरोजगार रहैत पीड़ा

६७८. मध्यवर्गीय विडम्बनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) काम करैत लाज, बेरोजगार रहैत पीड़ा
- (B) केवल वनवास
- (C) केवल शिकार
- (D) केवल उत्सव

६७९. मध्यवर्गीय विडम्बना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) काम करैत लाज, बेरोजगार रहैत पीड़ा
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल वनवास
- (D) केवल शिकार

६८०. परीक्षा-दृष्टिसँ मध्यवर्गीय विडम्बनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वनवास
- (B) केवल शिकार
- (C) काम करैत लाज, बेरोजगार रहैत पीड़ा
- (D) केवल उत्सव

६८१. संवादक व्यंग्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सारहीन ध्वनि
- (B) कहल बातक भीतर छिपल सामाजिक कटाक्ष
- (C) केवल संख्यात्मक हिसाब
- (D) अदृश्य चित्र

६८२. संवादक व्यंग्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल संख्यात्मक हिसाब
- (B) कहल बातक भीतर छिपल सामाजिक कटाक्ष
- (C) सारहीन ध्वनि
- (D) अदृश्य चित्र

६८३. संवादक व्यंग्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अदृश्य चित्र
- (B) केवल संख्यात्मक हिसाब
- (C) कहल बातक भीतर छिपल सामाजिक कटाक्ष
- (D) सारहीन ध्वनि

६८४. संवादक व्यंग्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) अदृश्य चित्र
- (B) सारहीन ध्वनि
- (C) केवल संख्यात्मक हिसाब
- (D) कहल बातक भीतर छिपल सामाजिक कटाक्ष

६८५. परीक्षा-दृष्टिसँ संवादक व्यंग्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कहल बातक भीतर छिपल सामाजिक कटाक्ष
- (B) अदृश्य चित्र
- (C) सारहीन ध्वनि
- (D) केवल संख्यात्मक हिसाब

६८६. हास्यक उद्देश्यक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल समय काटब
- (B) मनोरंजनक संग सामाजिक जागृति
- (C) केवल गीत
- (D) केवल खिल्ली

६८७. हास्यक उद्देश्य पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल गीत
- (B) मनोरंजनक संग सामाजिक जागृति
- (C) केवल समय काटब
- (D) केवल खिल्ली

६८८. हास्यक उद्देश्यक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल समय काटब
- (B) केवल गीत
- (C) मनोरंजनक संग सामाजिक जागृति
- (D) केवल खिल्ली

६८९. हास्यक उद्देश्य सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल समय काटब
- (B) मनोरंजनक संग सामाजिक जागृति
- (C) केवल गीत
- (D) केवल खिल्ली

६९०. परीक्षा-दृष्टिसँ हास्यक उद्देश्यक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल समय काटब
- (B) केवल खिल्ली
- (C) केवल गीत
- (D) मनोरंजनक संग सामाजिक जागृति

६९१. भफाइत चाहक जिनगीक समग्र स्वभावक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पौराणिक
- (B) व्यंग्यात्मक, मर्मस्पर्शी आ सामाजिक
- (C) केवल रहस्यमय
- (D) केवल वैज्ञानिक

६९२. भफाइत चाहक जिनगीक समग्र स्वभाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल रहस्यमय
- (B) केवल वैज्ञानिक
- (C) केवल पौराणिक
- (D) व्यंग्यात्मक, मर्मस्पर्शी आ सामाजिक

६९३. भफाइत चाहक जिनगीक समग्र स्वभावक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) व्यंग्यात्मक, मर्मस्पर्शी आ सामाजिक
- (B) केवल रहस्यमय
- (C) केवल पौराणिक
- (D) केवल वैज्ञानिक

६९४. भफाइत चाहक जिनगीक समग्र स्वभाव सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल वैज्ञानिक
- (B) केवल पौराणिक
- (C) व्यंग्यात्मक, मर्मस्पर्शी आ सामाजिक
- (D) केवल रहस्यमय

६९५. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक समग्र स्वभावक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) व्यंग्यात्मक, मर्मस्पर्शी आ सामाजिक
- (B) केवल रहस्यमय
- (C) केवल पौराणिक
- (D) केवल वैज्ञानिक

६९६. परीक्षा लेल व्यंग्य-निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) नाटक बेरोजगारीक चर्चा नै करैत
- (B) नाटक केवल विलासक कथा अछि
- (C) नाटक श्रमक अपमान करयवला मानसिकता पर चोट करैत अछि
- (D) नाटक श्रमक नीच बतबैत अछि

६९७. परीक्षा लेल व्यंग्य-निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नाटक केवल विलासक कथा अछि
- (B) नाटक बेरोजगारीक चर्चा नै करैत
- (C) नाटक श्रमकें नीच बतबैत अछि
- (D) नाटक श्रमक अपमान करयवला मानसिकता पर चोट करैत अछि

६९८. परीक्षा लेल व्यंग्य-निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) नाटक केवल विलासक कथा अछि
- (B) नाटक बेरोजगारीक चर्चा नै करैत
- (C) नाटक श्रमकें नीच बतबैत अछि
- (D) नाटक श्रमक अपमान करयवला मानसिकता पर चोट करैत अछि

६९९. परीक्षा लेल व्यंग्य-निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) नाटक श्रमक अपमान करयवला मानसिकता पर चोट करैत अछि
- (B) नाटक केवल विलासक कथा अछि
- (C) नाटक श्रमकें नीच बतबैत अछि
- (D) नाटक बेरोजगारीक चर्चा नै करैत

७००. परीक्षा-दृष्टिसँ परीक्षा लेल व्यंग्य-निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) नाटक केवल विलासक कथा अछि
- (B) नाटक श्रमक अपमान करयवला मानसिकता पर चोट करैत अछि
- (C) नाटक बेरोजगारीक चर्चा नै करैत
- (D) नाटक श्रमकें नीच बतबैत अछि

s8

७०१. नाटकक संवादक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सहज मैथिली आ बोलचालक जीवन्तता
- (B) केवल मौन संकेत
- (C) केवल अंग्रेजी भाषण
- (D) केवल संस्कृत सूत्र

७०२. नाटकक संवाद पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सहज मैथिली आ बोलचालक जीवन्तता
- (B) केवल मौन संकेत
- (C) केवल संस्कृत सूत्र
- (D) केवल अंग्रेजी भाषण

७०३. नाटकक संवादक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल संस्कृत सूत्र
- (B) केवल मौन संकेत
- (C) केवल अंग्रेजी भाषण
- (D) सहज मैथिली आ बोलचालक जीवन्तता

७०४. नाटकक संवाद सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल मौन संकेत
- (B) केवल अंग्रेजी भाषण
- (C) केवल संस्कृत सूत्र
- (D) सहज मैथिली आ बोलचालक जीवन्तता

७०५. परीक्षा-दृष्टिसे नाटकक संवादक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल मौन संकेत
- (B) केवल संस्कृत सूत्र
- (C) केवल अंग्रेजी भाषण
- (D) सहज मैथिली आ बोलचालक जीवन्तता

७०६. चाय-दोकानक मंचीयताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दृश्य-विहीनता
- (B) छोट स्थानमे अनेक पात्र आ विचारक टकराव
- (C) केवल राजसभा
- (D) केवल पुस्तकालय

७०७. चाय-दोकानक मंचीयता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल राजसभा
- (B) छोट स्थानमे अनेक पात्र आ विचारक टकराव
- (C) केवल पुस्तकालय
- (D) दृश्य-विहीनता

७०८. चाय-दोकानक मंचीयताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल राजसभा
- (B) छोट स्थानमे अनेक पात्र आ विचारक टकराव
- (C) दृश्य-विहीनता
- (D) केवल पुस्तकालय

७०९. चाय-दोकानक मंचीयता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दृश्य-विहीनता
- (B) छोट स्थानमे अनेक पात्र आ विचारक टकराव
- (C) केवल पुस्तकालय
- (D) केवल राजसभा

७१०. परीक्षा-दृष्टिसे चाय-दोकानक मंचीयताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) छोट स्थानमे अनेक पात्र आ विचारक टकराव
- (B) केवल पुस्तकालय
- (C) केवल राजसभा
- (D) दृश्य-विहीनता

७११. कथोपकथनक महत्त्वक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय
- (B) कथा संवादद्वारा आगू बढ़ैत अछि
- (C) केवल चित्र
- (D) केवल वर्णन

७१२. कथोपकथनक महत्त्व पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल चित्र
- (B) कथा संवादद्वारा आगू बढ़ैत अछि
- (C) केवल वर्णन
- (D) केवल मौन अभिनय

७१३. कथोपकथनक महत्त्वक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कथा संवादद्वारा आगू बढ़ैत अछि
- (B) केवल वर्णन
- (C) केवल मौन अभिनय
- (D) केवल चित्र

७१४. कथोपकथनक महत्त्व सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल वर्णन
- (B) केवल मौन अभिनय
- (C) कथा संवादद्वारा आगू बढ़ैत अछि
- (D) केवल चित्र

७१५. परीक्षा-दृष्टिसँ कथोपकथनक महत्त्वक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल चित्र
- (B) केवल मौन अभिनय
- (C) कथा संवादद्वारा आगू बढ़ैत अछि
- (D) केवल वर्णन

७१६. भाषाक स्वभावक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल लिपि-चिह्न
- (B) पूर्ण कृत्रिम भाषा
- (C) लोक-व्यवहारसँ जुड़ल मैथिली
- (D) केवल गणित

७१७. भाषाक स्वभाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लोक-व्यवहारसँ जुड़ल मैथिली
- (B) केवल गणित
- (C) केवल लिपि-चिह्न
- (D) पूर्ण कृत्रिम भाषा

७१८. भाषाक स्वभावक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पूर्ण कृत्रिम भाषा
- (B) लोक-व्यवहारसँ जुड़ल मैथिली
- (C) केवल गणित
- (D) केवल लिपि-चिह्न

७१९. भाषाक स्वभाव सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पूर्ण कृत्रिम भाषा
- (B) केवल लिपि-चिह्न
- (C) लोक-व्यवहारसँ जुड़ल मैथिली
- (D) केवल गणित

७२०. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषाक स्वभावक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गणित
- (B) केवल लिपि-चिह्न
- (C) लोक-व्यवहारसँ जुड़ल मैथिली
- (D) पूर्ण कृत्रिम भाषा

७२१. मंच-संरचनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अनावश्यक विशाल युद्ध-मंच
- (B) कोनो पात्र नहि
- (C) दृश्य-परिवर्तन सरल आ प्रभावी
- (D) अदृश्य समुद्र

७२२. मंच-संरचना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) अनावश्यक विशाल युद्ध-मंच
- (B) अदृश्य समुद्र
- (C) दृश्य-परिवर्तन सरल आ प्रभावी
- (D) कोनो पात्र नहि

७२३. मंच-संरचनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अनावश्यक विशाल युद्ध-मंच
- (B) अदृश्य समुद्र
- (C) दृश्य-परिवर्तन सरल आ प्रभावी
- (D) कोनो पात्र नहि

७२४. मंच-संरचना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कोनो पात्र नहि
- (B) अनावश्यक विशाल युद्ध-मंच
- (C) अदृश्य समुद्र
- (D) दृश्य-परिवर्तन सरल आ प्रभावी

७२५. परीक्षा-दृष्टिसँ मंच-संरचनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कोनो पात्र नहि
- (B) अनावश्यक विशाल युद्ध-मंच
- (C) अदृश्य समुद्र
- (D) दृश्य-परिवर्तन सरल आ प्रभावी

७२६. पात्रक भाषाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भाषा चरित्रसँ असम्बद्ध
- (B) केवल पहेली
- (C) ताकत, प्रतिष्ठा, संकोच आ आत्मबल प्रकट करैत
- (D) सभ पात्र एके टोनमे

७२७. पात्रक भाषा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पहेली
- (B) भाषा चरित्रसँ असम्बद्ध
- (C) ताकत, प्रतिष्ठा, संकोच आ आत्मबल प्रकट करैत
- (D) सभ पात्र एके टोनमे

७२८. पात्रक भाषाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पहेली
- (B) सभ पात्र एके टोनमे
- (C) भाषा चरित्रसँ असम्बद्ध
- (D) ताकत, प्रतिष्ठा, संकोच आ आत्मबल प्रकट करैत

७२९. पात्रक भाषा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पहेली
- (B) ताकत, प्रतिष्ठा, संकोच आ आत्मबल प्रकट करैत
- (C) सभ पात्र एके टोनमे
- (D) भाषा चरित्रसँ असम्बद्ध

७३०. परीक्षा-दृष्टिसँ पात्रक भाषाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) ताकत, प्रतिष्ठा, संकोच आ आत्मबल प्रकट करैत
- (B) भाषा चरित्रसँ असम्बद्ध
- (C) केवल पहेली
- (D) सभ पात्र एके टोनमे

७३१. हास्यक मंच-प्रयोगक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) स्थिति, विराम आ प्रतिक्रिया सँ
- (B) केवल पर्दा
- (C) केवल अंधकार
- (D) केवल कथावाचक घोषणा

७३२. हास्यक मंच-प्रयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पर्दा
- (B) स्थिति, विराम आ प्रतिक्रिया सँ
- (C) केवल अंधकार
- (D) केवल कथावाचक घोषणा

७३३. हास्यक मंच-प्रयोगक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) स्थिति, विराम आ प्रतिक्रिया सँ
- (B) केवल कथावाचक घोषणा
- (C) केवल पर्दा
- (D) केवल अंधकार

७३४. हास्यक मंच-प्रयोग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) स्थिति, विराम आ प्रतिक्रिया सँ
- (B) केवल कथावाचक घोषणा
- (C) केवल पर्दा
- (D) केवल अंधकार

७३५. परीक्षा-दृष्टिसँ हास्यक मंच-प्रयोगक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पर्दा
- (B) स्थिति, विराम आ प्रतिक्रिया सँ
- (C) केवल अंधकार
- (D) केवल कथावाचक घोषणा

७३६. नाटकक दृश्यात्मक केन्द्रक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) युद्ध-रथ
- (B) समुद्र-नौका
- (C) चाय बनब, बेचब, ग्राहक आ बातचीत
- (D) स्वर्ग-दरबार

७३७. नाटकक दृश्यात्मक केन्द्र पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) स्वर्ग-दरबार
- (B) समुद्र-नौका
- (C) चाय बनब, बेचब, ग्राहक आ बातचीत
- (D) युद्ध-रथ

७३८. नाटकक दृश्यात्मक केन्द्रक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) युद्ध-रथ
- (B) चाय बनब, बेचब, ग्राहक आ बातचीत
- (C) समुद्र-नौका
- (D) स्वर्ग-दरबार

७३९. नाटकक दृश्यात्मक केन्द्र सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) चाय बनब, बेचब, ग्राहक आ बातचीत
- (B) युद्ध-रथ
- (C) समुद्र-नौका
- (D) स्वर्ग-दरबार

७४०. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक दृश्यात्मक केन्द्रक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समुद्र-नौका
- (B) युद्ध-रथ
- (C) स्वर्ग-दरबार
- (D) चाय बनब, बेचब, ग्राहक आ बातचीत

७४१. मंचीय उपयुक्तताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अनंत पात्र
- (B) छोट आकार आ तीक्ष्ण संवाद
- (C) अस्पष्ट कथ्य
- (D) असंगत दृश्य

७४२. मंचीय उपयुक्तता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) असंगत दृश्य
- (B) छोट आकार आ तीक्ष्ण संवाद
- (C) अस्पष्ट कथ्य
- (D) अनंत पात्र

७४३. मंचीय उपयुक्तताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अनंत पात्र
- (B) अस्पष्ट कथ्य
- (C) छोट आकार आ तीक्ष्ण संवाद
- (D) असंगत दृश्य

७४४. मंचीय उपयुक्तता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) छोट आकार आ तीक्ष्ण संवाद
- (B) अस्पष्ट कथ्य
- (C) अनंत पात्र
- (D) असंगत दृश्य

७४५. परीक्षा-दृष्टिसे मंचीय उपयुक्तताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अनंत पात्र
- (B) असंगत दृश्य
- (C) अस्पष्ट कथ्य
- (D) छोट आकार आ तीक्ष्ण संवाद

७४६. भाषा-शैलीक गुणक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल दुरुहता
- (B) कठोर शुष्कता
- (C) सरलता, व्यंग्य, मर्म आ स्थानीयता
- (D) पूर्ण मौन

७४७. भाषा-शैलीक गुण पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कठोर शुष्कता
- (B) केवल दुरुहता
- (C) पूर्ण मौन
- (D) सरलता, व्यंग्य, मर्म आ स्थानीयता

७४८. भाषा-शैलीक गुणक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कठोर शुष्कता
- (B) केवल दुरुहता
- (C) सरलता, व्यंग्य, मर्म आ स्थानीयता
- (D) पूर्ण मौन

७४९. भाषा-शैलीक गुण सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कठोर शुष्कता
- (B) सरलता, व्यंग्य, मर्म आ स्थानीयता
- (C) पूर्ण मौन
- (D) केवल दुरुहता

७५०. परीक्षा-दृष्टिसे भाषा-शैलीक गुणक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) सरलता, व्यंग्य, मर्म आ स्थानीयता
- (C) केवल दुरुहता
- (D) कठोर शुष्कता

७५१. संवादक परीक्षा-अर्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गिनती
- (B) पात्रानुकूलता आ सामाजिक संकेत
- (C) केवल विराम-चिह्न
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या

७५२. संवादक परीक्षा-अर्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पात्रानुकूलता आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल विराम-चिह्न
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) केवल शब्द-गिनती

७५३. संवादक परीक्षा-अर्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) केवल शब्द-गिनती
- (C) पात्रानुकूलता आ सामाजिक संकेत
- (D) केवल विराम-चिह्न

७५४. संवादक परीक्षा-अर्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पात्रानुकूलता आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल शब्द-गिनती
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) केवल विराम-चिह्न

७५५. परीक्षा-दृष्टिसँ संवादक परीक्षा-अर्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) पात्रानुकूलता आ सामाजिक संकेत
- (C) केवल विराम-चिह्न
- (D) केवल शब्द-गिनती

७५६. नाट्य-शिल्पक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) समाज हटायब
- (B) घटना हटायब
- (C) दैनिक घटना केँ कलात्मक दृश्य बनायब
- (D) पात्र हटायब

७५७. नाट्य-शिल्प पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) पात्र हटायब
- (B) दैनिक घटना केँ कलात्मक दृश्य बनायब
- (C) घटना हटायब
- (D) समाज हटायब

७५८. नाट्य-शिल्पक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) घटना हटायब
- (B) समाज हटायब
- (C) दैनिक घटना केँ कलात्मक दृश्य बनायब
- (D) पात्र हटायब

७५९. नाट्य-शिल्प सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) घटना हटायब
- (B) पात्र हटायब
- (C) दैनिक घटना केँ कलात्मक दृश्य बनायब
- (D) समाज हटायब

७६०. परीक्षा-दृष्टिसँ नाट्य-शिल्पक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) घटना हटायब
- (B) दैनिक घटना केँ कलात्मक दृश्य बनायब
- (C) समाज हटायब
- (D) पात्र हटायब

७६१. दर्शकक भूमिकाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) दर्शक अनुपस्थित
- (C) अपन समाजक चेहरा मंचपर देखब
- (D) केवल पाठकक काम

७६२. दर्शकक भूमिका पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) अपन समाजक चेहरा मंचपर देखब
- (C) केवल पाठकक काम
- (D) दर्शक अनुपस्थित

७६३. दर्शकक भूमिकाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दर्शक अनुपस्थित
- (B) अपन समाजक चेहरा मंचपर देखब
- (C) कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) केवल पाठकक काम

७६४. दर्शकक भूमिका सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दर्शक अनुपस्थित
- (B) अपन समाजक चेहरा मंचपर देखब
- (C) कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) केवल पाठकक काम

७६५. परीक्षा-दृष्टिसँ दर्शकक भूमिकाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अपन समाजक चेहरा मंचपर देखब
- (B) केवल पाठकक काम
- (C) दर्शक अनुपस्थित
- (D) कोनो सम्बन्ध नहि

७६६. भाषाक रंगक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) विदेशी राजदरबार
- (B) मिथिला-मैथिली परिवेशक घनत्व
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) यांत्रिक सूची

७६७. भाषाक रंग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मिथिला-मैथिली परिवेशक घनत्व
- (B) यांत्रिक सूची
- (C) विदेशी राजदरबार
- (D) निरर्थक ध्वनि

७६८. भाषाक रंगक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) विदेशी राजदरबार
- (B) यांत्रिक सूची
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) मिथिला-मैथिली परिवेशक घनत्व

७६९. भाषाक रंग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) निरर्थक ध्वनि
- (B) मिथिला-मैथिली परिवेशक घनत्व
- (C) यांत्रिक सूची
- (D) विदेशी राजदरबार

७७०. परीक्षा-दृष्टिँ भाषाक रंगक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) यांत्रिक सूची
- (B) मिथिला-मैथिली परिवेशक घनत्व
- (C) विदेशी राजदरबार
- (D) निरर्थक ध्वनि

७७१. नाटकक क्रियाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविता-पाठ
- (B) महेशक अनुपस्थिति आ चन्द्रमाक चाय बेचब जेहन घटनासँ बनेल
- (C) केवल मंत्रोच्चार
- (D) कोनो घटना नहि

७७२. नाटकक क्रिया पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) महेशक अनुपस्थिति आ चन्द्रमाक चाय बेचब जेहन घटनासँ बनेल
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) केवल कविता-पाठ
- (D) केवल मंत्रोच्चार

७७३. नाटकक क्रियाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) महेशक अनुपस्थिति आ चन्द्रमाक चाय बेचब जेहन घटनासँ बनेल
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) केवल मंत्रोच्चार
- (D) केवल कविता-पाठ

७७४. नाटकक क्रिया सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कोनो घटना नहि
- (B) केवल मंत्रोच्चार
- (C) केवल कविता-पाठ
- (D) महेशक अनुपस्थिति आ चन्द्रमाक चाय बेचब जेहन घटनासँ बनेल

७७५. परीक्षा-दृष्टिँ नाटकक क्रियाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महेशक अनुपस्थिति आ चन्द्रमाक चाय बेचब जेहन घटनासँ बनेल
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) केवल कविता-पाठ
- (D) केवल मंत्रोच्चार

७७६. पात्र-प्रवेशक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अर्थ मिटबैत
- (B) दृश्य समाप्त करैत
- (C) मंच खाली करैत
- (D) सामाजिक तुलना आ तनाव बढ़बैत

७७७. पात्र-प्रवेश पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सामाजिक तुलना आ तनाव बढ़बैत
- (B) मंच खाली करैत
- (C) अर्थ मिटबैत
- (D) दृश्य समाप्त करैत

७७८. पात्र-प्रवेशक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) अर्थ मिटबैत
- (B) मंच खाली करैत
- (C) दृश्य समाप्त करैत
- (D) सामाजिक तुलना आ तनाव बढ़बैत

७७९. पात्र-प्रवेश सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) दृश्य समाप्त करैत
- (B) मंच खाली करैत
- (C) सामाजिक तुलना आ तनाव बढ़बैत
- (D) अर्थ मिटबैत

७८०. परीक्षा-दृष्टिसँ पात्र-प्रवेशक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) अर्थ मिटबैत
- (B) मंच खाली करैत
- (C) दृश्य समाप्त करैत
- (D) सामाजिक तुलना आ तनाव बढ़बैत

७८१. भाषा आ वर्गक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सभ समान औपचारिक
- (B) भाषा वर्गसँ निरपेक्ष
- (C) कोनो चरित्र-चिन्ह नहि
- (D) संवादसँ पात्रक सामाजिक स्थिति बुझाइट अछि

७८२. भाषा आ वर्ग पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सभ समान औपचारिक
- (B) कोनो चरित्र-चिन्ह नहि
- (C) भाषा वर्गसँ निरपेक्ष
- (D) संवादसँ पात्रक सामाजिक स्थिति बुझाइट अछि

७८३. भाषा आ वर्गक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कोनो चरित्र-चिन्ह नहि
- (B) संवादसँ पात्रक सामाजिक स्थिति बुझाइट अछि
- (C) भाषा वर्गसँ निरपेक्ष
- (D) सभ समान औपचारिक

७८४. भाषा आ वर्ग सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कोनो चरित्र-चिन्ह नहि
- (B) सभ समान औपचारिक
- (C) भाषा वर्गसँ निरपेक्ष
- (D) संवादसँ पात्रक सामाजिक स्थिति बुझाइट अछि

७८५. परीक्षा-दृष्टिसे भाषा आ वर्गक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) भाषा वर्गसे निरपेक्ष
- (B) कोनो चरित्र-चिन्ह नहि
- (C) संवादसे पात्रक सामाजिक स्थिति बुझाईत अछि
- (D) सभ समान औपचारिक

७८६. नाट्य-समाप्ति पर विचारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सर्वथा अर्थहीन
- (B) केवल शोर
- (C) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब
- (D) पूर्ण भ्रम

७८७. नाट्य-समाप्ति पर विचार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल शोर
- (B) सर्वथा अर्थहीन
- (C) पूर्ण भ्रम
- (D) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब

७८८. नाट्य-समाप्ति पर विचारक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल शोर
- (B) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब
- (C) पूर्ण भ्रम
- (D) सर्वथा अर्थहीन

७८९. नाट्य-समाप्ति पर विचार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब
- (B) पूर्ण भ्रम
- (C) केवल शोर
- (D) सर्वथा अर्थहीन

७९०. परीक्षा-दृष्टिसे नाट्य-समाप्ति पर विचारक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल शोर
- (B) पूर्ण भ्रम
- (C) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब
- (D) सर्वथा अर्थहीन

७९१. मंचीय चुनौतीक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल महल बनायब
- (B) साधारण दृश्यकेँ जीवंत आ अर्थवान बनायब
- (C) बिना संवाद खेलब
- (D) असम्भव दृश्य बनायब

७९२. मंचीय चुनौती पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) साधारण दृश्यकेँ जीवंत आ अर्थवान बनायब
- (B) केवल महल बनायब
- (C) असम्भव दृश्य बनायब
- (D) बिना संवाद खेलब

७९३. मंचीय चुनौतीक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल महल बनायब
- (B) असम्भव दृश्य बनायब
- (C) साधारण दृश्यकेँ जीवंत आ अर्थवान बनायब
- (D) बिना संवाद खेलब

७९४. मंचीय चुनौती सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) बिना संवाद खेलब
- (B) असम्भव दृश्य बनायब
- (C) साधारण दृश्यकेँ जीवंत आ अर्थवान बनायब
- (D) केवल महल बनायब

७९५. परीक्षा-दृष्टिसँ मंचीय चुनौतीक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) साधारण दृश्यकेँ जीवंत आ अर्थवान बनायब
- (B) बिना संवाद खेलब
- (C) केवल महल बनायब
- (D) असम्भव दृश्य बनायब

७९६. शिल्पक निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लंबा विस्तारमे रिक्तता
- (B) बिना पात्रक कथा
- (C) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई
- (D) केवल नियम

७९७. शिल्पक निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई
- (B) बिना पात्रक कथा
- (C) केवल नियम
- (D) लंबा विस्तारमे रिक्तता

७९८. शिल्पक निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) लंबा विस्तारमे रिक्तता
- (B) बिना पात्रक कथा
- (C) केवल नियम
- (D) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई

७९९. शिल्पक निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) बिना पात्रक कथा
- (B) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई
- (C) लंबा विस्तारमे रिक्तता
- (D) केवल नियम

८००. परीक्षा-दृष्टिसँ शिल्पक निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई
- (B) लंबा विस्तारमे रिक्तता
- (C) बिना पात्रक कथा
- (D) केवल नियम

८०१. आधुनिक मैथिली नाटकक प्रवृत्तिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल देवकथा
- (B) केवल राजवंश
- (C) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग
- (D) केवल छन्दाभ्यास

८०२. आधुनिक मैथिली नाटकक प्रवृत्ति पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल देवकथा
- (B) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग
- (C) केवल छन्दाभ्यास
- (D) केवल राजवंश

८०३. आधुनिक मैथिली नाटकक प्रवृत्तिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल देवकथा
- (B) केवल छन्दाभ्यास
- (C) केवल राजवंश
- (D) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग

८०४. आधुनिक मैथिली नाटकक प्रवृत्ति सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग
- (B) केवल देवकथा
- (C) केवल राजवंश
- (D) केवल छन्दाभ्यास

८०५. परीक्षा-दृष्टिसँ आधुनिक मैथिली नाटकक प्रवृत्तिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग
- (B) केवल छन्दाभ्यास
- (C) केवल देवकथा
- (D) केवल राजवंश

८०६. विदेह नाट्य-चर्चामे कृतिक स्थानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पाण्डुलिपि-सूची
- (B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक
- (C) लोकगीत मात्र
- (D) कृषि-पुस्तिका

८०७. विदेह नाट्य-चर्चामे कृतिक स्थान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक
- (B) पाण्डुलिपि-सूची
- (C) लोकगीत मात्र
- (D) कृषि-पुस्तिका

८०८. विदेह नाट्य-चर्चामे कृतिक स्थानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक
- (B) लोकगीत मात्र
- (C) कृषि-पुस्तिका
- (D) पाण्डुलिपि-सूची

८०९. विदेह नाट्य-चर्चामे कृतिक स्थान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?
- (A) कृषि-पुस्तिका
(B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक
(C) पाण्डुलिपि-सूची
(D) लोकगीत मात्र
८१०. परीक्षा-दृष्टिसँ विदेह नाट्य-चर्चामे कृतिक स्थानक सही व्याख्या कोन होयत?
- (A) पाण्डुलिपि-सूची
(B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक
(C) लोकगीत मात्र
(D) कृषि-पुस्तिका
८११. पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ-संदर्भक मुख्य अर्थ की अछि?
- (A) मिथिला-भाषा रामायण
(B) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा
(C) गीतशती
(D) कृष्णजन्म
८१२. पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ-संदर्भ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?
- (A) गीतशती
(B) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा
(C) मिथिला-भाषा रामायण
(D) कृष्णजन्म
८१३. पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ-संदर्भक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?
- (A) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा
(B) कृष्णजन्म
(C) गीतशती
(D) मिथिला-भाषा रामायण
८१४. पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ-संदर्भ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?
- (A) मिथिला-भाषा रामायण
(B) गीतशती
(C) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा
(D) कृष्णजन्म
८१५. परीक्षा-दृष्टिसँ पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ-संदर्भक सही व्याख्या कोन होयत?
- (A) गीतशती
(B) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा
(C) मिथिला-भाषा रामायण
(D) कृष्णजन्म
८१६. मध्यकालीन नाटकसँ भिन्नताक मुख्य अर्थ की अछि?
- (A) केवल दरबारी नृत्य
(B) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या
(C) केवल कीर्तन
(D) केवल राधा-कृष्ण लीला

८१७. मध्यकालीन नाटकसँ भिन्नता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल दरबारी नृत्य
- (B) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या
- (C) केवल राधा-कृष्ण लीला
- (D) केवल कीर्तन

८१८. मध्यकालीन नाटकसँ भिन्नताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या
- (B) केवल कीर्तन
- (C) केवल दरबारी नृत्य
- (D) केवल राधा-कृष्ण लीला

८१९. मध्यकालीन नाटकसँ भिन्नता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल कीर्तन
- (B) केवल राधा-कृष्ण लीला
- (C) केवल दरबारी नृत्य
- (D) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या

८२०. परीक्षा-दृष्टिसँ मध्यकालीन नाटकसँ भिन्नताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या
- (B) केवल कीर्तन
- (C) केवल राधा-कृष्ण लीला
- (D) केवल दरबारी नृत्य

८२१. आधुनिक रंगमंचक मुद्दाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब
- (B) समाजसँ दूरी
- (C) केवल अलंकार
- (D) केवल चमत्कार

८२२. आधुनिक रंगमंचक मुद्दा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब
- (B) केवल अलंकार
- (C) केवल चमत्कार
- (D) समाजसँ दूरी

८२३. आधुनिक रंगमंचक मुद्दाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल चमत्कार
- (B) केवल अलंकार
- (C) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब
- (D) समाजसँ दूरी

८२४. आधुनिक रंगमंचक मुद्दा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल चमत्कार
- (B) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब
- (C) समाजसँ दूरी
- (D) केवल अलंकार

८२५. परीक्षा-दृष्टिसेँ आधुनिक रंगमंचक मुद्दाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल चमत्कार
- (B) समाजसेँ दूरी
- (C) केवल अलंकार
- (D) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब

८२६. नाटक आ नवजागरणक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण
- (B) केवल पूजा-पाठ
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) केवल वंशावली

८२७. नाटक आ नवजागरण पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण
- (B) केवल पूजा-पाठ
- (C) केवल वंशावली
- (D) केवल मनोरंजन

८२८. नाटक आ नवजागरणक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) केवल पूजा-पाठ
- (C) केवल वंशावली
- (D) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण

८२९. नाटक आ नवजागरण सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पूजा-पाठ
- (B) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण
- (C) केवल वंशावली
- (D) केवल मनोरंजन

८३०. परीक्षा-दृष्टिसेँ नाटक आ नवजागरणक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल वंशावली
- (B) केवल पूजा-पाठ
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण

८३१. समकालीन नाटकसेँ तुलनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चाय-दोकानक यथार्थ बनाम राजदरबारी दृश्य
- (B) कोनो भिन्नता नहि
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) चाय-दोकान अ-दृश्य

८३२. समकालीन नाटकसेँ तुलना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कोनो भिन्नता नहि
- (B) चाय-दोकान अ-दृश्य
- (C) चाय-दोकानक यथार्थ बनाम राजदरबारी दृश्य
- (D) दुनू पूर्ण समान

८३३. समकालीन नाटकसँ तुलनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) चाय-दोकानक यथार्थ बनाम राजदरबारी दृश्य
- (C) कोनो भिन्नता नहि
- (D) चाय-दोकान अ-दृश्य

८३४. समकालीन नाटकसँ तुलना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) कोनो भिन्नता नहि
- (B) चाय-दोकानक यथार्थ बनाम राजदरबारी दृश्य
- (C) चाय-दोकान अ-दृश्य
- (D) दुनू पूर्ण समान

८३५. परीक्षा-दृष्टिसँ समकालीन नाटकसँ तुलनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) चाय-दोकान अ-दृश्य
- (C) कोनो भिन्नता नहि
- (D) चाय-दोकानक यथार्थ बनाम राजदरबारी दृश्य

८३६. विदेह नाट्य-उत्सवक अध्ययन-लाभक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल भोज-सूची
- (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब

८३७. विदेह नाट्य-उत्सवक अध्ययन-लाभ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब
- (B) केवल भोज-सूची
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल गीतक ताल

८३८. विदेह नाट्य-उत्सवक अध्ययन-लाभक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल भोज-सूची
- (B) केवल चित्रकला
- (C) केवल गीतक ताल
- (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब

८३९. विदेह नाट्य-उत्सवक अध्ययन-लाभ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल गीतक ताल
- (B) केवल भोज-सूची
- (C) केवल चित्रकला
- (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब

८४०. परीक्षा-दृष्टिसँ विदेह नाट्य-उत्सवक अध्ययन-लाभक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल भोज-सूची
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल चित्रकला
- (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब

८४१. आधुनिकताक एक चिन्हक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल देव-वरदान
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट
- (D) केवल शौर्यगाथा

८४२. आधुनिकताक एक चिन्ह पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) केवल शौर्यगाथा
- (D) केवल देव-वरदान

८४३. आधुनिकताक एक चिन्हक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल देव-वरदान
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट
- (D) केवल शौर्यगाथा

८४४. आधुनिकताक एक चिन्ह सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल राजाज्ञा
- (B) केवल देव-वरदान
- (C) केवल शौर्यगाथा
- (D) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट

८४५. परीक्षा-दृष्टिसँ आधुनिकताक एक चिन्हक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल देव-वरदान
- (B) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट
- (C) केवल शौर्यगाथा
- (D) केवल राजाज्ञा

८४६. मैथिली नाटकक सामाजिक दिशाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल भक्ति-गीत
- (B) केवल शृंगार
- (C) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न
- (D) केवल शास्त्रार्थ

८४७. मैथिली नाटकक सामाजिक दिशा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल शास्त्रार्थ
- (B) केवल भक्ति-गीत
- (C) केवल शृंगार
- (D) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न

८४८. मैथिली नाटकक सामाजिक दिशाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न
- (B) केवल शास्त्रार्थ
- (C) केवल भक्ति-गीत
- (D) केवल शृंगार

८४९. मैथिली नाटकक सामाजिक दिशा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न
- (B) केवल भक्ति-गीत
- (C) केवल शास्त्रार्थ
- (D) केवल शृंगार

८५०. परीक्षा-दृष्टिसँ मैथिली नाटकक सामाजिक दिशाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न
- (B) केवल शृंगार
- (C) केवल भक्ति-गीत
- (D) केवल शास्त्रार्थ

८५१. भफाइत चाहक जिनगीक विशिष्टताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) महायुद्ध
- (B) स्वर्गीय सभा
- (C) राजतिलक
- (D) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन

८५२. भफाइत चाहक जिनगीक विशिष्टता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) राजतिलक
- (B) स्वर्गीय सभा
- (C) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन
- (D) महायुद्ध

८५३. भफाइत चाहक जिनगीक विशिष्टताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन
- (B) राजतिलक
- (C) स्वर्गीय सभा
- (D) महायुद्ध

८५४. भफाइत चाहक जिनगीक विशिष्टता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजतिलक
- (B) स्वर्गीय सभा
- (C) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन
- (D) महायुद्ध

८५५. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक विशिष्टताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) राजतिलक
- (B) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन
- (C) महायुद्ध
- (D) स्वर्गीय सभा

८५६. मंचन-योग्यताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यिक संग रंग-प्रयोगक सम्भावना
- (B) केवल गीत-पुस्तक
- (C) विज्ञान-प्रयोग
- (D) पाठ मात्र, मंच असम्भव

८५७. मंचन-योग्यता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल गीत-पुस्तक
- (B) साहित्यिक संग रंग-प्रयोगक सम्भावना
- (C) पाठ मात्र, मंच असम्भव
- (D) विज्ञान-प्रयोग

८५८. मंचन-योग्यताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल गीत-पुस्तक
- (B) विज्ञान-प्रयोग
- (C) पाठ मात्र, मंच असम्भव
- (D) साहित्यिक संग रंग-प्रयोगक सम्भावना

८५९. मंचन-योग्यता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पाठ मात्र, मंच असम्भव
- (B) विज्ञान-प्रयोग
- (C) केवल गीत-पुस्तक
- (D) साहित्यिक संग रंग-प्रयोगक सम्भावना

८६०. परीक्षा-दृष्टिसँ मंचन-योग्यताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पाठ मात्र, मंच असम्भव
- (B) केवल गीत-पुस्तक
- (C) साहित्यिक संग रंग-प्रयोगक सम्भावना
- (D) विज्ञान-प्रयोग

८६१. समाज आ रंगमंचक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रंगमंच केवल सजावट
- (B) रंगमंच केवल मौन
- (C) रंगमंच समाजसँ असम्बद्ध
- (D) रंगमंच समाजक दर्पण बनि सकैत अछि

८६२. समाज आ रंगमंच पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) रंगमंच समाजसँ असम्बद्ध
- (B) रंगमंच केवल मौन
- (C) रंगमंच केवल सजावट
- (D) रंगमंच समाजक दर्पण बनि सकैत अछि

८६३. समाज आ रंगमंचक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) रंगमंच केवल सजावट
- (B) रंगमंच केवल मौन
- (C) रंगमंच समाजक दर्पण बनि सकैत अछि
- (D) रंगमंच समाजसँ असम्बद्ध

८६४. समाज आ रंगमंच सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) रंगमंच समाजसँ असम्बद्ध
- (B) रंगमंच केवल मौन
- (C) रंगमंच केवल सजावट
- (D) रंगमंच समाजक दर्पण बनि सकैत अछि

८६५. परीक्षा-दृष्टिसेँ समाज आ रंगमंचक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) रंगमंच समाजक दर्पण बनि सकैत अछि
- (B) रंगमंच केवल सजावट
- (C) रंगमंच केवल मौन
- (D) रंगमंच समाजसेँ असम्बद्ध

८६६. नाटकक इतिहासमे कृतिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली सामाजिक नाटकक उदाहरण
- (B) व्याकरण-कोश
- (C) भक्ति पदावली
- (D) आदिकालीन शिलालेख

८६७. नाटकक इतिहासमे कृति पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) आदिकालीन शिलालेख
- (B) आधुनिक मैथिली सामाजिक नाटकक उदाहरण
- (C) भक्ति पदावली
- (D) व्याकरण-कोश

८६८. नाटकक इतिहासमे कृतिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली सामाजिक नाटकक उदाहरण
- (B) भक्ति पदावली
- (C) आदिकालीन शिलालेख
- (D) व्याकरण-कोश

८६९. नाटकक इतिहासमे कृति सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) व्याकरण-कोश
- (B) आदिकालीन शिलालेख
- (C) भक्ति पदावली
- (D) आधुनिक मैथिली सामाजिक नाटकक उदाहरण

८७०. परीक्षा-दृष्टिसेँ नाटकक इतिहासमे कृतिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) व्याकरण-कोश
- (B) आदिकालीन शिलालेख
- (C) भक्ति पदावली
- (D) आधुनिक मैथिली सामाजिक नाटकक उदाहरण

८७१. नाट्य-परम्परा मे परिवर्तनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दरबार आ देवकथासेँ सामान्य मनुष्यक कथा धरि
- (B) केवल दरबार
- (C) केवल देवता
- (D) सामान्य मनुष्य अनुपस्थित

८७२. नाट्य-परम्परा मे परिवर्तन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सामान्य मनुष्य अनुपस्थित
- (B) दरबार आ देवकथासेँ सामान्य मनुष्यक कथा धरि
- (C) केवल देवता
- (D) केवल दरबार

८७३. नाट्य-परम्परा में परिवर्तनक अध्ययनमें कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल दरबार
- (B) केवल देवता
- (C) सामान्य मनुष्य अनुपस्थित
- (D) दरबार आ देवकथासँ सामान्य मनुष्यक कथा धरि

८७४. नाट्य-परम्परा में परिवर्तन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल देवता
- (B) केवल दरबार
- (C) सामान्य मनुष्य अनुपस्थित
- (D) दरबार आ देवकथासँ सामान्य मनुष्यक कथा धरि

८७५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाट्य-परम्परा में परिवर्तनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल देवता
- (B) केवल दरबार
- (C) सामान्य मनुष्य अनुपस्थित
- (D) दरबार आ देवकथासँ सामान्य मनुष्यक कथा धरि

८७६. विदेह समानान्तर रंगमंचक दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल राजकीय समारोह
- (B) केवल पुरस्कार सूची
- (C) केवल शास्त्र-पाठ
- (D) उपेक्षित सामाजिक अनुभवक मंचीय अभिलेखन

८७७. विदेह समानान्तर रंगमंचक दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमें सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पुरस्कार सूची
- (B) केवल शास्त्र-पाठ
- (C) उपेक्षित सामाजिक अनुभवक मंचीय अभिलेखन
- (D) केवल राजकीय समारोह

८७८. विदेह समानान्तर रंगमंचक दृष्टिक अध्ययनमें कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल राजकीय समारोह
- (B) केवल पुरस्कार सूची
- (C) उपेक्षित सामाजिक अनुभवक मंचीय अभिलेखन
- (D) केवल शास्त्र-पाठ

८७९. विदेह समानान्तर रंगमंचक दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल शास्त्र-पाठ
- (B) उपेक्षित सामाजिक अनुभवक मंचीय अभिलेखन
- (C) केवल पुरस्कार सूची
- (D) केवल राजकीय समारोह

८८०. परीक्षा-दृष्टिसँ विदेह समानान्तर रंगमंचक दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल शास्त्र-पाठ
- (B) केवल पुरस्कार सूची
- (C) उपेक्षित सामाजिक अनुभवक मंचीय अभिलेखन
- (D) केवल राजकीय समारोह

८८१. भफाइत चाहक जिनगीक तुलना-योग्य पक्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल विद्यापति पदावली
- (B) ईशनाथ झा, गोविन्द झा, नचिकेता आदि आधुनिक नाटककारसँ संवाद
- (C) केवल लोकगीत
- (D) केवल ज्योतिरीश्वर गद्य

८८२. भफाइत चाहक जिनगीक तुलना-योग्य पक्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल विद्यापति पदावली
- (B) ईशनाथ झा, गोविन्द झा, नचिकेता आदि आधुनिक नाटककारसँ संवाद
- (C) केवल लोकगीत
- (D) केवल ज्योतिरीश्वर गद्य

८८३. भफाइत चाहक जिनगीक तुलना-योग्य पक्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ईशनाथ झा, गोविन्द झा, नचिकेता आदि आधुनिक नाटककारसँ संवाद
- (B) केवल विद्यापति पदावली
- (C) केवल लोकगीत
- (D) केवल ज्योतिरीश्वर गद्य

८८४. भफाइत चाहक जिनगीक तुलना-योग्य पक्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल लोकगीत
- (B) केवल ज्योतिरीश्वर गद्य
- (C) केवल विद्यापति पदावली
- (D) ईशनाथ झा, गोविन्द झा, नचिकेता आदि आधुनिक नाटककारसँ संवाद

८८५. परीक्षा-दृष्टिसँ भफाइत चाहक जिनगीक तुलना-योग्य पक्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल लोकगीत
- (B) ईशनाथ झा, गोविन्द झा, नचिकेता आदि आधुनिक नाटककारसँ संवाद
- (C) केवल विद्यापति पदावली
- (D) केवल ज्योतिरीश्वर गद्य

८८६. आधुनिक रंगभाषाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दीर्घ युद्धवर्णन
- (B) मौन दरबार
- (C) अव्यावहारिक दृश्य
- (D) सामाजिक बिम्ब, छोट दृश्य आ तीक्ष्ण संवाद

८८७. आधुनिक रंगभाषा पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) दीर्घ युद्धवर्णन
- (B) मौन दरबार
- (C) सामाजिक बिम्ब, छोट दृश्य आ तीक्ष्ण संवाद
- (D) अव्यावहारिक दृश्य

८८८. आधुनिक रंगभाषाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मौन दरबार
- (B) दीर्घ युद्धवर्णन
- (C) सामाजिक बिम्ब, छोट दृश्य आ तीक्ष्ण संवाद
- (D) अव्यावहारिक दृश्य

८८९. आधुनिक रंगभाषा सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सामाजिक बिम्ब, छोट दृश्य आ तीक्ष्ण संवाद
- (B) मौन दरबार
- (C) अव्यावहारिक दृश्य
- (D) दीर्घ युद्धवर्णन

८९०. परीक्षा-दृष्टिँ आधुनिक रंगभाषाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) दीर्घ युद्धवर्णन
- (B) सामाजिक बिम्ब, छोट दृश्य आ तीक्ष्ण संवाद
- (C) मौन दरबार
- (D) अव्यावहारिक दृश्य

८९१. सांस्कृतिक संकेतक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल विदेशी परिवेश
- (B) केवल कल्पना-लोक
- (C) संस्कृतिहीनता
- (D) मिथिला-मैथिली प्रेम आ सामाजिक कर्म

८९२. सांस्कृतिक संकेत पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल विदेशी परिवेश
- (B) केवल कल्पना-लोक
- (C) मिथिला-मैथिली प्रेम आ सामाजिक कर्म
- (D) संस्कृतिहीनता

८९३. सांस्कृतिक संकेतक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-मैथिली प्रेम आ सामाजिक कर्म
- (B) केवल कल्पना-लोक
- (C) संस्कृतिहीनता
- (D) केवल विदेशी परिवेश

८९४. सांस्कृतिक संकेत सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) संस्कृतिहीनता
- (B) केवल विदेशी परिवेश
- (C) केवल कल्पना-लोक
- (D) मिथिला-मैथिली प्रेम आ सामाजिक कर्म

८९५. परीक्षा-दृष्टिँ सांस्कृतिक संकेतक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल कल्पना-लोक
- (B) मिथिला-मैथिली प्रेम आ सामाजिक कर्म
- (C) संस्कृतिहीनता
- (D) केवल विदेशी परिवेश

८९६. नाट्य-इतिहासक निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भफाइत चाहक जिनगी सामाजिक आधुनिकता बुझबाक महत्वपूर्ण पाठ
- (B) केवल सूची
- (C) नाटक इतिहाससँ बाहर
- (D) केवल हास्य-चुटकुला

८९७. नाट्य-इतिहासक निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नाटक इतिहाससँ बाहर
- (B) भफाइट चाहक जिनगी सामाजिक आधुनिकता बुझबाक महत्वपूर्ण पाठ
- (C) केवल सूची
- (D) केवल हास्य-चुटकुला

८९८. नाट्य-इतिहासक निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल हास्य-चुटकुला
- (B) केवल सूची
- (C) नाटक इतिहाससँ बाहर
- (D) भफाइट चाहक जिनगी सामाजिक आधुनिकता बुझबाक महत्वपूर्ण पाठ

८९९. नाट्य-इतिहासक निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल हास्य-चुटकुला
- (B) केवल सूची
- (C) भफाइट चाहक जिनगी सामाजिक आधुनिकता बुझबाक महत्वपूर्ण पाठ
- (D) नाटक इतिहाससँ बाहर

९००. परीक्षा-दृष्टिसँ नाट्य-इतिहासक निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल हास्य-चुटकुला
- (B) नाटक इतिहाससँ बाहर
- (C) केवल सूची
- (D) भफाइट चाहक जिनगी सामाजिक आधुनिकता बुझबाक महत्वपूर्ण पाठ

s10

९०१. शीर्षक-व्याख्याक मुख्य बिंदु मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चाय, भाप, जीवन आ महेशक संघर्षक सम्बन्ध
- (B) केवल पेय-पदार्थ
- (C) केवल दुकानक नाम
- (D) केवल मौसम

९०२. शीर्षक-व्याख्याक मुख्य बिंदु पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल पेय-पदार्थ
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल दुकानक नाम
- (D) चाय, भाप, जीवन आ महेशक संघर्षक सम्बन्ध

९०३. शीर्षक-व्याख्याक मुख्य बिंदु अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) चाय, भाप, जीवन आ महेशक संघर्षक सम्बन्ध
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल दुकानक नाम
- (D) केवल पेय-पदार्थ

९०४. शीर्षक-व्याख्याक मुख्य बिंदु सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पेय-पदार्थ
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल दुकानक नाम
- (D) चाय, भाप, जीवन आ महेशक संघर्षक सम्बन्ध

९०५. परीक्षा-दृष्टिसें शीर्षक-व्याख्याक मुख्य बिंदुक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल दुकानक नाम
- (B) केवल मौसम
- (C) चाय, भाप, जीवन आ महेशक संघर्षक सम्बन्ध
- (D) केवल पेय-पदार्थ

९०६. महेशक चरित्र-विश्लेषणक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) आलसी खलनायक
- (B) देवदूत
- (C) राजा
- (D) स्वाभिमानी, कर्मशील, संवेदनशील शिक्षित बेरोजगार

९०७. महेशक चरित्र-विश्लेषण पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) देवदूत
- (B) राजा
- (C) आलसी खलनायक
- (D) स्वाभिमानी, कर्मशील, संवेदनशील शिक्षित बेरोजगार

९०८. महेशक चरित्र-विश्लेषणक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) राजा
- (B) देवदूत
- (C) आलसी खलनायक
- (D) स्वाभिमानी, कर्मशील, संवेदनशील शिक्षित बेरोजगार

९०९. महेशक चरित्र-विश्लेषण सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) राजा
- (B) आलसी खलनायक
- (C) स्वाभिमानी, कर्मशील, संवेदनशील शिक्षित बेरोजगार
- (D) देवदूत

९१०. परीक्षा-दृष्टिसें महेशक चरित्र-विश्लेषणक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) देवदूत
- (B) स्वाभिमानी, कर्मशील, संवेदनशील शिक्षित बेरोजगार
- (C) राजा
- (D) आलसी खलनायक

९११. चन्द्रमा प्रसंगक मूल्यांकनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दृश्य-सजावट मात्र
- (B) कथा-बाह्य चूक
- (C) असम्बद्ध घटना
- (D) स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ कामक मर्यादा

९१२. चन्द्रमा प्रसंगक मूल्यांकन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) असम्बद्ध घटना
- (B) स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ कामक मर्यादा
- (C) कथा-बाह्य चूक
- (D) दृश्य-सजावट मात्र

९१३. चन्द्रमा प्रसंगक मूल्यांकनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) दृश्य-सजावट मात्र
- (B) स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ कामक मर्यादा
- (C) कथा-बाह्य चूक
- (D) असम्बद्ध घटना

९१४. चन्द्रमा प्रसंगक मूल्यांकन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ कामक मर्यादा
- (B) दृश्य-सजावट मात्र
- (C) असम्बद्ध घटना
- (D) कथा-बाह्य चूक

९१५. परीक्षा-दृष्टिसँ चन्द्रमा प्रसंगक मूल्यांकनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कथा-बाह्य चूक
- (B) असम्बद्ध घटना
- (C) स्त्रीक सक्रिय भूमिका आ कामक मर्यादा
- (D) दृश्य-सजावट मात्र

९१६. उमानाथक मूल्यांकनक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लोकगायक
- (B) पूर्ण आदर्श श्रमिक
- (C) प्रतिष्ठा-प्रधान सामाजिक दंभक प्रतिनिधि
- (D) सूत्रधार

९१७. उमानाथक मूल्यांकन पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सूत्रधार
- (B) लोकगायक
- (C) पूर्ण आदर्श श्रमिक
- (D) प्रतिष्ठा-प्रधान सामाजिक दंभक प्रतिनिधि

९१८. उमानाथक मूल्यांकनक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) सूत्रधार
- (B) लोकगायक
- (C) प्रतिष्ठा-प्रधान सामाजिक दंभक प्रतिनिधि
- (D) पूर्ण आदर्श श्रमिक

९१९. उमानाथक मूल्यांकन सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लोकगायक
- (B) सूत्रधार
- (C) प्रतिष्ठा-प्रधान सामाजिक दंभक प्रतिनिधि
- (D) पूर्ण आदर्श श्रमिक

९२०. परीक्षा-दृष्टिसँ उमानाथक मूल्यांकनक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) प्रतिष्ठा-प्रधान सामाजिक दंभक प्रतिनिधि
- (B) लोकगायक
- (C) पूर्ण आदर्श श्रमिक
- (D) सूत्रधार

९२१. नाटकक सामाजिक संदेशक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) श्रमक तिरस्कार
- (B) श्रमक सम्मान आ बेरोजगारीक समस्या
- (C) काम छोड़बाक उपदेश
- (D) केवल विलास

९२२. नाटकक सामाजिक संदेश पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) श्रमक सम्मान आ बेरोजगारीक समस्या
- (B) श्रमक तिरस्कार
- (C) केवल विलास
- (D) काम छोड़बाक उपदेश

९२३. नाटकक सामाजिक संदेशक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) श्रमक सम्मान आ बेरोजगारीक समस्या
- (B) केवल विलास
- (C) श्रमक तिरस्कार
- (D) काम छोड़बाक उपदेश

९२४. नाटकक सामाजिक संदेश सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) श्रमक तिरस्कार
- (B) श्रमक सम्मान आ बेरोजगारीक समस्या
- (C) केवल विलास
- (D) काम छोड़बाक उपदेश

९२५. परीक्षा-दृष्टिसँ नाटकक सामाजिक संदेशक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) श्रमक तिरस्कार
- (B) काम छोड़बाक उपदेश
- (C) केवल विलास
- (D) श्रमक सम्मान आ बेरोजगारीक समस्या

९२६. हास्य-मर्म पर उत्तरक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मर्म अनुपस्थित
- (B) हास्य मात्र चुटकुला
- (C) हँसीक भीतर करुण सामाजिक सच्चाई
- (D) केवल भय

९२७. हास्य-मर्म पर उत्तर पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मर्म अनुपस्थित
- (B) हँसीक भीतर करुण सामाजिक सच्चाई
- (C) हास्य मात्र चुटकुला
- (D) केवल भय

९२८. हास्य-मर्म पर उत्तरक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल भय
- (B) मर्म अनुपस्थित
- (C) हँसीक भीतर करुण सामाजिक सच्चाई
- (D) हास्य मात्र चुटकुला

९२९. हास्य-मर्म पर उत्तर सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल भय
- (B) हँसीक भीतर करुण सामाजिक सच्चाई
- (C) मर्म अनुपस्थित
- (D) हास्य मात्र चुटकुला

९३०. परीक्षा-दृष्टिसँ हास्य-मर्म पर उत्तरक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हास्य मात्र चुटकुला
- (B) हँसीक भीतर करुण सामाजिक सच्चाई
- (C) केवल भय
- (D) मर्म अनुपस्थित

९३१. व्यंग्य पर उत्तरक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कामक ऊँच-नीच मानयवला समाज पर कटाक्ष
- (B) बाल-क्रीड़ापर कटाक्ष
- (C) प्रकृति पर कटाक्ष
- (D) देवकथा पर कटाक्ष

९३२. व्यंग्य पर उत्तर पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कामक ऊँच-नीच मानयवला समाज पर कटाक्ष
- (B) बाल-क्रीड़ापर कटाक्ष
- (C) देवकथा पर कटाक्ष
- (D) प्रकृति पर कटाक्ष

९३३. व्यंग्य पर उत्तरक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कामक ऊँच-नीच मानयवला समाज पर कटाक्ष
- (B) देवकथा पर कटाक्ष
- (C) प्रकृति पर कटाक्ष
- (D) बाल-क्रीड़ापर कटाक्ष

९३४. व्यंग्य पर उत्तर सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) प्रकृति पर कटाक्ष
- (B) बाल-क्रीड़ापर कटाक्ष
- (C) देवकथा पर कटाक्ष
- (D) कामक ऊँच-नीच मानयवला समाज पर कटाक्ष

९३५. परीक्षा-दृष्टिसँ व्यंग्य पर उत्तरक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) बाल-क्रीड़ापर कटाक्ष
- (B) देवकथा पर कटाक्ष
- (C) कामक ऊँच-नीच मानयवला समाज पर कटाक्ष
- (D) प्रकृति पर कटाक्ष

९३६. नाट्य-शिल्प पर उत्तरक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल गीत
- (B) केवल मौन
- (C) केवल वर्णन
- (D) छोट दृश्य, संवाद आ पात्र-प्रतिक्रियासँ तनाव

९३७. नाट्य-शिल्प पर उत्तर पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल वर्णन
- (B) केवल मौन
- (C) छोट दृश्य, संवाद आ पात्र-प्रतिक्रियासँ तनाव
- (D) केवल गीत

९३८. नाट्य-शिल्प पर उत्तरक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल वर्णन
- (C) छोट दृश्य, संवाद आ पात्र-प्रतिक्रियासँ तनाव
- (D) केवल गीत

९३९. नाट्य-शिल्प पर उत्तर सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल वर्णन
- (C) छोट दृश्य, संवाद आ पात्र-प्रतिक्रियासँ तनाव
- (D) केवल गीत

९४०. परीक्षा-दृष्टिसँ नाट्य-शिल्प पर उत्तरक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गीत
- (B) छोट दृश्य, संवाद आ पात्र-प्रतिक्रियासँ तनाव
- (C) केवल मौन
- (D) केवल वर्णन

९४१. भाषा-शैली पर उत्तरक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सहज, बोलचाली आ व्यंग्य-मर्मयुक्त मैथिली
- (B) वर्णमाला मात्र
- (C) पूर्ण दुरुह
- (D) असंवादी

९४२. भाषा-शैली पर उत्तर पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सहज, बोलचाली आ व्यंग्य-मर्मयुक्त मैथिली
- (B) पूर्ण दुरुह
- (C) वर्णमाला मात्र
- (D) असंवादी

९४३. भाषा-शैली पर उत्तरक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) असंवादी
- (B) पूर्ण दुरुह
- (C) वर्णमाला मात्र
- (D) सहज, बोलचाली आ व्यंग्य-मर्मयुक्त मैथिली

९४४. भाषा-शैली पर उत्तर सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) असंवादी
- (B) वर्णमाला मात्र
- (C) पूर्ण दुरुह
- (D) सहज, बोलचाली आ व्यंग्य-मर्मयुक्त मैथिली

९४५. परीक्षा-दृष्टिसेँ भाषा-शैली पर उत्तरक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) सहज, बोलचाली आ व्यंग्य-मर्मयुक्त मैथिली
- (B) वर्णमाला मात्र
- (C) असंवादी
- (D) पूर्ण दुरूह

९४६. आधुनिक मैथिली नाटकमे स्थानक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल गीत-संग्रह
- (B) केवल आलोचना-पत्र
- (C) सामाजिक यथार्थपरक नाटकक महत्त्वपूर्ण उदाहरण
- (D) केवल पौराणिक आख्यान

९४७. आधुनिक मैथिली नाटकमे स्थान पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थपरक नाटकक महत्त्वपूर्ण उदाहरण
- (B) केवल गीत-संग्रह
- (C) केवल आलोचना-पत्र
- (D) केवल पौराणिक आख्यान

९४८. आधुनिक मैथिली नाटकमे स्थानक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल गीत-संग्रह
- (B) केवल आलोचना-पत्र
- (C) केवल पौराणिक आख्यान
- (D) सामाजिक यथार्थपरक नाटकक महत्त्वपूर्ण उदाहरण

९४९. आधुनिक मैथिली नाटकमे स्थान सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थपरक नाटकक महत्त्वपूर्ण उदाहरण
- (B) केवल गीत-संग्रह
- (C) केवल आलोचना-पत्र
- (D) केवल पौराणिक आख्यान

९५०. परीक्षा-दृष्टिसेँ आधुनिक मैथिली नाटकमे स्थानक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल गीत-संग्रह
- (B) केवल पौराणिक आख्यान
- (C) सामाजिक यथार्थपरक नाटकक महत्त्वपूर्ण उदाहरण
- (D) केवल आलोचना-पत्र

९५१. कथावस्तुक सारक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राजा जनकक दरबार
- (B) महेशक चाय-दोकान आ ओहिसँ उठल सामाजिक तनाव
- (C) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (D) लंका-दहन

९५२. कथावस्तुक सार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) लंका-दहन
- (B) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (C) महेशक चाय-दोकान आ ओहिसँ उठल सामाजिक तनाव
- (D) राजा जनकक दरबार

९५३. कथावस्तुके सारके अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (B) महेशक चाय-दोकान आ ओहिसँ उठल सामाजिक तनाव
- (C) लंका-दहन
- (D) राजा जनकक दरबार

९५४. कथावस्तुके सार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) लंका-दहन
- (B) महेशक चाय-दोकान आ ओहिसँ उठल सामाजिक तनाव
- (C) राजा जनकक दरबार
- (D) कुरुक्षेत्र युद्ध

९५५. परीक्षा-दृष्टिसँ कथावस्तुके सारके सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कुरुक्षेत्र युद्ध
- (B) लंका-दहन
- (C) राजा जनकक दरबार
- (D) महेशक चाय-दोकान आ ओहिसँ उठल सामाजिक तनाव

९५६. समालोचनाके आधारके मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) केवल मुखपृष्ठ
- (C) कथ्य, प्रतीक, पात्र, भाषा आ मंचीयता
- (D) केवल कागज

९५७. समालोचनाके आधार पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) कथ्य, प्रतीक, पात्र, भाषा आ मंचीयता
- (B) केवल कागज
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) केवल मुखपृष्ठ

९५८. समालोचनाके आधारके अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) कथ्य, प्रतीक, पात्र, भाषा आ मंचीयता
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) केवल कागज

९५९. समालोचनाके आधार सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल कागज
- (B) केवल मुखपृष्ठ
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) कथ्य, प्रतीक, पात्र, भाषा आ मंचीयता

९६०. परीक्षा-दृष्टिसँ समालोचनाके आधारके सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल कागज
- (D) कथ्य, प्रतीक, पात्र, भाषा आ मंचीयता

९६१. परीक्षा-उत्तरक संरचनाक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल एक पंक्ति
- (B) केवल नाम
- (C) केवल विकल्प
- (D) परिचय, कथ्य, विश्लेषण आ निष्कर्ष

९६२. परीक्षा-उत्तरक संरचना पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) केवल एक पंक्ति
- (B) परिचय, कथ्य, विश्लेषण आ निष्कर्ष
- (C) केवल विकल्प
- (D) केवल नाम

९६३. परीक्षा-उत्तरक संरचनाक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल विकल्प
- (B) केवल नाम
- (C) परिचय, कथ्य, विश्लेषण आ निष्कर्ष
- (D) केवल एक पंक्ति

९६४. परीक्षा-उत्तरक संरचना सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) परिचय, कथ्य, विश्लेषण आ निष्कर्ष
- (B) केवल एक पंक्ति
- (C) केवल विकल्प
- (D) केवल नाम

९६५. परीक्षा-दृष्टिसँ परीक्षा-उत्तरक संरचनाक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल नाम
- (B) केवल विकल्प
- (C) केवल एक पंक्ति
- (D) परिचय, कथ्य, विश्लेषण आ निष्कर्ष

९६६. कृतिक नारी-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चन्द्रमाक क्रिया द्वारा सामाजिक मर्यादा पर प्रश्न
- (B) केवल पृष्ठभूमि
- (C) केवल देवता
- (D) नारी सर्वथा अनुपस्थित

९६७. कृतिक नारी-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) नारी सर्वथा अनुपस्थित
- (B) केवल देवता
- (C) चन्द्रमाक क्रिया द्वारा सामाजिक मर्यादा पर प्रश्न
- (D) केवल पृष्ठभूमि

९६८. कृतिक नारी-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल पृष्ठभूमि
- (B) नारी सर्वथा अनुपस्थित
- (C) चन्द्रमाक क्रिया द्वारा सामाजिक मर्यादा पर प्रश्न
- (D) केवल देवता

९६९. कृतिक नारी-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पृष्ठभूमि
- (B) चन्द्रमाक क्रिया द्वारा सामाजिक मर्यादा पर प्रश्न
- (C) केवल देवता
- (D) नारी सर्वथा अनुपस्थित

९७०. परीक्षा-दृष्टिसँ कृतिक नारी-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) नारी सर्वथा अनुपस्थित
- (B) चन्द्रमाक क्रिया द्वारा सामाजिक मर्यादा पर प्रश्न
- (C) केवल देवता
- (D) केवल पृष्ठभूमि

९७१. वर्ग-दृष्टिक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल देव-सम्बन्ध
- (B) उच्च प्रतिष्ठा आ चाय-दोकानक टकराव
- (C) केवल गीत
- (D) वर्गहीन रिक्तता

९७२. वर्ग-दृष्टि पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) वर्गहीन रिक्तता
- (B) केवल देव-सम्बन्ध
- (C) केवल गीत
- (D) उच्च प्रतिष्ठा आ चाय-दोकानक टकराव

९७३. वर्ग-दृष्टिक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल देव-सम्बन्ध
- (B) उच्च प्रतिष्ठा आ चाय-दोकानक टकराव
- (C) केवल गीत
- (D) वर्गहीन रिक्तता

९७४. वर्ग-दृष्टि सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल गीत
- (B) वर्गहीन रिक्तता
- (C) उच्च प्रतिष्ठा आ चाय-दोकानक टकराव
- (D) केवल देव-सम्बन्ध

९७५. परीक्षा-दृष्टिसँ वर्ग-दृष्टिक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) उच्च प्रतिष्ठा आ चाय-दोकानक टकराव
- (B) केवल देव-सम्बन्ध
- (C) वर्गहीन रिक्तता
- (D) केवल गीत

९७६. आत्मबलक निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) ओ छल करैत छथि
- (B) ओ पूर्ण पराजित रहैत छथि
- (C) महेश अपन श्रमसँ जीवनकेँ अर्थ दैत छथि
- (D) ओ काम छोड़ैत छथि

९७७. आत्मबलक निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) महेश अपन श्रमसँ जीवनकेँ अर्थ दैत छथि
- (B) ओ काम छोड़ैत छथि
- (C) ओ छल करैत छथि
- (D) ओ पूर्ण पराजित रहैत छथि

९७८. आत्मबलक निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ओ छल करैत छथि
- (B) महेश अपन श्रमसँ जीवनकेँ अर्थ दैत छथि
- (C) ओ पूर्ण पराजित रहैत छथि
- (D) ओ काम छोड़ैत छथि

९७९. आत्मबलक निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) ओ पूर्ण पराजित रहैत छथि
- (B) ओ छल करैत छथि
- (C) महेश अपन श्रमसँ जीवनकेँ अर्थ दैत छथि
- (D) ओ काम छोड़ैत छथि

९८०. परीक्षा-दृष्टिसँ आत्मबलक निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) महेश अपन श्रमसँ जीवनकेँ अर्थ दैत छथि
- (B) ओ छल करैत छथि
- (C) ओ काम छोड़ैत छथि
- (D) ओ पूर्ण पराजित रहैत छथि

९८१. शीर्षक-सार्थकताक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शीर्षक केवल रंग
- (B) शीर्षक केवल स्थान
- (C) शीर्षक असम्बद्ध
- (D) भफाड़त चाय जकाँ अस्थिर मुदा पुनर्नवीकरणक्षम जीवन

९८२. शीर्षक-सार्थकता पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) शीर्षक असम्बद्ध
- (B) शीर्षक केवल स्थान
- (C) भफाड़त चाय जकाँ अस्थिर मुदा पुनर्नवीकरणक्षम जीवन
- (D) शीर्षक केवल रंग

९८३. शीर्षक-सार्थकताक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) शीर्षक केवल रंग
- (B) शीर्षक असम्बद्ध
- (C) भफाड़त चाय जकाँ अस्थिर मुदा पुनर्नवीकरणक्षम जीवन
- (D) शीर्षक केवल स्थान

९८४. शीर्षक-सार्थकता सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) शीर्षक केवल रंग
- (B) शीर्षक असम्बद्ध
- (C) भफाड़त चाय जकाँ अस्थिर मुदा पुनर्नवीकरणक्षम जीवन
- (D) शीर्षक केवल स्थान

९८५. परीक्षा-दृष्टिसें शीर्षक-सार्थकताक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) शीर्षक असम्बद्ध
- (B) शीर्षक केवल रंग
- (C) शीर्षक केवल स्थान
- (D) भफाइट चाय जकाँ अस्थिर मुदा पुनर्नवीकरणक्षम जीवन

९८६. मंचीयता पर निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) संवादहीन
- (B) मंचन असम्भव
- (C) ई नाटक साहित्यक संग मंचन लेल सेहो उपयुक्त
- (D) पात्रहीन

९८७. मंचीयता पर निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) मंचन असम्भव
- (B) संवादहीन
- (C) ई नाटक साहित्यक संग मंचन लेल सेहो उपयुक्त
- (D) पात्रहीन

९८८. मंचीयता पर निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) पात्रहीन
- (B) मंचन असम्भव
- (C) संवादहीन
- (D) ई नाटक साहित्यक संग मंचन लेल सेहो उपयुक्त

९८९. मंचीयता पर निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) पात्रहीन
- (B) मंचन असम्भव
- (C) ई नाटक साहित्यक संग मंचन लेल सेहो उपयुक्त
- (D) संवादहीन

९९०. परीक्षा-दृष्टिसें मंचीयता पर निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) संवादहीन
- (B) पात्रहीन
- (C) ई नाटक साहित्यक संग मंचन लेल सेहो उपयुक्त
- (D) मंचन असम्भव

९९१. सामाजिक यथार्थक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल पौराणिक युद्ध
- (B) केवल प्रकृति
- (C) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश
- (D) केवल रहस्य

९९२. सामाजिक यथार्थ पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश
- (B) केवल पौराणिक युद्ध
- (C) केवल रहस्य
- (D) केवल प्रकृति

१९३. सामाजिक यथार्थक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) केवल प्रकृति
- (B) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश
- (C) केवल पौराणिक युद्ध
- (D) केवल रहस्य

१९४. सामाजिक यथार्थ सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) केवल पौराणिक युद्ध
- (B) केवल रहस्य
- (C) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश
- (D) केवल प्रकृति

१९५. परीक्षा-दृष्टिसँ सामाजिक यथार्थक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश
- (B) केवल प्रकृति
- (C) केवल पौराणिक युद्ध
- (D) केवल रहस्य

१९६. समग्र निष्कर्षक मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) ई साहित्यक बाहर अछि
- (B) भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि
- (C) ई केवल हास्य-चुटकुला अछि
- (D) ई केवल पेय-पदार्थक सूची अछि

१९७. समग्र निष्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सही उत्तर कोन अछि?

- (A) ई केवल हास्य-चुटकुला अछि
- (B) भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि
- (C) ई केवल पेय-पदार्थक सूची अछि
- (D) ई साहित्यक बाहर अछि

१९८. समग्र निष्कर्षक अध्ययनमे कोन बात स्मरणीय अछि?

- (A) ई साहित्यक बाहर अछि
- (B) ई केवल पेय-पदार्थक सूची अछि
- (C) भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि
- (D) ई केवल हास्य-चुटकुला अछि

१९९. समग्र निष्कर्ष सम्बन्धी उपयुक्त कथन कोन अछि?

- (A) भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि
- (B) ई साहित्यक बाहर अछि
- (C) ई केवल हास्य-चुटकुला अछि
- (D) ई केवल पेय-पदार्थक सूची अछि

१०००. परीक्षा-दृष्टिसँ समग्र निष्कर्षक सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि
- (B) ई केवल हास्य-चुटकुला अछि
- (C) ई साहित्यक बाहर अछि
- (D) ई केवल पेय-पदार्थक सूची अछि

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

૨૧૫. (C) નાયકક સંઘર્ષશીલ જિનગીક રૂપક — મહેશક જીવન ચાયક ભાપ જકાં ક્ષણિક સંકટસં ઘેરલ રહેત અછિ, મુદા ઓ શ્રમસં અર્થ પબૈત અછિ.

२१६. (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना — समीक्षात्मक दृष्टिमे भाप उड़ि गेलोपर चाय फेर सँ स्वादु बनि सकैत अछि; एहि मे आत्मबलक संकेत अछि।

२१७. (A) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना — समीक्षात्मक दृष्टिमे भाप उड़ि गेलोपर चाय फेर सँ स्वादु बनि सकैत अछि; एहि मे आत्मबलक संकेत अछि।

२१८. (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना — समीक्षात्मक दृष्टिमे भाप उड़ि गेलोपर चाय फेर सँ स्वादु बनि सकैत अछि; एहि मे आत्मबलक संकेत अछि।

२१९. (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना — समीक्षात्मक दृष्टिमे भाप उड़ि गेलोपर चाय फेर सँ स्वादु बनि सकैत अछि; एहि मे आत्मबलक संकेत अछि।

२२०. (C) अस्थिरता आ पुनः स्वादु बनबाक सम्भावना — समीक्षात्मक दृष्टिमे भाप उड़ि गेलोपर चाय फेर सँ स्वादु बनि सकैत अछि; एहि मे आत्मबलक संकेत अछि।

२२१. (B) दैनिक जीवनक वस्तु केँ दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ — चाय-दोकान मंचपर सहज दृश्य बनैत अछि आ शीर्षक ओहि दृश्यकेँ अर्थ दैत अछि।

२२२. (D) दैनिक जीवनक वस्तु के दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ — चाय-दोकान मंचपर सहज दृश्य बनैत अछि आ शीर्षक ओहि दृश्यकेँ अर्थ दैत अछि।

२२३. (C) दैनिक जीवनक वस्तु के दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ — चाय-दोकान मंचपर सहज दृश्य बनैत अछि आ शीर्षक ओहि दृश्यकेँ अर्थ दैत अछि।

२२४. (C) दैनिक जीवनक वस्तु के दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ — चाय-दोकान मंचपर सहज दृश्य बनैत अछि आ शीर्षक ओहि दृश्यकेँ अर्थ दैत अछि।

२२५. (C) दैनिक जीवनक वस्तु के दृश्य-प्रतीक बनबेनाइ — चाय-दोकान मंचपर सहज दृश्य बनैत अछि आ शीर्षक ओहि दृश्यकेँ अर्थ दैत अछि।

२२६. (C) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब — दोकान पात्र-भेंट, संवाद, वर्ग-दृष्टि आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनैत अछि।

२२७. (D) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब — दोकान पात्र-भेंट, संवाद, वर्ग-दृष्टि आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनैत अछि।

२२८. (B) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब — दोकान पात्र-भेंट, संवाद, वर्ग-दृष्टि आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनैत अछि।

२२९. (C) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब — दोकान पात्र-भेंट, संवाद, वर्ग-दृष्टि आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनैत अछि।

२३०. (D) छोट ठाममे समाजक पैघ प्रश्न देखब — दोकान पात्र-भेंट, संवाद, वर्ग-दृष्टि आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनैत अछि।

२३१. (D) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव — महेशक कर्म-आधारित जीवन शीर्षककेँ सकारात्मक अर्थ दैत अछि।

२३२. (D) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव — महेशक कर्म-आधारित जीवन शीर्षककेँ सकारात्मक अर्थ दैत अछि।

२३३. (C) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव — महेशक कर्म-आधारित जीवन शीर्षककेँ सकारात्मक अर्थ दैत अछि।

२३४. (A) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव — महेशक कर्म-आधारित जीवन शीर्षककेँ सकारात्मक अर्थ दैत अछि।

२३५. (C) पराजयक बीच श्रमसँ आत्मगौरव — महेशक कर्म-आधारित जीवन शीर्षककेँ सकारात्मक अर्थ दैत अछि।

૨૩૬. (A) ક્ષણભંગુરતા આ સંઘર્ષ-દ્વારા પુનર્નિર્માણ — ભાપ ઉઠેત અછિ, મુદા ચાયક સ્વાદ બચિ સકૈત અછિ; એહી પ્રકાર જીવનમે આત્મબલ મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ.

૨૩૭. (B) ક્ષણભંગુરતા આ સંઘર્ષ-દ્વારા પુનર્નિર્માણ — ભાપ ઉડૈત અછિ, મુદા ચાયક સ્વાદ બચિ સકૈત અછિ; એહી પ્રકાર જીવનમે આત્મબલ મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ.

૨૩૮. (B) ક્ષણભંગુરતા આ સંઘર્ષ-દ્વારા પુનર્નિર્માણ — ભાપ ઉઠેત અછિ, મુદા ચાયક સ્વાદ બચિ સકૈત અછિ; એહી પ્રકાર જીવનમે આત્મબલ મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ.

૨૩૯. (D) ક્ષણભંગુરતા આ સંઘર્ષ-દ્વારા પુનર્નિર્માણ — ભાપ ઉઠેત અછિ, મુદા ચાયક સ્વાદ બચિ સકૈત અછિ; એહી પ્રકાર જીવનમે આત્મબલ મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ.

૨૪૦. (B) ક્ષણભંગરતા આ સંઘર્ષ-દ્વારા પુનર્નિર્માણ — ભાપ ઉડૈત અછિ, મદા ચાયક સ્વાદ બચિ સકૈત અછિ; એહી પ્રકાર જીવનમે આત્મબલ મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ।

૨૪૧. (B) સાધારણ કામમે ગરિમા મેટબ — નાટક બતબૈત અછિ જે ચાય બેચબ જકાં શ્રમ સેહો સમ્માનપૂર્ણ જીવનક માર્ગ બનિ સકૈત અછિ।

૨૪૨. (B) સાધારણ કામમે ગરિમા શેટલ — નાટક બતબૈત અછિ જે ચાય બેચબ જકાં શ્રમ સેહો સમ્માનપૂર્ણ જીવનક માર્ગ બનિ સકૈત અછિ।

૨૪૩. (A) સાધારણ કામમે ગરિમા મેટબ — નાટક બતબૈત અછિ જે ચાય બેચબ જકાં શ્રમ સેહો સમ્માનપૂર્ણ જીવનક માર્ગ બનિ સકૈત અછિ।

૨૪૪. (B) સાધારણ કામમે ગરિમા શેટલ — નાટક બતબૈત અછિ જે ચાય બેચબ જકાં શ્રમ સેહો સમ્માનપૂર્ણ જીવનક માર્ગ બનિ સકૈત અછિ।

૨૪૫. (C) સાધારણ કામમે ગરિમા મેટબ — નાટક બતબૈત અછિ જે ચાય બેચબ જકાં શ્રમ સેહો સમ્માનપૂર્ણ જીવનક માર્ગ બનિ સકૈત અછિ।

२४६. (A) नायकक सामाजिक अवमानना आ आत्मबल — महेश समाजक अवमानना झेलैत छथि, मुदा आत्मबलसँ अपन मार्ग चनैत छथि।

- [illegible]

૨૮૦. (D) કામક ડૂંચ-નીચક સામાજિક ભ્રમ પર પ્રશ્ન — નાટક શિક્ષિત મનુષ્યક ચાય બેચબાક નિર્ણયસં કામક મર્યાદા પર સમાજક દૃષ્ટિક પરીક્ષણ કરૈત અછિ।
૨૮૧. (D) વ્યક્તિ માત્ર નહિ, સામાજિક અનુભવક સમ્પૂર્ણતા — જિનગી શબ્દ મહેશક અનુભવ, સંઘર્ષ, સ્વાભિમાન આ સંબંધ સભકેં સમેટૈત અછિ।
૨૮૨. (A) વ્યક્તિ માત્ર નહિ, સામાજિક અનુભવક સમ્પૂર્ણતા — જિનગી શબ્દ મહેશક અનુભવ, સંઘર્ષ, સ્વાભિમાન આ સંબંધ સભકેં સમેટૈત અછિ।
૨૮૩. (A) વ્યક્તિ માત્ર નહિ, સામાજિક અનુભવક સમ્પૂર્ણતા — જિનગી શબ્દ મહેશક અનુભવ, સંઘર્ષ, સ્વાભિમાન આ સંબંધ સભકેં સમેટૈત અછિ।
૨૮૪. (C) વ્યક્તિ માત્ર નહિ, સામાજિક અનુભવક સમ્પૂર્ણતા — જિનગી શબ્દ મહેશક અનુભવ, સંઘર્ષ, સ્વાભિમાન આ સંબંધ સભકેં સમેટૈત અછિ।
૨૮૫. (A) વ્યક્તિ માત્ર નહિ, સામાજિક અનુભવક સમ્પૂર્ણતા — જિનગી શબ્દ મહેશક અનુભવ, સંઘર્ષ, સ્વાભિમાન આ સંબંધ સભકેં સમેટૈત અછિ।
૨૮૬. (D) ચાય જીવનક નાજુકતા આ નવીકરણક સમ્ભાવના — સાહિત્યિક પ્રતીક વસ્તુકેં ગહન અર્થ દૈત અછિ; ઇહિ નાટકમે ચાય ઓહને પ્રતીક અછિ।
૨૮૭. (A) ચાય જીવનક નાજુકતા આ નવીકરણક સમ્ભાવના — સાહિત્યિક પ્રતીક વસ્તુકેં ગહન અર્થ દૈત અછિ; ઇહિ નાટકમે ચાય ઓહને પ્રતીક અછિ।
૨૮૮. (C) ચાય જીવનક નાજુકતા આ નવીકરણક સમ્ભાવના — સાહિત્યિક પ્રતીક વસ્તુકેં ગહન અર્થ દૈત અછિ; ઇહિ નાટકમે ચાય ઓહને પ્રતીક અછિ।
૨૮૯. (C) ચાય જીવનક નાજુકતા આ નવીકરણક સમ્ભાવના — સાહિત્યિક પ્રતીક વસ્તુકેં ગહન અર્થ દૈત અછિ; ઇહિ નાટકમે ચાય ઓહને પ્રતીક અછિ।
૨૯૦. (C) ચાય જીવનક નાજુકતા આ નવીકરણક સમ્ભાવના — સાહિત્યિક પ્રતીક વસ્તુકેં ગહન અર્થ દૈત અછિ; ઇહિ નાટકમે ચાય ઓહને પ્રતીક અછિ।
૨૯૧. (C) કથાવસ્તુ, નાયક આ સામાજિક અર્થ તીનૂક મેલ — શીર્ષક મહેશક જીવન, ચાય-દોકાન આ સામાજિક અવમાનના-આત્મબલક અર્થકેં જોડૈત અછિ।
૨૯૨. (C) કથાવસ્તુ, નાયક આ સામાજિક અર્થ તીનૂક મેલ — શીર્ષક મહેશક જીવન, ચાય-દોકાન આ સામાજિક અવમાનના-આત્મબલક અર્થકેં જોડૈત અછિ।
૨૯૩. (B) કથાવસ્તુ, નાયક આ સામાજિક અર્થ તીનૂક મેલ — શીર્ષક મહેશક જીવન, ચાય-દોકાન આ સામાજિક અવમાનના-આત્મબલક અર્થકેં જોડૈત અછિ।
૨૯૪. (A) કથાવસ્તુ, નાયક આ સામાજિક અર્થ તીનૂક મેલ — શીર્ષક મહેશક જીવન, ચાય-દોકાન આ સામાજિક અવમાનના-આત્મબલક અર્થકેં જોડૈત અછિ।
૨૯૫. (B) કથાવસ્તુ, નાયક આ સામાજિક અર્થ તીનૂક મેલ — શીર્ષક મહેશક જીવન, ચાય-દોકાન આ સામાજિક અવમાનના-આત્મબલક અર્થકેં જોડૈત અછિ।
૨૯૬. (A) કમજોર દેખાઇત જીવનક ધીતર છિપલ શક્તિ — ભફાઇત ચાય બાહિરસં અસ્થિર લગૈત અછિ, મુદા આત્મવિશ્વાસસં ઓકર સ્વાદ ફેર જાગિ સકૈત અછિ।
૨૯૭. (D) કમજોર દેખાઇત જીવનક ધીતર છિપલ શક્તિ — ભફાઇત ચાય બાહિરસં અસ્થિર લગૈત અછિ, મુદા આત્મવિશ્વાસસં ઓકર સ્વાદ ફેર જાગિ સકૈત અછિ।
૨૯૮. (A) કમજોર દેખાઇત જીવનક ધીતર છિપલ શક્તિ — ભફાઇત ચાય બાહિરસં અસ્થિર લગૈત અછિ, મુદા આત્મવિશ્વાસસં ઓકર સ્વાદ ફેર જાગિ સકૈત અછિ।
૨૯૯. (C) કમજોર દેખાઇત જીવનક ધીતર છિપલ શક્તિ — ભફાઇત ચાય બાહિરસં અસ્થિર લગૈત અછિ, મુદા આત્મવિશ્વાસસં ઓકર સ્વાદ ફેર જાગિ સકૈત અછિ।
૩૦૦. (B) કમજોર દેખાઇત જીવનક ધીતર છિપલ શક્તિ — ભફાઇત ચાય બાહિરસં અસ્થિર લગૈત અછિ, મુદા આત્મવિશ્વાસસં ઓકર સ્વાદ ફેર જાગિ સકૈત અછિ।
૩૦૧. (A) મહેશ — ભફાઇત ચાહક જિનગીક કેન્દ્રમે મહેશ છથિ, જે બેરોજગારીસં જૂઝિ ચાય-દોકાન ચલબૈત છથિ।
૩૦૨. (C) મહેશ — ભફાઇત ચાહક જિનગીક કેન્દ્રમે મહેશ છથિ, જે બેરોજગારીસં જૂઝિ ચાય-દોકાન ચલબૈત છથિ।
૩૦૩. (A) મહેશ — ભફાઇત ચાહક જિનગીક કેન્દ્રમે મહેશ છથિ, જે બેરોજગારીસં જૂઝિ ચાય-દોકાન ચલબૈત છથિ।
૩૦૪. (A) મહેશ — ભફાઇત ચાહક જિનગીક કેન્દ્રમે મહેશ છથિ, જે બેરોજગારીસં જૂઝિ ચાય-દોકાન ચલબૈત છથિ।
૩૦૫. (B) મહેશ — ભફાઇત ચાહક જિનગીક કેન્દ્રમે મહેશ છથિ, જે બેરોજગારીસં જૂઝિ ચાય-દોકાન ચલબૈત છથિ।
૩૦૬. (B) શિક્ષિત બેરોજગારી આ સમ્માનજનક આજીવિકા — મહેશ સુશિક્ષિત છથિ મુદા રોજગારક સંકટમે ચાય-દોકાન અપનાબૈત છથિ।

३३९. (D) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह — सुशिक्षित व्यक्ति द्वारा चाय बेचब समाजक रूढ़ नजरियाकेँ उजागर करैत अछि।

३४०. (D) कामक ऊँच-नीचसँ बनल पूर्वग्रह — सुशिक्षित व्यक्ति द्वारा चाय बेचब समाजक रुढ़ नजरियाकेँ उजागर करैत अछि।

३४१. (A) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब — नायकक शक्ति एहि बातमे अछि जे ओ कामक अपमान स्वीकार नहि करैत, अपन श्रमकें जीवनक डोरी बनबैत छथि।

३४२. (B) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब — नायकक शक्ति एहि बातमे अछि जे ओ कामक अपमान स्वीकार नहि करैत, अपन श्रमकें जीवनक डोरी बनबैत छथि।

३४३. (A) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब — नायकक शक्ति एहि बातमे अछि जे ओ कामक अपमान स्वीकार नहि करैत, अपन श्रमकें जीवनक डोरी बनबैत छथि।

३४४. (B) अधलाह मानल गेल काममे सेहो गरिमा खोजब — नायकक शक्ति एहि बातमे अछि जे ओ कामक अपमान स्वीकार नहि करैत, अपन श्रमकें जीवनक डोरी बनबैत छथि।

૪૪૫. (B) અધલાહ માનલ ગેલ કામમે સેહો ગરિમા યોજબ — નાયકક શક્તિ ઇહિ બાતમે અછિ જે ઓ કામક અપમાન સ્વીકાર નહિ કરૈત, અપન શ્રમકૈં જીવનક ડોરી બનબૈત છથિ।

३४६. (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम — उपलब्ध समीक्षा अनुसार कथा चेतना समिति पटनाक कार्यक्रमक मध्य घुमैत अछि।

३४७. (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम — उपलब्ध समीक्षा अनुसार कथा चेतना समिति पटनाक कार्यक्रमक मध्य घुमैत अछि।

३४८. (C) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम — उपलब्ध समीक्षा अनुसार कथा चेतना समिति पटनाक कार्यक्रमक मध्य घुमैत अछि।

३४९. (D) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम — उपलब्ध समीक्षा अनुसार कथा चेतना समिति पटनाक कार्यक्रमक मध्य घुमैत अछि।

३५०. (B) चेतना समिति पटनाक कार्यक्रम आ चाय-दोकानक घटनाक्रम — उपलब्ध समीक्षा अनुसार कथा चेतना समिति पटनाक कार्यक्रमक मध्य घुमैत अछि।

३५१. (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब — महेश कर्म-प्रतिस्पर्धामे सफल नहि भेलापर सेहो आत्मबलसँ श्रमक मार्ग पकड़ैत छथि।

३५२. (D) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब — महेश कर्म-प्रतिस्पर्धामे सफल नहि भेलापर सेहो आत्मबलसँ श्रमक मार्ग पकड़ैत छथि।

३५३. (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब — महेश कर्म-प्रतिस्पर्धामे सफल नहि भेलापर सेहो आत्मबलसँ श्रमक मार्ग पकड़ैत छथि।

३५४. (A) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब — महेश कर्म-प्रतिस्पर्धामे सफल नहि भेलापर सेहो आत्मबलसँ श्रमक मार्ग पकड़ैत छथि।

३५५. (C) प्रतिस्पर्धा मे असफलता पछाति अपन राह चुनब — महेश कर्म-प्रतिस्पर्धामे सफल नहि भेलापर सेहो आत्मबलसँ श्रमक मार्ग पकड़ैत छथि।

३५६. (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच — दोकान नाटकक क्रिया, संवाद आ व्यंग्यक स्थान बनैत अछि।

३५७. (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच — दोकान नाटकक क्रिया, संवाद आ व्यंग्यक स्थान बनैत अछि।

३५८. (A) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच — दोकान नाटकक क्रिया, संवाद आ व्यंग्यक स्थान बनैत अछि।

३५९. (C) पात्रक भेट आ सामाजिक तनावक मंच — दोकान नाटकक क्रिया, संवाद आ व्यंग्यक स्थान बनैत अछि।

૩૬૦. (B) પાત્રક ભેટ આ સામાજિક તનાવક મંચ — દોકાન નાટકક ક્રિયા, સંવાદ આ વ્યંગ્યક સ્થાન બનૈત અછિ।

३६१. (D) स्वाभिमाना आ संवेदनशील — महेश कमजोर नहि, संघर्षरत आ स्वाभिमाना पात्र छथि।

३६२. (A) स्वाभिमानी आ संवेदनशील — महेश कमजोर नहि, संघर्षरत आ स्वाभिमानी पात्र छथि।

३६३. (D) स्वाभिमानी आ संवेदनशील — महेश कमजोर नहि, संघर्षरत आ स्वाभिमानी पात्र छथि।

३६४. (B) स्वाभिमाना आ संवेदनशील — महेश कमजोर नहि, संघर्षरत आ स्वाभिमाना पात्र छथि।

३६५. (D) स्वाभिमाना आ संवेदनशील — महेश कमजोर नहि, संघर्षरत आ स्वाभिमाना पात्र छथि।

३६६. (A) कामकेँ अपन जीवनक डोरी बनायब — महेश समाजक कटाक्षक बावजूद श्रमसँ अपन जीवन सजयबाक प्रयास करैत छथि।

- [illegible]

- 219

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

५७९. (D) अपमानक बावजूद काम करब — महेशक जीवनक बल कर्मठता आ आत्मविश्वास अछि।

५८०. (C) अपमानक बावजूद काम करब — महेशक जीवनक बल कर्मठता आ आत्मविश्वास अछि।

૫૮૧. (B) દીર્ઘસૂત્રી દૃષ્ટિકોણક લોક સેહો નતમસ્તક હોઈત અછિ — સમીક્ષામે કહલગેલ અછિ જે મહેશક આત્મબલ દેખિકડ લંબા સોચ વલા લોક સેહો નતમસ્તક બડ જાઈત અછિ।

૫૮૨. (B) દીર્ઘસૂત્રી દૃષ્ટિકોણક લોક સેહો નતમસ્તક હોઈત અછિ — સમીક્ષામે કહલગેલ અછિ જે મહેશક આત્મબલ દેખિકડ લંબા સોચ વલા લોક સેહો નતમસ્તક ભડ જાઈત અછિ।

૫૮૩. (C) દીર્ઘસૂત્રી દૃષ્ટિકોણક લોક સેહો નતમસ્તક હોઈત અછિ — સમીક્ષામે કહલગેલ અછિ જે મહેશક આત્મબલ દેખિકડ લંબા સોચ વલા લોક સેહો નતમસ્તક ભડ જાઈત અછિ।

૫૮૪. (A) દીર્ઘસૂત્રી દૃષ્ટિકોણક લોક સેહો નતમસ્તક હોઈત અછિ — સમીક્ષામે કહલગેલ અછિ જે મહેશક આત્મબલ દેખિકડ લંબા સોચ વલા લોક સેહો નતમસ્તક બડ જાઈત અછિ।

૫૮૫. (A) દીર્ઘસૂત્રી દૃષ્ટિકોણક લોક સેહો નતમસ્તક હોઈત અછિ — સમીક્ષામે કહલગેલ અછિ જે મહેશક આત્મબલ દેખિકડ લંબા સોચ વલા લોક સેહો નતમસ્તક ભડ જાઈત અછિ।

५८६. (A) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग — आधुनिक जीवनक सच्चाई सामान्य दृश्य आ रोजमर्रा शब्दसँ अभिव्यक्त भेल अछि।

५८७. (A) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग — आधुनिक जीवनक सच्चाई सामान्य दृश्य आ रोजमर्रा शब्दसँ अभिव्यक्त भेल अछि।

૫૮૮. (D) ચાય, દુકાન, ગ્રાહક આ કવિતા એક સંગ — આધુનિક જીવનક સચ્ચાઈ સામાન્ય દૃશ્ય આ રોજમર્રા શબ્દસૈં અભિવ્યક્ત ભેલ અછિ।

५८९. (B) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग — आधुनिक जीवनक सच्चाई सामान्य दृश्य आ रोजमर्रा शब्दसँ अभिव्यक्त भेल अछि।

५९०. (B) चाय, दुकान, ग्राहक आ कविता एक संग — आधुनिक जीवनक सच्चाई सामान्य दृश्य आ रोजमर्रा शब्दसँ अभिव्यक्त भेल अछि।

५११. (A) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि — नाटक आधुनिक समाजक रोजगार-संकटकेँ साहित्यक केन्द्रीय विषय बनबैत अछि।

५१२. (C) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि — नाटक आधुनिक समाजक रोजगार-संकटकेँ साहित्यक केन्द्रीय विषय बनबैत अछि।

५९३. (C) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि — नाटक आधुनिक समाजक रोजगार-संकटकेँ साहित्यक केन्द्रीय विषय बनबैत अछि।

૫૧૪. (A) રોજગારક કમી સમાજક સોચકેં ચુનૌતી દૈત અછિ — નાટક આધુનિક સમાજક રોજગાર-સંકટકેં સાહિત્યક કેન્દ્રીય વિષય બનબૈત અછિ।

५९५. (A) रोजगारक कमी समाजक सोचकेँ चुनौती दैत अछि — नाटक आधुनिक समाजक रोजगार-संकटकेँ साहित्यक केन्द्रीय विषय बनबैत अछि।

५९६. (A) भफाइत चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि — उत्तरमे कृतिक सामाजिक-आर्थिक आधार स्पष्ट करब आवश्यक अछि।

५९७. (C) भफाइत चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि — उत्तरमे कृतिक सामाजिक-आर्थिक आधार स्पष्ट करब आवश्यक अछि।

५९८. (B) भफाइत चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि — उत्तरमे कृतिक सामाजिक-आर्थिक आधार स्पष्ट करब आवश्यक अछि।

५९९. (A) भफाइत चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि — उत्तरमे कृतिक सामाजिक-आर्थिक आधार स्पष्ट करब आवश्यक अछि।

६००. (C) भफाइत चाहक जिनगी श्रमक गरिमा आ शिक्षित बेरोजगारीक नाटक अछि — उत्तरमे कृतिक सामाजिक-आर्थिक आधार स्पष्ट करब आवश्यक अछि।

६०१. (A) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल — एहि नाटकक हास्य समाजक ऊँच-नीच दृष्टि, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्षसँ जन्मैत अछि।

६०२. (C) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल — एहि नाटकक हास्य समाजक ऊँच-नीच दृष्टि, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्षसँ जन्मैत अछि।

६०३. (D) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल — एहि नाटकक हास्य समाजक ऊँच-नीच दृष्टि, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्षसँ जन्मैत अछि।

६०४. (C) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल — एहि नाटकक हास्य समाजक ऊँच-नीच दृष्टि, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्षसँ जन्मैत अछि।

६०५. (D) सामाजिक विसंगति सँ जन्मल — एहि नाटकक हास्य समाजक ऊँच-नीच दृष्टि, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्षसँ जन्मैत अछि।

६०६. (D) हँसीक भीतर पीडा — समीक्षामे हास्य आ मर्मक सम्यक तारतम्यक बात अबैत अछि।

- [illegible]

- [illegible]

- 227

- [illegible]

७८७. (D) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब — सफल नाटक अंतमे प्रश्न आ संवेदना छोड़ैत अछि।

૭૮૮. (B) મર્મ આ સંદેશ દર્શકક મનમે છોડે — સફલ નાટક અંતમે પ્રશ્ન આ સંવેદના છોડેત અછિ।

૭૮૯. (A) મર્મ આ સંદેશ દર્શકક મનમે છોડે — સફલ નાટક અંતમે પ્રશ્ન આ સંવેદના છોડેત અછિ।

७९०. (C) मर्म आ संदेश दर्शकक मनमे छोड़ब — सफल नाटक अंतमे प्रश्न आ संवेदना छोड़ैत अछि।

૭૧૧. (B) સાધારણ દૃશ્યકેં જીવંત આ અર્થવાન બનાયબ — ભપાઇત ઢાહક જિનગી જેહન નાટકમે અભિનય, સંવાદ આ સ્થિતિ મુખ્ય સાધન અછિ।

૭૧૨. (A) સાધારણ દૃશ્યકે જીવંત આ અર્થવાન બનાયબ — ભપ્પાડત ચાહક જિનગી જેહન નાટકમે અભિનય, સંવાદ આ સ્થિતિ મુખ્ય સાધન અછિ।

૭૧૩. (C) સાધારણ દૃશ્યકેં જીવંત આ અર્થવાન બનાયબ — ભપ્પાડત ચાહક જિનગી જેહન નાટકમે અભિનય, સંવાદ આ સ્થિતિ મુખ્ય સાધન અછિ।

७९४. (C) साधारण दृश्यकें जीवंत आ अर्थवान बनायब — भफाइत चाहक जिनगी जेहन नाटकमे अभिनय, संवाद आ स्थिति मुख्य साधन अछि।

७९५. (A) साधारण दृश्यकें जीवंत आ अर्थवान बनायब — भफाइट चाहक जिनगी जेहन नाटकमे अभिनय, संवाद आ स्थिति मुख्य साधन अछि।

७९६. (C) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई — कृति छोट आकारमे सामान्य जीवनक बड़ प्रश्न उठबैत अछि।

७१७. (A) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई — कृति छोट आकारमे सामान्य जीवनक बड़ प्रश्न उठबैत अछि।

७९८. (D) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई — कृति छोट आकारमे सामान्य जीवनक बड़ प्रश्न उठबैत अछि।

७९९. (B) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई — कृति छोट आकारमे सामान्य जीवनक बड़ प्रश्न उठबैत अछि।

८००. (A) संक्षिप्त कथ्य मे सामाजिक गहराई — कृति छोट आकारमे सामान्य जीवनक बड़ प्रश्न उठबैत अछि।

८०१. (C) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग — भफाइट चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक सामाजिक यथार्थपरक प्रवृत्तिसँ जुड़ल अछि।

८०२. (B) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग — भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक सामाजिक यथार्थपरक प्रवृत्तिसँ जुड़ल अछि।

८०३. (D) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग — भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक सामाजिक यथार्थपरक प्रवृत्तिसँ जुड़ल अछि।

८०४. (A) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग — भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक सामाजिक यथार्थपरक प्रवृत्तिसँ जुड़ल अछि।

८०५. (A) सामाजिक यथार्थ आ मंचीय प्रयोग — भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक सामाजिक यथार्थपरक प्रवृत्तिसँ जुड़ल अछि।

८०६. (B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक — विदेह नाट्य-संदर्भमे सुधांशुजीक एहि नाटकक नाम महत्त्वपूर्ण कृतिसभक संग अबैत अछि।

८०७. (A) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक — विदेह नाट्य-संदर्भमे सुधांशुजीक एहि नाटकक नाम महत्त्वपूर्ण कृतिसभक संग अबैत अछि।

८०८. (A) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक — विदेह नाट्य-संदर्भमे सधांशजीक एहि नाटकक नाम महत्त्वपूर्ण कतिसभक संग अबैत अछि।

८०९. (B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक — विदेह नाट्य-संदर्भमे सुधांशुजीक एहि नाटकक नाम महत्त्वपूर्ण कृतिसभक संग अबैत अछि।

८१०. (B) उल्लेखनीय आधुनिक मैथिली नाटक — विदेह नाट्य-संदर्भमे सुधांशुजीक एहि नाटकक नाम महत्त्वपूर्ण कृतिसभक संग अबैत अछि।

૮૧૧. (B) જીવન ઢાક સન્દર સંયોગક ચર્ચા — વિદેહ નાટ્ય-સંદર્ભમે પૂર્ણ મૈથિલી આધનિક નાટકક આરમ્ભ સન્દર સંયોગસં જોડિ ચર્ચા કાલ ગેલ અછિ।

८१२. (B) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा — विदेह नाट्य-संदर्भमे पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ सुन्दर संयोगसँ जोडि चर्चा कएल गेल अछि।

८१३. (A) **जीवन झाक सन्दर संयोगक चर्चा** — विदेह नाट्य-संदर्भमे पर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ सन्दर संयोगसँ जोडि चर्चा कएल गेल अछि।

८१४. (C) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा — विदेह नाट्य-संदर्भमे पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ सुन्दर संयोगसँ जोड़ि चर्चा कएल गेल अछि।

८१५. (B) जीवन झाक सुन्दर संयोगक चर्चा — विदेह नाट्य-संदर्भमे पूर्ण मैथिली आधुनिक नाटकक आरम्भ सुन्दर संयोगसँ जोडि चर्चा कएल गेल अछि।

८१६. (B) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या — भफाइत चाहक जिनगी बेरोजगारी, श्रम आ समाज-दृष्टि पर केन्द्रित आधुनिक नाटक अछि।

८१७. (B) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या — भफाइत चाहक जिनगी बेरोजगारी, श्रम आ समाज-दृष्टि पर केन्द्रित आधुनिक नाटक अछि।

८१८. (A) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या — भफाइत चाहक जिनगी बेरोजगारी, श्रम आ समाज-दृष्टि पर केन्द्रित आधुनिक नाटक अछि।

८१९. (D) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या — भफाइत चाहक जिनगी बेरोजगारी, श्रम आ समाज-दृष्टि पर केन्द्रित आधुनिक नाटक अछि।

८२०. (A) पौराणिक-भक्ति प्रसंगसँ हटि आधुनिक सामाजिक समस्या — भफाइत चाहक जिनगी बेरोजगारी, श्रम आ समाज-दृष्टि पर केन्द्रित आधुनिक नाटक अछि।

८११. (A) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब — आधुनिक नाटक आम जनक समस्या, वर्ग-दृष्टि आ मानवीय संघर्ष पर बल दैत अछि।

८२२. (A) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब — आधुनिक नाटक आम जनक समस्या, वर्ग-दृष्टि आ मानवीय संघर्ष पर बल दैत अछि।

૮૩. (C) જીવનક પ્રત્યક્ષ સમસ્યા મંચપર આનબ — આધુનિક નાટક આમ જનક સમસ્યા, વર્ગ-દ્રષ્ટિ આ માનવીય સંઘર્ષ પર બલ દૈત અછિ।

८२४. (B) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब — आधुनिक नाटक आम जनक समस्या, वर्ग-दृष्टि आ मानवीय संघर्ष पर बल दैत अछि।

८२५. (D) जीवनक प्रत्यक्ष समस्या मंचपर आनब — आधुनिक नाटक आम जनक समस्या, वर्ग-दृष्टि आ मानवीय संघर्ष पर बल दैत अछि।

८२६. (A) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण — आधुनिक मैथिली नाटक समाजकेँ सोचब, प्रश्न करब आ बदलय लेल प्रेरित करैत अछि।

८२७. (A) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण — आधुनिक मैथिली नाटक समाजकेँ सोचब, प्रश्न करब आ बदलय लेल प्रेरित करैत अछि।

८२८. (D) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण — आधुनिक मैथिली नाटक समाजकेँ सोचब, प्रश्न करब आ बदलय लेल प्रेरित करैत अछि।

८२९. (B) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण — आधुनिक मैथिली नाटक समाजकेँ सोचब, प्रश्न करब आ बदलय लेल प्रेरित करैत अछि।

८३०. (D) समाज-सुधार आ चेतना निर्माण — आधुनिक मैथिली नाटक समाजकेँ सोचब, प्रश्न करब आ बदलय लेल प्रेरित करैत अछि।

૮૩૧. (A) ચાય-દોકાનક યથાર્થ બનામ રાજદરબારી દૃશ્ય — એહિ નાટકક નવીનતા ઈ અછિ જે સાધારણ જીવનક છોટ ઠામકે નાટ્યક કેન્દ્ર બનાઓલ ગેલ।

૯૩૨. (C) ચાય-દોકાનક યથાર્થ બનામ રાજદરબારી દશ્ય — એહિ નાટકક નવીનતા ઈ અછિ જે સાધારણ જીવનક છોટ ઠામકેં નાટ્યક કેન્દ્ર બનાઓલ ગેલ.

૮૩૩. (B) ચાય-દોકાનક યથાર્થ બનામ રાજદરબારી દશ્ય — એહિ નાટકક નવીનતા ઈ અછિ જે સાધારણ જીવનક છોટ ઠામકે નાટ્યક કેન્દ્ર બનાઓલ ગેલ।

૮૩૪. (B) ચાય-દોકાનક યથાર્થ બનામ રાજદરબારી દશ્ય — એહિ નાટકક નવીનતા ઈ અછિ જે સાધારણ જીવનક છોટ ઠામકે નાટ્યક કેન્દ્ર બનાઓલ ગેલ.

૮૩૫. (D) ચાય-દોકાનક યથાર્થ બનામ રાજદરબારી દશ્ય — એહિ નાટકક નવીનતા ઈ અછિ જે સાધારણ જીવનક છોટ ઠામકે નાટ્યક કેન્દ્ર બનાઓલ ગેલ।

८३६. (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब — विदेह नाट्य-उत्सवक सामग्री मैथिली रंगमंचक विविध प्रवृत्ति बुझबामे सहायक अछि।

८३७. (A) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब — विदेह नाट्य-उत्सवक सामग्री मैथिली रंगमंचक विविध प्रवृत्ति बृझबामे सहायक अछि।

८३८. (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब — विदेह नाट्य-उत्सवक सामग्री मैथिली रंगमंचक विविध प्रवृत्ति बुझबामे सहायक अछि।

८३९. (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब — विदेह नाट्य-उत्सवक सामग्री मैथिली रंगमंचक विविध प्रवृत्ति बृझबामे सहायक अछि।

८४०. (D) आधुनिक मैथिली नाटकक परिप्रेक्ष्य भेटब — विदेह नाट्य-उत्सवक सामग्री मैथिली रंगमंचक विविध प्रवृत्ति बूझबामे सहायक अछि।

८४१. (C) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट — महेशक बेरोजगारी आधुनिक समाजक आर्थिक संकटक नाट्य-रूप अछि।

८४२. (A) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट — महेशक बेरोजगारी आधुनिक समाजक आर्थिक संकटक नाट्य-रूप अछि।

८४३. (C) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट — महेशक बेरोजगारी आधुनिक समाजक आर्थिक संकटक नाट्य-रूप अछि।

८४४. (D) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट — महेशक बेरोजगारी आधुनिक समाजक आर्थिक संकटक नाट्य-रूप अछि।

८४५. (B) व्यक्ति-जीवनक आर्थिक संकट — महेशक बेरोजगारी आधुनिक समाजक आर्थिक संकटक नाट्य-रूप अछि।

८४६. (C) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न — आधुनिक नाटक समाजक बनावट आ असमानता पर विचार करबैत अछि।

८४७. (D) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न — आधुनिक नाटक समाजक बनावट आ असमानता पर विचार करबैत अछि।

८४८. (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न — आधुनिक नाटक समाजक बनावट आ असमानता पर विचार करबैत अछि।

८४९. (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न — आधुनिक नाटक समाजक बनावट आ असमानता पर विचार करबैत अछि।

८५०. (A) काम, जाति-वर्ग, प्रतिष्ठा आ जीवन-संघर्ष पर प्रश्न — आधुनिक नाटक समाजक बनावट आ असमानता पर विचार करबैत अछि।

८५९. (D) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन — कति सामान्य दृश्यसँ पैघ सामाजिक अर्थ रचैत अछि।

८५२. (C) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन — कति सामान्य दृश्यसँ पैघ सामाजिक अर्थ रचैत अछि।

८५३. (A) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन — कति सामान्य दृश्यसँ पैघ सामाजिक अर्थ रचैत अछि।

८५४. (C) सामान्य चाय-दोकानमे जीवन-दर्शन — कति सामान्य दृश्यसँ पैघ सामाजिक अर्थ रचैत अछि।

- 231

- 233

- 234

१९१. (C) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश — कृति आधुनिक समाजक यथार्थकें नाटकक रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
१९२. (A) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश — कृति आधुनिक समाजक यथार्थकें नाटकक रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
१९३. (B) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश — कृति आधुनिक समाजक यथार्थकें नाटकक रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
१९४. (C) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश — कृति आधुनिक समाजक यथार्थकें नाटकक रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
१९५. (A) बेरोजगारी, प्रतिष्ठा, श्रम आ मिथिला-मैथिली परिवेश — कृति आधुनिक समाजक यथार्थकें नाटकक रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
१९६. (B) भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि — कृति हास्य, मर्म, सामाजिक आलोचना, श्रम-गरिमा आ मंचीयता सँ समृद्ध अछि।
१९७. (B) भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि — कृति हास्य, मर्म, सामाजिक आलोचना, श्रम-गरिमा आ मंचीयता सँ समृद्ध अछि।
१९८. (C) भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि — कृति हास्य, मर्म, सामाजिक आलोचना, श्रम-गरिमा आ मंचीयता सँ समृद्ध अछि।
१९९. (A) भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि — कृति हास्य, मर्म, सामाजिक आलोचना, श्रम-गरिमा आ मंचीयता सँ समृद्ध अछि।
१०००. (A) भफाइत चाहक जिनगी आधुनिक मैथिली नाटकक मर्मपूर्ण सामाजिक कृति अछि — कृति हास्य, मर्म, सामाजिक आलोचना, श्रम-गरिमा आ मंचीयता सँ समृद्ध अछि।